www.epaper.azadsipahi.in

ओड़िशा संस्करण

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची | 29 सितंबर, 2025, सोमवार, वर्ष 10, अंक 339, आश्विन, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, संवत 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

धरा पर उतरीं मां, दर्शन कर भावविभोर हुए भक्त

■ राजधानी की सड़कों पर भक्तों का रेला | ■ चहुंओर भक्ति और उल्लास का संगम | ■ पंडालों की रौनक ने भरा उत्साह में रंग

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे, सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोस्तुते

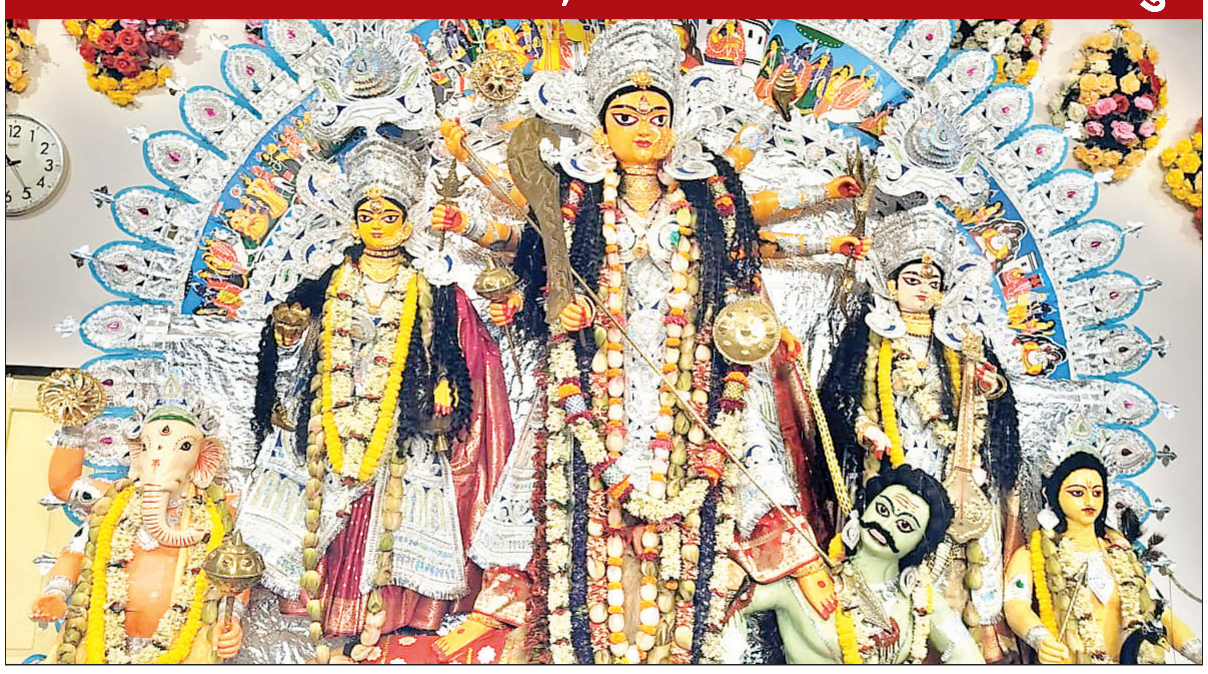

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में दुर्गोत्सव का उल्लास पसर गया है। धरा पर उतरीं मां भवानी के दर्शन कर भक्त भावविभोर हो रहे हैं। 'या देवी सर्वभूतेषु मातृ रूपेण संस्थिताः' और 'सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके' जैसे मंत्रों के उद्घोष के बीच पूजा पंडालों में भक्त उमड़ पड़े हैं। सड़कें भक्तों से अटी पड़ी हैं। राजधानी की हवाओं में सुबह-शाम आरती और घंटी की ध्वनि और धूप-अगरबत्ती की सुगंध वातावरण को भक्तिमय बना रही है। उधर राजधानी के भव्य पंडालों और आसपास बिखरी रौनक ने भक्तिमय वातावरण में उल्लास का रंग भर दिया है। माता की तेजोमय आभा का दर्शन करने के बाद श्रद्धालु पंडाल के बाहर की सजावट और मेला को देख कर निहाल हो रहे हैं।

जगमग लाइट से सड़कें हुईं रौशन

दुर्गा पूजा समितियों द्वारा पंडाल के साथ आसपास की सड़कों की भी सजावट की गयी है। जगह-जगह तोरण द्वार बनाये गये हैं, जिन पर विभिन्न कलाकृतियां की गयी हैं और उन्हें बिजली से रोशन किया गया है।

पुलिस प्रशासन चौकस

दुर्गोत्सव के दौरान सड़कों पर उमड़नेवाली भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी दिक्कतों को दूर करने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ पूजा समितियां और अन्य स्वयंसेवी संगठन चौकस रहे। पूजा पंडालों में प्रवेश और निकास को बाधारहित बनाये रखने के लिए पूजा समितियों के स्वयंसेवक लगातार मुस्तैद रहे। पूजा पंडालों के बाहर भी भीड़ और वाहन नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन के साथ स्वयंसेवी संगठनों के लोग सक्रिय रहे। भीड़ में खोनेवाले लोगों की मदद के अलावा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही।

इस साल षष्ठी से उमड़ने लगी भीड़ : दुर्गोत्सव में अमूमन सप्तमी तिथि से पंडालों में भीड़ होती है, लेकिन इस बार षष्ठी तिथि, यानी रविवार से ही श्रद्धालुओं की भीड़ सड़कों पर दिखी। रविवार को दोपहर में हुई बारिश ने हालांकि पूजा के रंग में खलल डाली, लेकिन शाम होते-होते मौसम सुहाना हो गया। भक्तों का हुजूम पंडालों की ओर चल पड़ा। श्रद्धालु देर रात तक एक पंडाल से दूसरे पंडाल जाकर माता का दर्शन करते रहे। हर उम्र के लोग मां के दरबार की ओर बढ़े चले जा रहे थे। मां के भक्ति गीतों से माहौल और भक्तिमय हो रहा था।

'मन की बात' का 126वां संस्करण : पीएम मोदी ने झारखंड के आशीष के काम की तारीफ की

परंपरा और इनोवेशन के मेल को सराहा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें संस्करण में झारखंड और बिहार के दो युवाओं के कार्यों और प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि खादी की तरह ही देश के हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट सेक्टर में भी काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। आज हमारे देश में ऐसे कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, जो बताते हैं कि अगर परंपरा और इनोवेशन (नवाचार) को एक साथ जोड़ दिया जाये, तो अद्भुत परिणाम मिल सकते हैं।

छठ पूजा का भी किया जिक्र : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है, जो दीवाली के बाद आता है। इसमें हम डूबते सूर्य को भी अर्घ्य देते हैं, उनकी आराधना करते हैं। आज यह एक वैश्विक उत्सव बन रहा है। भारत सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत है। जब छठ पूजा यूनेस्को की सूची में शामिल हो जायेगी, तो दुनिया के हर कोने में लोग इसकी भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे।

लता मंगेशकर को किया याद : पीएम मोदी ने कहा, आज लता मंगेशकर की भी जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके

गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है, जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। उन्होंने देशभक्ति के जो गीत गाये, उन गीतों ने लोगों को बहुत प्रेरित किया। भारत की संस्कृति से भी उनका गहरा जुड़ाव था। मैं लता दीदी के लिए हृदय से अपनी श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं। पीएम ने जुबिन गर्ग को भी श्रद्धांजलि दी।

आशीष सत्यव्रत ने जोहार ग्राम बोर्ड के जरिये आदिवासी बुनाई और परिधानों को वैश्विक मंच तक पहुंचाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड के आशीष सत्यव्रत साहू ने जोहार ग्राम बोर्ड के जरिये आदिवासी बुनाई और परिधानों को वैश्विक मंच तक पहुंचाया है। उनके प्रयासों से आज झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर को दूसरे देशों के लोग भी जानने लगे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के मधुबनी जिले की स्वीटी कुमारी ने भी संकल्प सृजन की शुरुआत की। स्वीटी कुमारी ने मिथिला पेंटिंग को महिलाओं की आजीविका का साधन बना दिया है। आज पांच सौ से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं उनके साथ जुड़ी हैं और आत्मनिर्भरता की राह पर हैं। सफलता की ये सभी गाथाएं हमें सिखाती हैं कि हमारी परंपराओं में आय के कितने ही साधन छिपे हुए हैं। अगर इरादा पक्का हो, तो सफलता हमसे दूर नहीं जा सकती।

दो अक्टूबर को खादी सामान जरूर खरीदें

पीएम मोदी ने कहा, गांधी जी ने स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी, लेकिन बीते 11 साल में खादी के प्रति लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ा है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि 2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी सामान जरूर खरीदें और गर्व से कहें ये स्वदेशी हैं। उन्होंने कहा, नवरात्रि के इस समय में हम शक्ति की उपासना करते हैं। हम नारी-शक्ति का उत्सव मनाते हैं। व्यापार से लेकर खेल तक और शिक्षा से लेकर विज्ञान तक आप किसी भी क्षेत्र को लीजिये, देश की बेटियां हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं।

बोकारो स्टील प्लांट में हादसा, 3 मजदूर झुलसे

एक की हालत नाजुक

आजाद सिपाही टीम

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में रविवार को हुए हादसे में तीन मजदूर झुलस गये। उनको तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां एक की हालत नाजुक बतायी गयी है। यह हादसा स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) में तीसरे पहर तीन बजे हुआ। घायल मजदूरों की पहचान ब्रजेश महथा, ओमप्रकाश महली और प्रवीण कुमार के रूप में हुई है।

डॉक्टरों के अनुसार ब्रजेश महथा और ओमप्रकाश महली फीसदी तथा प्रवीण कुमार के झुलसने की बात कही जा रही है। सभी की हालत स्थिर है। बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने हादसे का विवरण देते हुए कहा कि प्रबंधन ठेका कर्मियों के सर्वोत्तम इलाज के लिए प्रयासरत और पूर्णतः कटिबद्ध है।

क्रेन का रोप टूटा, हॉट मेटल छलकने से लगी आग

जानकारी के अनुसार हादसा उस वक्त हुआ, जब हॉट मेटल से भरे लेडल को क्रेन से उठाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक क्रेन का रोप टूट गया और हॉट मेटल छलक कर नीचे गिर गया। इससे तेज लपटें उठीं और वहीं पास में काम कर रहे चारों मजदूर आग की चपेट में आ गये। आग को नियंत्रित करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को देर तक मशक्कत करनी पड़ी। हादसे की खबर मिलते ही उच्चाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गये। पूरे एरिया को सील कर दिया गया है। उत्पादन फिलहाल ठप हो गया है।

(देखें पेज 11 भी)

नेक्सजेन संचालक विनय सिंह के ठिकानों पर छापा

एसीबी की कार्रवाई में सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर का खुलासा

हजारीबाग वन भूमि घोटाला मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

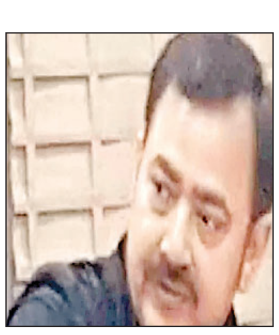

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने हजारीबाग वन भूमि घोटाले के सिलसिले में रविवार को बड़ी कार्रवाई की। एसीबी ने गिरफ्तार आरोपी और नेक्सजेन के संचालक विनय सिंह के घर और ऑफिस समेत कुल छह ठिकानों पर छापेमारी की। विनय सिंह को 25 सितंबर की शाम को वन भूमि के अवैध हस्तांतरण के आरोप में एसीबी ने गिरफ्तार किया था।

दस्तावेजों में हेरफेर : एसीबी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि विनय सिंह और उनके साथियों ने सरकारी दस्तावेजों में छेड़छाड़ की थी, ताकि इन वन भूमि को निजी स्वामित्व वाली संपत्ति के रूप में बदला जा सके।

कई सामान जब्त: विनय सिंह के ठिकानों से 198 फाइल, 27 सीपीयू, एक लैपटॉप, जमीन खरीद से संबंधित चार डीड और दो मोबाइल फोन जब्त किये गये हैं। एसीबी की टीम इन फाइलों और कंप्यूटर सीपीयू की जांच में जुट गयी है। इससे कुछ और खुलासे हो सकते हैं।

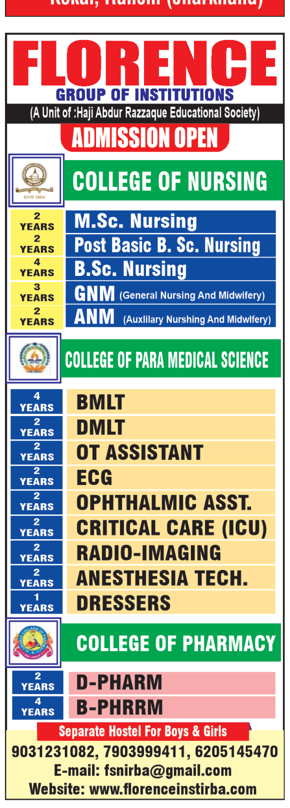

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
200000 Subscribers
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 29 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

भारत के हितैषी तो नहीं ही हैं सोनम वांगचुक

■ भारत के खिलाफ रची गयी गंभीर साजिश का सूत्रधार है यह शख्स

■ इसके पीछे की तमाम ताकतों को अब बेनकाब करने की जरूरत

■ महज संयोग नहीं है लेह-लद्दाख इलाके में धधकी आंदोलन की आग

लद्दाख, अपनी शांत और सौम्य संस्कृति के लिए पहचाना जाता है, लेकिन वहां अशांति और असंतोष पनपाने की कोशिश की गयी। इस परिदृश्य के केंद्र में हैं सोनम वांगचुक। यह वही नाम है, जो कभी शिक्षा सुधार और पर्यावरणीय नवाचार का प्रतीक था, पर आज शांति और व्यवस्था के लिए खतरे के रूप में सामने आया है। सोनम वांगचुक की प्रारंभिक छवि प्रेरक की रही है। अपने एनजीओ सेकमोल (एसइसीएमओएल) के माध्यम से उन्होंने शिक्षा को लद्दाख की स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ा और आइस स्तूपा जैसी तकनीक ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलायी। लेकिन 2019 के बाद, जब लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा मिला, उनका रुख धीरे-धीरे बदलने लगा। जो व्यक्ति पहले भारत का समर्थक माना जाता था, वही अब सत्ता के खिलाफ मोर्चा खोलने लगा। सोनम वांगचुक ने लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के नाम पर बार-बार अनशन और आंदोलन किये, लेकिन यह भी तथ्य है कि उनके आंदोलनों ने स्थानीय युवाओं में असंतोष को हवा दी। हाल ही में हुई हिंसा में चार निर्दोष जानें गयीं, सैकड़ों घायल हुए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। यह सब तब हुआ, जब वांगचुक उपवास पर थे और उन्होंने कई बार उकसाने वाले बयान दिये। सवाल यह उठता है कि यदि आंदोलन केवल शांतिपूर्ण था, तो यह हिंसा क्यों और कैसे हुई। अब लद्दाख के डीजीपी ने जो कुछ कहा है और वांगचुक के पाकिस्तानी कनेक्शन का खुलासा किया है, तो साफ हो गया है कि यह कथित समाजकर्मी कुछ और भले ही हो, भारत का हितैषी तो नहीं ही है। लद्दाख में भड़की आंदोलन की आग ने सोनम वांगचुक के असली चेहरे को बेनकाब तो किया ही है, उसके पीछे की ताकतों को भी सामने लाया है। क्या है सोनम वांगचुक का पूरा इतिहास और लद्दाख में भड़के आंदोलन का क्या है सच, बता रहे हैं आजाद सिपाही के संपादक राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह
संपादक

भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र लद्दाख हाल के कुछ समय से लगातार राजनीतिक उथल-पुथल और असंतोष का केंद्र बना हुआ है। ऐसा लगता है कि कोई साजिश है, जो इस क्षेत्र को लगातार गलत कारणों से सुर्खियों में रख रही है। ऐसा लगता है कि कुछ ताकतें हैं, जो यहां असंतोष भड़काने में लगी हुई हैं। कश्मीर में पत्थरबाजी बंद होना और लद्दाख में शुरू होना कोई संयोग है या विदेशी ताकतों का प्रयोग, इस बात का पता तो जांच एजेंसियां लगा ही लेंगी, लेकिन इतना तो स्पष्ट दिख ही रहा है कि स्वभाव से शांत रहने वाले इस केंद्र शासित प्रदेश में अशांति फैलाने के प्रयास निरंतर हो रहे हैं। लद्दाख में हुई हिंसक घटनाओं ने पूरे देश को चौंका दिया है, जिसमें चार लोगों की मृत्यु हो गयी और 80 से अधिक लोग घायल हो गये। खास बात यह रही कि इन घटनाओं के केंद्र में पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का नाम एक बार फिर प्रमुखता से उभर कर सामने आया है। 2009 में एक फिल्म आयी थी “थ्री इडियट्स”, जिसमें फुंसुक वांगडू नाम के किरदार ने बहुत सुर्खियां बटोरी थी। उस किरदार को आमिर खान ने निभाया था। यह किरदार नयी सोच, इनोवेशन और पर्यावरण से लगाव रखने के लिए बेहद मशहूर हुआ था। आमिर खान का ये कैरेक्टर सोनम वांगचुक से प्रेरित था, जो इन दिनों चर्चा में हैं।

आंदोलन की कहानी साल 2019 में केंद्र सरकार के एक फैसले से जुड़ी है

लेह में बुधवार को हुई हिंसा की कहानी साल 2019 में केंद्र सरकार के एक फैसले से जुड़ी है, जब लद्दाख को जम्मू कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। तब से लेकर आज तक स्थानीय लोग लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग पर अड़े हैं और इसे लेकर सोनम वांगचुक की अगुवाई में लगातार प्रदर्शन, मार्च और अनशन होते आये हैं। जम्मू कश्मीर से साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के साथ-साथ इसका विभाजन किया गया और लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया। उस दौरान सोनम वांगचुक ने मोदी सरकार की सराहना भी की थी। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर से विधानसभा के बिना अलग केंद्र शासित प्रदेश बना, जहां सिर्फ एक लोकसभा सीट है। लद्दाख के लोग शुरू में तो इस अलगाव से खुश थे, क्योंकि लंबे समय से वे जम्मू-कश्मीर से अलग पहचान चाहते चाहते थे। लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक एलायंस जैसे संगठन लगातार केंद्र सरकार से बातचीत कर लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

सोनम वांगचुक भी इस आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा

आंदोलन का नेतृत्व मुख्य तौर पर लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की ओर से किया जा रहा है। सोनम वांगचुक भी इस आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा हैं। लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा उनकी सबसे प्रमुख मांग है। इसके अलावा संविधान की छठी अनुसूची के तहत लद्दाख को स्वायत्त और जनजातीय क्षेत्र का दर्जा देना, लद्दाख के लिए अलग पब्लिक सर्विस कमीशन का गठन, लेह और कारगिल के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटों की मांग भी जोर पकड़ रही है। उनका साफ कहना है कि छठी अनुसूची में शामिल हुए बिना लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों का बाहरी कंपनियों के शोषण से बचना मुश्किल हो जायेगा और इससे स्थानीय संस्कृति खतरे में पड़ सकती है। लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनने के एक साल बाद, यानी 2020 में स्थानीय लोगों का गुस्सा बढ़ा, क्योंकि केंद्र सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सोनम वांगचुक ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को उठाना शुरू किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए लद्दाख की संस्कृति को बचाने की जरूरत पर स्थानीय लोगों को एकजुट करना शुरू किया। इसके बाद साल 2022 में लद्दाख में पानी और संसाधनों के लिए बढ़ते दबाव को देखते हुए सोनम वांगचुक ने पानी का मुद्दा उठाया। इस दौरान प्रदेश में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए, लेकिन तब तक पड़े पैमाने पर आंदोलन की शुरूआत नहीं हुई थी। साल 2023 में सोनम वांगचुक ने दावा किया कि उन्हें लद्दाख में घर में नजरबंद किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये बताया कि प्रशासन ने उनसे एक बांड पर साइन करने को कहा, जिसमें उन पर कोई बयान न देने का दबाव डाला गया था। सोनम वांगचुक ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए लद्दाख के लिए अपनी मांगों को दोहराया। इस साल लेह और कारगिल में प्रदर्शन हुए, जिनमें स्थानीय संगठनों ने लद्दाख की मांगों का समर्थन किया। वांगचुक ने फिर से लद्दाख की सांस्कृतिक सुरक्षा का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया।

धीरे-धीरे आंदोलन हिंसक हो गया

साल 2024 से आंदोलन ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया। सोनम वांगचुक ने 6 मार्च को 21 दिन का अनशन शुरू किया, जिसमें उन्होंने सिर्फ नमक और पानी लिया। इलाके की दुर्गमता को देखते हुए इस सर्द जगह पर में यह अनशन मुश्किल चुनौती थी।

अनशन खत्म करने के बाद सोनम वांगचुक ने कहा कि यह आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि एक नयी शुरूआत है। इसके बाद जुलाई 2024 में सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र बातचीत शुरू नहीं करता है, तो वह स्वतंत्रता दिवस पर 28 दिन का अनशन शुरू करेंगे। उन्होंने करगिल विजय दिवस के दौरान पीएम मोदी को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें उनकी चार मांगों को दोहराया गया था। सितंबर 2024 में सोनम वांगचुक ने लेह से दिल्ली तक करीब एक हजार किलोमीटर की “दिल्ली चलो पदयात्रा” शुरू की। 30 सितंबर को दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पहुंचने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें और उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया। वांगचुक ने इसे “अलोकतांत्रिक” बताया। दिल्ली में कुछ विपक्षी नेताओं ने उनकी मांग का समर्थन भी किया और उनसे मुलाकात की। इसके बाद अक्टूबर 2024 में हिरासत से रिहा होने के बाद सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर अनशन की इजाजत मांगी, लेकिन पुलिस ने इसे भी नामंजूर कर दिया। फिर उन्होंने दिल्ली के लद्दाख भवन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। इस दौरान स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया जैसे संगठनों ने उनका समर्थन किया। वांगचुक ने 21 अक्टूबर 2024 को 16 दिन की भूख हड़ताल के बाद अनशन खत्म किया, जब गृह मंत्रालय ने दिसंबर में उनकी मांगों पर बातचीत का भरोसा दिया। दिसंबर 2024 में वांगचुक ने खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल से मुलाकात की, जो एमएसपी की मांग को लेकर अनशन पर थे। वांगचुक ने किसानों के साथ एकजुटता दिखायी और लद्दाख के लोगों की ओर से समर्थन जताया। इसके बाद दस सितंबर को सोनम वांगचुक ने लेह के शहीद पार्क में 35 दिन का अनशन शुरू किया। लद्दाख में बुधवार 24 सितंबर को आंदोलन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों, खासकर युवाओं ने लेह में बीजेपी कार्यालय और हिल काउंसिल पर पथराव किया और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। इस हिंसा के लिए केंद्र सरकार ने वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया। सरकार का आरोप है कि “अरब स्प्रिंग” और जेन जी प्रोटेस्ट का जिक्र कर भीड़ को उकसाया गया।

विदेशी फंडिंग

सोनम वांगचुक पर आरोप है कि उनके एनजीओ हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख ने अपने एफसीआरए अकाउंट में स्थानीय दान प्राप्त किया, जो विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) 2010 के सेक्शन 17 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अलावा, एचआइएएल ने एफसीआरए रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करने से पहले ही विदेशी फंड प्राप्त कर लिया था, जो इसी कानून के सेक्शन 11 का उल्लंघन है। वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए एनजीओ एचआइएएल ने दावा किया कि उसकी कोई विदेशी आय नहीं थी, लेकिन इस अवधि के दौरान उसने विदेशी फंड प्राप्त किया, जो कंपनी एक्ट और भारतीय दंड संहिता के सेक्शन 467 का उल्लंघन है। 2023 में शेसियन इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक लाभकारी कंपनी के तहत एक नया अकाउंट खोला गया, जिसके डायरेक्टर सोनम वांगचुक और गीतांजलि जेबी थे।

एफसीआरए के कानूनों का उल्लंघन

विदेशी फंड सोनम वांगचुक के पर्सनल और ज्वाइंट अकाउंट में जमा हुए। यह एफसीआरए 2010 का सीधा उल्लंघन है। 2021 से मार्च 2024 तक उन्होंने विदेशों में करोड़ों रुपए ट्रांसफर किए, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका पैदा होती है, खासकर इसलिए कि ये विदेशी फंड अज्ञात संस्थाओं को भेजे गये, जबकि वे अपने पर्सनल अकाउंट में विदेशी फंड प्राप्त करते रहे। सोनाम वांगचुक की वित्तीय अनियमितताओं के तहत हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख संस्था को मिले दान में वित्त वर्ष 2023-24 में 6 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2024-25 में 15 करोड़ रुपये से अधिक की भारी वृद्धि हुई है। एचआइएएल के 7 बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से 4 घोषित नहीं हैं। उन्हें एफसीआरए रजिस्ट्रेशन के बिना 1.5 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी फंडिंग मिली है। एचआइएएल से शेश्योन इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को 6.5 करोड़ रुपये की भारी रकम ट्रांसफर की गयी है। स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसइसीएमओएल) के 9 बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से 6 घोषित नहीं हैं। शेश्योन इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड वित्त वर्ष 2024-25 में 9.85 करोड़ रुपये के टर्नओवर पर कंपनी का नेट प्रॉफिट सिर्फ 1.14 प्रतिशत है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 6.13 प्रतिशत नेट प्रॉफिट की तुलना में काफी कम है। इस कंपनी के 3 बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से 2 घोषित नहीं हैं।

वांगचुक के एनजीओ का लाइसेंस क्यों कैंसिल हुआ

वांगचुक पर विदेशी प्रभाव का सबसे बड़ा आरोप है। सरकार और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एसइसीएमओएल और एचआइएएल से जुड़े पंजीकरण में कथित अनियमितताएं सामने आने के बाद इनकी अनुमतियां रद्द की गयीं। कई बार रिपोर्टिंग में आवश्यक जानकारी समय पर जमा नहीं की गयी। प्राप्त फंड के उपयोग और घोषित उद्देश्यों में असंगति बतायी गयी। सरकार का तर्क है कि विदेशी चंदे के उपयोग की पारदर्शिता नहीं है। नतीजा यह हुआ कि गृह मंत्रालय ने एफसीआरए लाइसेंस नवीनीकरण को रद्द कर दिया। लाइसेंस कैंसिल होने का मतलब यह है कि अब संगठन सीधे विदेशी दान नहीं ले सकता। उन्हें केवल घरेलू फंड, डोनेशन या सीएसआर से ही काम चलाना होगा।

वांगचुक की गतिविधियां संदिग्ध हैं

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एसडी सिंह जामवाल ने शनिवार को बताया कि सोनम वांगचुक के खिलाफ पाकिस्तान से कथित संबंधों को लेकर जांच जारी है। यह जांच पिछले महीने एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई है, जो वांगचुक के विरोध प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था। डीजीपी जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का मुख्य सूत्रधार बताया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हुए। शुक्रवार को वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लेकर राजस्थान के जोधपुर जेल भेज दिया गया। डीजीपी ने कहा अब तक जांच में जो सामने आया है, उसे फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। लेकिन वांगचुक के भाषणों और गतिविधियों से यह साफ है कि उनकी मंशा लोगों को भड़काने की थी। उन्होंने “अरब स्प्रिंग” और नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका में हुए आंदोलनों का जिक्र कर लोगों को उकसाया। उन्होंने बताया कि विदेशी फंडिंग और एफसीआरए उल्लंघन की भी जांच की जा रही है। एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव को पकड़ा गया है, जो वांगचुक के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों के वीडियो पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस प्रमुख ने वांगचुक की कुछ विदेश यात्राओं को भी संदिग्ध बताया। वांगचुक ने पाकिस्तान के एक मीडिया हाउस “द डॉन” के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और बांग्लादेश की यात्रा भी की थी। डीजीपी ने कहा कि वांगचुक लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की ओर से चल रहे राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन का चेहरा बने थे, लेकिन उन्होंने संवाद प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच 25 सितंबर को एक अनौपचारिक बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन वांगचुक ने उसी दिन भड़काऊ वीडियो और बयान जारी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, जिसका नतीजा हिंसक झड़पों के रूप में सामने आया। एलजी कविंद्र गुप्ता के विदेशी साजिश के बयान का समर्थन करते हुए डीजीपी ने कहा कि तीन नेपाली नागरिकों को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अन्य संदिग्ध विदेशी नागरिकों की भूमिका भी सामने आ रही है। बुधवार की हिंसा के मामले में अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 6 प्रमुख षड्यंत्रकारी माने जा रहे हैं। डीजीपी जमवाल ने कहा, साफ है कि वांगचुक ही इस पूरे घटनाक्रम के मुख्य प्रेरक थे, इसलिए उन्हें राज्य से बाहर की जेल में रखा गया है।

सोनम वांगचुक किसका मोहरा

सोनम वांगचुक ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद लद्दाख में ही एक एनजीओ शुरू किया, जिसका नाम है स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसइसीएमओएल), सबसे बड़ा प्रश्न यही उठता है कि इस एनजीओ का कनेक्शन क्या है और कहां-कहां से है? सारी कहानी यहीं से निकल कर सामने आती है। जब इस संस्था की तह पर जाकर इसे देखते और समझते हैं, तो पता चलता है कि इसके तार ऐसी संस्थाओं से जुड़े हुए हैं. जिसने 1970 के दशक में “डीप स्टेट” के एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोपेगेंडा फैलाया। 1988 में सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित एसइसीएमओएल के संबंध “फ्यूचर अर्थ नेटवर्क्स” से जुड़े हुए हैं। अब यह फ्यूचर अर्थ नेटवर्क्स ऐसी संस्था है, जिसका फाउंडर पॉल श्रीवास्तव है, जो “द क्लब ऑफ रोम” का को-प्रेसिडेंट है। द क्लब ऑफ रोम के माध्यम से ही 1970 के दशक में पहली बार “जलवायु संकट” की बात उठायी गयी थी, जो इनकी 1971 की रिपोर्ट “लिमिट्स ऑफ ग्रोथ” में सामने आयी। इसमें दुनिया की अत्यधिक आबादी की बात भी कही गयी थी। यह संस्था सीधे तौर पर अमेरिका के रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एवं स्थापित की गयी थी।

पाकिस्तान से लौटते ही भारत में विरोध प्रदर्शन और जमीन का मामला

2018 में सोनम वांगचुक के हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख को फ्यांग गांव में करीब 1200 कनाल जमीन दी गई। शर्त थी कि वे दो साल में निर्माण पूरा करेंगे और 14 करोड़ रुपये प्रीमियम देंगे। न तो निर्माण हुआ और न ही भुगतान। उल्टा, बार-बार छूट की मांग की गई। जब तक मामला बढ़ा, बकाया 30 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एचआइएएल को न विश्वविद्यालय का दर्जा मिला और न ही यूजीसी याएआइसीटीइ से मान्यता। इसके बावजूद यहां डिग्री बांटी गई और दीक्षांत समारोह भी किये गए। यानी सैकड़ों छात्रों का करियर दांव पर लगा। लद्दाख स्वायत्त परिषद के चेयरमैन ताशी ग्याल्सन ने भी कहा कि यह साफ धोखाधड़ी है। सबसे बड़ा खुलासा फरवरी 2025 में हुआ जब वांगचुक पाकिस्तान के ‘ब्रीद पाकिस्तान’ कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। ठीक दो दिन बाद भारत लौटकर पुणे में आंदोलन खड़ा कर दिया। सवाल यह है कि पाकिस्तान से लौटते ही भारत में विरोध प्रदर्शन क्यों शुरू हुए। क्या यह सब संयोग है या किसी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा। लद्दाख जैसे संवेदनशील इलाके में, जो चीन और पाकिस्तान दोनों से सटा है, ऐसे कदम गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

सोनम के पिता सोनम वांग्याल कांग्रेस के बड़े नेता थे

सोनम वांगचुक एक इंजीनियर, इनोवेटर और शिक्षाविद हैं, और साथ ही क्लाइमेट को लेकर एक जागरूक एक्टिविस्ट हैं। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक एक ऐसे परिवार से आते हैं, जो लद्दाख का समृद्ध एवं प्रभावशाली परिवार रहा है। सोनम के पिता सोनम वांग्याल कांग्रेस के बड़े नेता थे, साथ ही वो जम्मू कश्मीर सरकार में मंत्री भी थे। सोनम वांगचुक ने अपनी संस्था के गठन के बाद से ही जितने प्रोजेक्ट लिये, उनमें से अधिकांश में विदेशी संस्थाओं की फंडिंग होती थी। वर्ष 2002 में सोनम वांगचुक को अशोका फेलोशिप मिली, जो स्कॉल फाउंडेशन और रॉकफेलर फाउंडेशन जैसी संस्थाओं से वित्तपोषित है। वर्ष 2004 में जब यूपीए की सरकार बनी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री चुने गये, तब सोनम वांगचुक को दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार से विशेष समर्थन हासिल हुआ। पहले तो सोनम वांगचुक को “लद्दाख हिल काउंसिल विजन डॉक्यूमेंट लद्दाख 2025” की ड्राफ्ट कमेटी में शामिल किया गया। और फिर इसके बाद शिक्षा एवं पर्यटन के बनने वाली नीति के लिए भी सोनम वांगचुक को कमेटी में रखा गया। सोनम वांगचुक द्वारा बनाए गए डॉक्यूमेंट का अंततः मनमोहन सिंह ने 2005 में विमोचन किया। वर्ष 2005 में ही सोनम वांगचुक को मनमोहन सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय में प्राथमिक शिक्षा के नेशनल गवर्निंग काउंसिल में सदस्य के रूप में शामिल किया गया। फिर 2007 से 2010 तक सोनम वांगचुक ने डेनमार्क के एक एनजीओ के शिक्षा सलाहकार के रूप काम किया। यह एक ऐसा एनजीओ था जो शिक्षा मंत्रालय को शिक्षा में सुधार के लिए काम कर रहा था।

वांगचुक को वैश्विक परिदृश्य पर लाने का काम

इसके बाद सोनम वांगचुक को वैश्विक परिदृश्य में लाने का काम शुरू होता है 2016 में। इसी वर्ष वांगचुक को इंटरनेशनल फ्रेड एम पैकर्ड पुरस्कार दिया जाता है। यह पुरस्कार प्रकृति के संरक्षण के लिए स्विट्जरलैंड स्थित एक संस्था देती है। इसमें दिलचस्प बात यह है कि इस पुरस्कार को पूरी तरह से रॉकफेलर फाउंडेशन, प्यू, पैकवर्ड फाउंडेशन जैसी संस्थाएं वित्तपोषित करती हैं। वर्ष 2017 में सोनम वांगचुक को टीएन खोशू मेमोरियल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने के लिए पुरस्कृत किया जाता है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार भी फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित होता है। इसके बाद वर्ष 2018 में सोनम वांगचुक को मिलता है रैमन मैग्सेसे पुरस्कार, और यहीं से उसे बनाया जाता है रिजीम चेंज का मोहरा। रैमन मैग्सेसे पुरस्कार के माध्यम से सोनम वांगचुक की छवि निर्माण और मजबूत की जाती है। इसके माध्यम से भारत के युवाओं के बीच वांगचुक को एक महान शिक्षाविद, इनोवेटर और पर्यावरणविद के रूप में पेश किया जाता है। इसमें सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह रैमन मैग्सेसे पुरस्कार भी फोर्ड, रॉकफेलर जैसे संस्थाओं से जुड़ा हुआ है, जिसके सीधे तार डीप स्टेट और सीआइए से हैं। वहीं सोनम वांगचुक जिस एनजीओ “लीड इंडिया” से जुड़े हैं, वो भी फोर्ड फाउंडेशन से वित्तपोषित है। इसके अलावा सोनम वांगचुक का सम्बंध इंटरनेशनल एसोशिएशन फॉर लद्दाख स्टडीज से भी है, जिसे भी फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित किया गया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.4 °c	23.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.40 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.39 बजे

खुले पूजा पंडालों के पट, मां के दर्शन से निहाल हुईं अंखियां

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शारदीय नवरात्र षष्ठि... आओ मां आओ ... आह्वान से अकालबोधन और नवपत्रिका प्रवेश की घोषणा हुई। आद्यशक्ति मां का दिव्य स्वरूप साकार हुआ। इक्का-दुक्का छोड़, सभी पूजा पंडालों के पट खुल गए। बांग्ला मंडपो में भी मां का रूप साकार हुआ। भक्तों को अभय दान देने वाली महिषासुर मर्दिनी के दर्शन पाते ही श्रद्धा और भक्ति से हजारों हाथ उठे और वातावरण जयकारों से गूंज उठा। फिर तो जैसे-जैसे रात गहराती गयी, श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। विविध थीम को जीवंत करता एक से बढ़ कर पूजा पंडाल सभी को आकर्षित करता रहा। हर कदम पूजा स्थलों की ओर बढ़ने को आतुर हो गए। कहीं वेटिकन सिटी तो कहीं विश्व के सबसे बड़े मंदिर कंबोडिया के अंकोरवाट में मां भवानी विराजीं

हैं। प्रसिद्ध मंदिर और स्मारको को जीवंत करते पंडाल में शिल्प कलाकृति का बेजोड़ नमूना देखते ही बन रहा है। सजे-संवरे भव्य दरबार में विराजमान मां अंबे की तो क्या ही कहने। माता रानी की मनोहारी छटा से वशीभूत दर्शनार्थी सेल्फी ले, खास पल को सहेजनों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। पूजा स्थलों पर रंग-बिरंगी लाइट से जगमग भक्ति का मेला, दुर्गोत्सव की भव्यता को चार-चांद लगा रहा है। मां के दर्शन और मेले की मौज-मस्ती में खराब मौसम के बाद भी सारी रात कैसे कट रही है, पता ही नहीं चल रहा। अब इसी तरह विजयदशमी तक मां के लाडले पूजनोत्सव का जमकर लुत्फ उठाएंगे।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष महत्वपूर्ण काम पूरा होगा,रोजी-रोजगार के क्षेत्र में उलझनों का निवारण, आर्थिक स्थिति में सुधार।

वृष जोखिम भरा काम नहीं करना चाहिए। स्वजनों के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी, सामान्य आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होगा। परिश्रम का पूरा फल मिलेगा, शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कर्क संकल्पित काम पूरे होंगे, भौतिक सुख-सुविधा बढ़ेगी, उद्योग-धंधे में सफलता। मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह वाक-पटुता एवं चतुराई से बिगड़े हुए काम पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति सुदृढ़, निर्माण कार्य में प्रगति।

कन्या निराशा का समापन, नये लोगों से सम्पर्क, महिला मित्र के माध्यम से लाभ, शुभ समाचार मिलेगा।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

मां कालरात्रि

देवी माँ के सप्तम रूप का नाम है माँ कालरात्रि। यह माँ का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी माँ का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है। सनातन परंपरा में नवरात्रि की साधना का ?सातवां दिन बेहद खास माना गया है क्योंकि इस दिन देवी के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा होती हैं। मां भगवती का यह स्वरूप घनघोर अंधकार के समान काला है। इसी कारण से देवी के भक्त इन्हें कालरात्रि बुलाते हैं। हिंदू मान्यता के अनुसार देवी दुर्गा के कालरात्रि स्वरूप की पूजा करने से साधक के जीवन की सारी बाधाएं और भय दूर होते हैं। आइए मां कालरात्रि की पूजा करने की विधि, मंत्र, नियम और धार्मिक महत्व को जानते हैं। मां कालरात्रि की पूजा करने के लिए साधक को सूर्योदय से पहले उठकर स्नान-ध्यान करना चाहिए। इसके बाद साफ कपड़े पहनकर देवी के व्रत को विधि-विधान से करने का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण में चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर मां कालरात्रि का चित्र या मूर्ति रखना चाहिए। इसके बाद उसे गंगाजल से पवित्र करने के बाद देवी को लाल चंदन या रोली का तिलक लगाना चाहिए। इसके बाद फल-फूल, धूप-दीप, आदि से देवी की पूजा करें। नवरात्रि के सातवें दिन देवी कालरात्रि को गुड़हल का फूल और गुड़ का भोग जरूर अर्पित करना चाहिए। इसके बाद माता के मंत्र, श्लोक या स्तोत्र आदि का पाठ करें फिर पूजा के अंत मां कालरात्रि की पूरे श्रद्धा भाव से आरती करें। नवरात्रि की शक्ति साधना में देवी मंत्र का जप करना बेहद शुभ और मंगलदायी माना गया है। मान्यता है कि मंत्र का जाप करने पर देवी दुर्गा शीघ्र ही प्रसन्न होकर अपने भक्तों पर कृपा बरसाती हैं।

माँ कालरात्रि की पूजा में कौन से मन्त्र का जप करें?

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं कालरात्र्यै नमः जप से आप माँ दुर्गा के सातवें स्वरूप माँ कालरात्रि की पूजा कर सकते हैं

नक्सलियों के गढ़ रहे बरवाडीह में मां दुर्गा के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

भगवान श्रीकृष्ण की लीला का मंचन देखकर ग्रामीण हो रहे हैं मंत्रमुग्ध, चल रहा है भंडारा

विजय प्रताप देव

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिले के चिनिया प्रखंड का सुदूरवर्ती बरवाडीह गांव, जो कभी नक्सलियों के मांद के रुप में जाना जाता था। नक्सल गतिविधियों के कारण दिन में पुलिस भी उस क्षेत्र में जाने से कतराती थी। जहां भय एवं आतंक का माहौल पसरा हुआ रहता था, आज वहां दुर्गा पूजा के अवसर पर भक्ति की बयार बह रही है। यहां दुर्गा पूजा कमिटी बरवाडीह द्वारा इस बार भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिस पर लगभग 25 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। गांव का यह आयोजन अब केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और परिवर्तन का प्रतीक तथा भक्ति और आस्था का केंद्र बनकर अपनी नई पहचान बना रहा है।

पूजा पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। यहां श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विशेष आकर्षण वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण रासलीला है। जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन देखकर ग्रामीण मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। रासलीला देखने के लिए आस-पास के गांवों से भी हजारों की संख्या में लोग उमड़ रहे हैं।

इसके साथ ही भंडारा का आयोजन भी प्रतिदिन किया जा रह है। प्रति दिन हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। औसतन प्रतिदिन दो हजार से अधिक लोगों को भोजन कराया जा रहा है। यह गांव की धार्मिक एकजुटता और सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है। इस संबंध में जानकारी देते हुए दुर्गा पूजा कमिटी बरवाडीह के संरक्षक नितेश सिंह ने बताया कि गांव में इस बार का आयोजन ऐतिहासिक है। लोगों में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है और हर वर्ग के लोग मिल-जुलकर इसे सफल बनाने में जुटे हैं। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष प्रवीण यादव, सचिव चंद्रदेव यादव, कोषाध्यक्ष किशोर साव, उपाध्यक्ष रमाशंकर गुप्ता और विनोद रवि, सलाहकार कुलदीप चंद्रवंशी, युवा अध्यक्ष लव चंद्रवंशी, सचिव विजय पासवान, कोषाध्यक्ष आनंद सिंह, नीरज पासवान एवं संतोष सिंह की भूमिका सराहनीय रही है।

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने बार-बार झारखंड का मान बढ़ाया है : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 126 वें एपिसोड में झारखंड के आशीष सत्यव्रत साहू की चर्चा कर पूरे झारखंड की प्रतिभा, कला, संस्कृति का सम्मान बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया। मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता, यहां की कला,संस्कृति मोदी के दिलों में बसती है। इसलिए वे खोज कर इसकी महानता,विशेषता को अपने संबोधन से दुनिया के सामने उजागर करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड सिर्फ खान खनिज के बल पर नहीं बल्कि अपनी कला, संस्कृति, रीति, रिवाज को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मरांडी ने कहा कि स्वदेशी का संकल्प हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करेगा, आत्मनिर्भरता को बढ़ायेगा और भारत को विश्व गुरु बनायेगा। उन्होंने राज्य की जनता से कहा कि उत्सव, त्योहार को आत्मनिर्भर भारत अभियान से जोड़ें। स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा देकर वोकल फॉर लोकल की आवाज बुलंद करें। उन्होंने 2 अक्टूबर को गांधी,शास्त्री जयंती के अवसर पर विजयादशमी त्योहार में खादी वस्त्रों को शामिल करने का आह्वान किया।

महाषष्ठी पर भक्तों ने की मां के छठे स्वरूप माता कात्यायनी की पूजा

बांग्ला मंडपों में अनुष्ठान से खुला पट, साकार हुआ मां का स्वरूप

पूजन-आरती और पुष्पांजलि अर्पित करने को आतुर रहे भक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शारदीय नवरात्र के छठे दिन रविवार को छठे स्वरूप माता कात्यानी की पूजा-अर्चना हुई। भक्तों ने नेम-निष्ठा से पूजा-पाठ कर मां के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये। दुर्गा बाड़ी, अल्बर्ट एक्का चौक, हरिमती मंदिर, लालपुर और हिनू आदि के बांग्ला मंडपो में बेलवरण अनुष्ठान के साथ दुर्गोत्सव का आगाज हो गया। अब यहां विजयदशमी तक कोकाता के दुर्गा पूजा कर रंग चटक होता रहेगा। मां के पूजन-आरती और पुष्पांजलि के साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। बंग समुदाय के लिए दुर्गोत्सव सबसे खास उत्सव होता है। इसमें बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सभी बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभाते हैं। पावन मौके पर दुर्गाबाड़ी में जहां बड़ी संख्या में बंग समुदाय के साथ आम भक्तों ने माता के दरबार में हाजिरी लगायी, वहीं सीएम हेमंत सोने ने हरिमती मंदिर में मत्था टेक मां से आशीष मांगा। राज्य और यहां के लोगों के लिए सुख-समृद्धि और खुसहाली की कामनाएं की।

दुर्गा बाड़ी में मां के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, पूजन-आरती कर अर्पित की श्रद्धा : दुर्गा बाड़ी, मेन रोड में सुबह सात बजे से पहले देवी का कल्पारंभ हुआ।

नेम-निष्ठा से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुरोहितो ने महाषष्ठी आदि पूजन-अनुष्ठान कराया। इसके बाद सांझ ढलते आमंत्रण और अधिवास के साथ माता रानी का पारंपरिक मनोहारी श्रृंगार किया गया। सेतांक सेन, संदीप चौधुरी, श्यामल रॉय, प्रदीप रॉय,जयंत कर, तरूण सुत्रधर, समीर सुत्रधर मां श्रृंगार करने वालों में मुख्य थे। शाम साढ़े सात बजे से मां भवानी की आरती उतारी गयी। बड़ी संख्या में भक्तों ने आरती उतारी। मां के मनोहारी रूप का दर्शन पा सब मंत्रमुग्ध हुए। दुर्गा बाड़ी के सह सचिव सेतांक सेन ने बताया कि सोमवार 29 सितंबर सुबह 6. 30 मिनट के अंदर नवपत्रिका प्रवेश होगा। 7.10 मिनट से महासप्तमी की पूजा आरंभ होगी। दीपेंद्र नारायण घोष, देवनाथ गांगुली, अमित रॉय, संजय रॉय, मृणाल घोष, नारायण प्रमाणिक, सिमंत प्रमाणिक ने पूजन-अनुष्ठान के सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया। प्रदीप रॉय बाबू भाई ने बंग समुदाय और आम भक्तों से दुर्गा बाड़ी के दुर्गोत्सव में भाग लेने की अपील की है। इधर हिनू बंगाली मंडल में भी विविध अनुष्ठान हुए। साथ ही दुर्गोत्सव का आगाज हो गया।

दिल्ली में चल रहे वर्ल्ड फूड इंडिया में झारखंड पवेलियन का अरवा राजकमल ने किया अवलोकन

वर्ल्ड फूड इंडिया में झारखंड पवेलियन में मछली के अचार और पापड़ लोगों को कर रहे हैं आकर्षित

झारखंड के वन विभिन्न प्रकार के पेड़- पौधे एवं अपने अनेक वनोत्पाद के लिए हैं प्रसिद्ध

आजाद सिपाही संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंदपम में चल रहे वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में रविवार को श्री अरवा राजकमल,उद्योग सचिव ने झारखंड पवेलियन का अवलोकन किया। इन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश अपने असीम खनिज उत्पादों, आदिवासी संस्कृति के साथ बड़े भाग में फैले वनों के लिए जाना जाता है। झारखंड में प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 78 हजार किलोमीटर क्षेत्र वन क्षेत्र है। यहां के वन विभिन्न प्रकार के पेड़- पौधे एवं अपने अनेक वनोत्पाद के लिए प्रसिद्ध है।

झारखंड में 136 माइनर फूड प्रोड्यूस करने वाले वनों की श्रृंखला है : एक्सपो में आने वाली लोगों ने झारखंड पवेलियन में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल पर इसकी विस्तृत जानकारी ली। विभाग के डी एफ ओ श्री श्रीकांत वर्मा ने बताया कि झारखंड में 136 माइनर फूड प्रोड्यूस करने वाले वनों की श्रृंखला है। जिसमें शाल, महुआ, इमली,कुसुम, जामुन,पलाश,कटहल आदि के पेड़ बहुतायत में पाए जाते है। उन्होंने बताया कि वन विभाग ऐसे स्थानों पर वन समितियों का सृजन कर के उनको लोगो को आवश्यक प्रशिक्षण, मशीन, मार्केट लिंक दे कर लाह, सिल्क, शहद, चिरौंजी, काजू आदि वस्तुओं का उत्पादन भी करती है। साथ ही झारखंड का सिल्क,शहद,चिरौंजी आदि ना सिर्फ देश में अपितु विदेशों तक निर्यात होता है।

सरकार ऑर्गेनिक सब्जियों के उत्पादन को दे रही है बढ़ावा

पवेलियन में ही कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के स्टाल की जानकारी देते हुए मुकेश द्विवेदी ने बताया कि झारखंड प्रदेश अपने यहां सभी अनाजों की अपेक्षा चावल का उत्पादन ज्यादा करता है। वहीं वर्तमान में सरकार ऑर्गेनिक सब्जियों के उत्पादन को भी बढ़ावा दे रही है। जिसके तहत सरकार ट्रेनिंग, सर्टिफिकेशन, एक्सपोजर आदि पर काम कर रही है।

झारखंड प्रतिवर्ष 3.60 मीट्रिक टन मछली का कर रहा है उत्पादन

पवेलियन के प्रमुख आकर्षण में मछली का अचार और पापड़ है। जो लोगों को बहुत पसंद और अनोखा लग रहा है। फिशरीज विभाग के प्रशांत कुमार दीपक के अनुसार अभी झारखंड प्रतिवर्ष 3.60 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन कर रहा है। जिसके उपादान में सरकार डैम या खत्म हो चुके खदानों में केज बना कर लोगों को ट्रेनिंग मुहैया करवाकर फार्मिंग करवा रही है। झारखंड में रोहू, कटला, तिलपिया, पंजेसिप्स आदि मछली पाई जाती है। जिनकी बिक्री स्थानीय बाजारों के साथ साथ आस पास के प्रदेशों में होता है।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 29 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

कल्पना सोरेन ने पटेल फ्यूल्स का किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

विष्णुगढ़। गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने पटेल फ्यूल्स पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री बेबी देवी, बरकट्ठा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, हजारीबाग झामुमो जिलाध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया उपस्थित हुए। इस अवसर पर गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में पेट्रोल पंप खुलने से स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों को पेट्रोल और डीजल की सुविधा उनके गांव के पास ही उपलब्ध होगी। उन्होंने इसके लिए संचालक डॉ गीता मेहता व झामुमो युवा जिलाध्यक्ष गौरव पटेल को बधाई देते हुए कहा कि वे पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं तरक्की करें नाम कमाये। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हजारीबाग जिलाध्यक्ष संजीव बेदिया, शिवलाल महतो वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रनाथ भाई पटेल केंद्रीय सदस्य अखिलेश उर्फ राजू महतो विष्णुगढ़ थाना प्रभारी सपन महथा, बीडीओ अखिलेश कुमार अंचल अधिकारी नित्यानंद दास, निशांत पटेल, नीतीश पटेल, सुनील शर्मा, यासीन खान, संजय सिंह, पूर्व जिला परिषद सदस्य यशोदा देवी, कपिल चौधरी संजय प्रजापति, ओमकार नाथ शर्मा, रवि सिंह, किशोर कुमार मंडल, संजय पटेल, प्रभुवन प्रताप सिंह, मिथलेश महतो, बंधन महतो, दुर्योधन महतो, जय प्रकाश सिंह पटेल, रामकिशोर महतो, राणा इकबाल खान, अनुराग बर्मन, सतीश पटेल, कपिल कुमार, शेख वसीम, अरुण महतो, प्रदीप पांडेय, आचार्य उपेंद्र पांडेय, प्रसादी यादव, राजू महतो, पिंटू पासवान, नरेश महतो, कुलदीप महतो, हीरामन महतो, संतोष महतो, योद्धा महतो, मनोवर आलम, रकीब आलम, गंगाधर महतो, महेंद्र महतो, घनानंद पटेल, संतोष पटेल, महादेव मुर्मू, सुरेश हांसदा, जगदीश यादव, कामेश्वर महतो, जितेंद्र पांडेय, सोनू सोहेल, अभिषेक पांडेय, कर्मवीर पांडेय, राहुल कुमार पांडेय, गुड्डू पांडेय, योद्धा महतो, नारायण महतो, विनय दास, शंकर महतो, पवन महतो, टिपुलाल महतो, रतन पटेल सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोडरमा नगर में तीन जगहों पर होती है पूजा, लगता है श्रद्धालुओं का रेला

कोडरमा (आजाद सिपाही)। कोडरमा नगर में तीन जगहों पर दुर्गापूजा पर श्रद्धालु जुटते हैं। इनमें दो जगहों पर पंडाल लगाकर पूजा होती है तो वहीं एक जगह पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थायी रूप से स्थापित है। कोडरमा बाजार स्थित दुर्गा मंडप में दुर्गा पूजा का इतिहास बहुत पुराना है। पिछले 100 वर्षो से स्थानीय दुर्गा मंडप में प्रतिवर्ष मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना की परंपरा चलती आ रही है। इस वर्ष भी कोडरमा में भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया गया है। यहां 60 फीट उंचा पंडाल बनाया गया है, जिसमें राजस्थानी महल की झलक दिखाई देती है। यहां भव्य मेले का आयोजन भी होता है जिसमें कोडरमा बाजार के साथ-साथ आसपास के कई गांवों के लोग शामिल होते हैं। पूजा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह और सचिव अजय पांडेय ने बताया कि मूर्तिकार सागर पंडित और उनकी टीम ने प्रतिमाओं का निर्माण किया है। इसके अलावा, दिनेश टेंट हाउस की देखरेख में बंगाल के कारीगरों द्वारा राजस्थानी महलों और प्राचीन विरासत की थीम पर भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है। वहीं कोडरमा नगर पंचायत के हरिसभा में इस वर्ष 124वें वर्ष का आयोजन हो रहा है। पूजा पंडाल 55 फीट ऊंचा और बंगाल शैली में तैयार किया गया है। यह पूजा बंगाली समाज के लोगों द्वारा 124 साल पहले शुरू की गई थी और आज भी समाज के लोग इसकी देखरेख कर भव्य आयोजन करते हैं। हरिसभा तत्व विद्या समिति के सचिव कुंतल बनर्जी ने बताया कि इस बार पूजा के लिए बंगाल से पुजारी और ढाकिए आए हैं। पूजा का एक खास आकर्षण बंगाली समाज की महिलाएं द्वारा सिंदूर खेला में भाग लेना है। पूजा समिति के अध्यक्ष सनत कुमार दा जबकि कोषाध्यक्ष अमित सहाना हैं। अन्य सदस्य भी इस आयोजन में सहयोग दे रहे हैं। पूजा को और आकर्षक बनाने के लिए पंडाल में बेहतरीन लाइटिंग का भी इंतजाम किया गया है। वहीं कोडरमा वन परिसर में स्थापित दुर्गा मंदिर में भी पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। यहां मां दुर्गे की प्रतिमा स्थापित है जहां लोग अन्य दिनों में तो पूजा अर्चना करते ही हैं पर दुर्गा पूजा और नवरात्र के दिनों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगती है।

मारपीट के विरोध में ग्रामीणों ने दूसरे दिन भी थाना के समक्ष दिया धरना

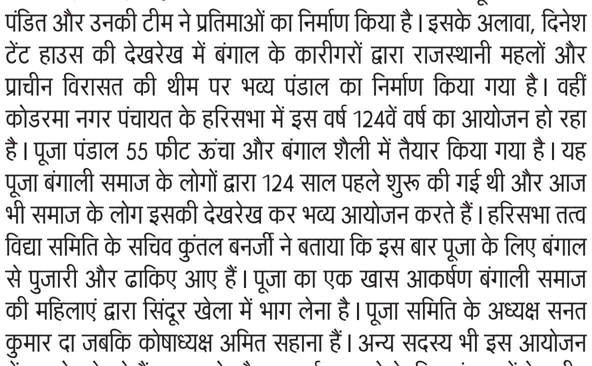

सतगावां (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कटैया पंचायत अंतर्गत आसनकोनी टोला अलखडीहा में बिहार पुलिस गोविंदपुर थाना और ग्रामीण के साथ हुए झड़प के बाद आधी रात में गोविंदपुर पुलिस के द्वारा गांव के महिलाओं, बुजुर्गों, महिलाओं के साथ पुलिस के द्वारा बर्बरता पूर्ण मारपीट और 18 लोग को जेल भेजने को लेकर दूसरे दिन भी थाना के समक्ष धरना जारी रहा। इसी बीच राजधनवार के पूर्व विधायक राजकुमार यादव, जिप सदस्य नीतू कुमारी, बसपा जिला अध्यक्ष प्रकाश अंबेकर, कांग्रेस नेता प्रकाश रजक, सीपीआई जिला मंत्री अर्जुन यादव, 20 सूत्री अध्यक्ष विजय सिंह, जेएमएम प्रखण्ड अध्यक्ष गणेश राय, धर्मेंद्र यादव, बीजेपी नेत्री ब्यूटी कुमारी, सीपीआई नेता सोनिया देवी धरना में उपस्थित हुई। धरना का संचालन सीपीआई के धनंजय यादव ने किया। पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि आधी रात को अलखडीहा के दर्जनों निर्दोष लोगों को मार पीट किया गया, वह बहुत शर्मिंदगी है। गरीबों पर मुकदमा को वापस लेने को बोला। कहा कि ऐसा नहीं हुआ तो बासोडीह बाजार में हजारों हजार की संख्या में आयेंगे और कोडरमा डीसी और एसपी एवं नवादा डीसी, एसपी का पुतला दहन किया जाएगा, गया टू देवघर मुख्य मार्ग चक्का जाम किया जायेगा। इसी बीच एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह से वार्ता हुई और फिर श्री यादव ने दूरभाष से कोडरमा एसपी से बात की। कोडरमा एस पी ने दुर्गा पूजा तक समय मांगा और खा कि नवादा एसपी से बात करेंगे। श्री यादव ने धरना समाप्त करने की बात कही लेकिन धरना समाप्त नहीं हुआ।

दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने की पूरी तैयारी

नो एंट्री, पार्किंग स्थल, रूट डाइवर्ट के साथ महत्वपूर्ण नंबर किया जारी

अभिभावक से किया आग्रह, अपने बच्चों के पॉकेट में मोबाइल नम्बर और घर का पता लिख जरूर डाले

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। दुर्गा पूजा को सफलता पूर्वक संपादन के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस लिया है। इसको लेकर जारी तैयारी भी अब पूरी हो गयी है। नो एंट्री, पार्किंग स्थल, रूट डाइवर्ट के साथ महत्वपूर्ण नंबर भी जारी किये गये हैं। किसी भी सहायता के लिए कंट्रोल रूम से संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने हजारीबाग वासियों से अपील किया है कि दुर्गा पूजा को आपसी भाईचारे, शांति और सदभाव के साथ मनायें और सामाजिक सांप्रदायिक सौहार्द के साथ शांति व्यवस्था बनायें रखें। पंडाल भ्रमण के दौरान पंडाल तक वाहन को ले जाना सख्त वर्जित है। वाहन की पार्किंग चिन्हित स्थल पर करें। जिला प्रशासन ने पंडाल भ्रमण के दौरान अभिभावक से आग्रह किया है कि अपने बच्चों के पॉकेट में मोबाइल नंबर और घर का पता लिख कर जरूर डाले। पंडाल भ्रमण के दौरान पर्स, पहने हुए ज्वैलरी पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से विशेष ध्यान दें। असामाजिक रूप से किसी भी प्रकार से समाज को ठेस पहुंचाने वाले भ्रामक सूचना, फोटो, विडियो और धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी सोशल मीडिया पर शेयर करने से बचें। किसी भी अप्रिय घटना या प्रयास या असामाजिक गतिविधि से संबंधित सूचना जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम 800 2529349 पर दें अथवा 112 डायल से संपर्क करें। पूजा को लेकर शहर क्षेत्र नो एंट्री लगाया गया है, जो सदर अस्पताल से झंडा चौक तक, ग्वाल टोली चौक से झंडा चौक तक, सांसद आवास के घर के मोड़ से झंडा चौक तक, कालीबाड़ी नाला से झंडा चौक तक, सीसीआर मोड़ से इंद्रपूरी चौक तक, पुराना बस स्टैण्ड (देवी रेस्ट हाउस के बगल वाला रोड) के तरफ से आने वाले कार, टोटो, टेम्पू का प्रवेश वर्जित रहेगा। पीटीसी चौक से कोर्रा चौक तक वाहन का प्रवेश पर रोक रहेगा।

किसी भी सहायता के लिए जिला प्रशासन ने जारी किये नंबर : जिला प्रशासन ने किसी भी सहायता के लिए नंबर जारी किया है। जिनमें कंट्रोल रूम का नंबर-8002529349, साइबर थाना - 9430165939, हजारीबाग पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक - 94717 01252 है।

पार्किंग स्थल

श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए शहर में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर पार्किंग बनाया गया है। जिसमें पीटीसी मैदान, नीलांबर-पीतांबर चौक के सामने कॉलेज मैदान, इन्द्रपूरी स्थित टीभीएस शोरूम के सामने रेड क्रॉस स्थान, केशव हॉल के सामने सदर अस्पताल का पहला गेट के पास, कांग्रेस ऑफिस के सामने पार्किंग स्थल, कालीबाड़ी नाला के पास पार्किंग स्थल, पुराना बस स्टैंड के सामने कर्जन ग्राउंड शामिल है।

मार्ग परिवर्तन

कल्लू चौक तरफ से आने वाले टोटो, टैंपू, कार इंद्रपुरी चौक होते हुए त्रिमूर्ति झील होकर डीभीसी चौक होकर मेन रोड जायेंगे। कल्लू चौक तरफ जाने वाले टोटो, कार, टेंपू डीभीसी चौक से त्रिमूर्ति- झील-उपायुक्त आवास-पुलिस क्लव से नूरा रोड मंडई होकर कल्लू चौक तरफ जायेंगे। मार्खम कॉलेज (हुरहुरु) के तरफ से आने वाले वाहन जैक एण्ड जिल होते हुए जाकिर हुसैन रोड होकर ग्वाल टोली चौक से अपने गंतव्य तक जायेंगे। खीरगांव के तरफ से कल्लू चौक, इन्द्रपूरी चौक आने वाले कार टोटो ग्वाल टोली चौक होते हुए महेश सोनी चौक, बड़ा आखाड़ा-शिवपुरी चौक होकर कल्लू चौक, इंद्रपूरी चौक जायेंगे। खिरगांव तरफ से बस स्टेण्ड की तरफ जाने वाले वाहन ईमली कोठी होकर मिशन रोड के दाहिने तरफ के रास्ते से बस स्टैंड जायेंगे। विष्णुगढ़ के तरफ से आने वाली बड़ी बस, कार ओरिया रोड होकर कोलम्बस चौक होकर गंतव्य को प्रस्थान करेगी। रांची तरफ से बरही की ओर जाने वाली बड़ी बस, कार कारगिल चौक बस स्टैंड डिस्ट्रिक मोड़ होकर अपने गंतव्य को प्रस्थान करेगी। बरही की ओर से आने वाली बड़ी बस, कार डिस्ट्रिक मोड होकर बस स्टैंड कारगिल चौक होते हुए अपने गंतव्य को प्रस्थान करेगी। पी डब्लू डी चौक, डिस्ट्रिक मोड़, अटल चौक तरफ से आने वाले छोटी वाहन पीटीसी मैदान में अपना वाहन पार्किंग कर पैदल गांधी मैदान जायेंगे। बस स्टैंड से विष्णुगढ़ की ओर जाने वाली बड़ी और छोटी वाहन अग्निशामन मोड़ होकर चानो रोड़ होकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे। विष्णुगढ़ तरफ से आने वाले बस, कार चानो रोड-भारत माता चौक होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे। नीलांबर-पितांबर चौक से कोर्रा चौक से पीटीसी चौक से छोटी वाहन का प्रवेश वन-वे रहेगा।

सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन रेस

केंद्रीय कारा में किया औचक निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। दुर्गा पूजा में सुरक्षा को लेकर खलल ना हो इसे देखते हुए शहर से लेकर जेल तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया जा रहा हैं। हजारीबाग जिला प्रशासन की टीम ने एक महीने में तीसरी बार लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में औचक निरीक्षण किया है। दुर्गा, पूजा, दीपावली, छठ यह तीन महत्वपूर्ण त्योहार हिंदुओं का हैं। इसे लेकर सुरक्षा में कोई खलल ना डालें, प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। शहर, गांव से लेकर जेल तक सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये जा रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा से कोई अपराध न हो इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने जेल में औचक निरीक्षण किया है। इस निरीक्षण में पांच मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी थी साथ ही भारी संख्या में बल भी तैनात थे। जिसका नेतृत्व हजारीबाग सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने किया। एसडीओ बैजनाथ कामती ने बताया कि लगभग 2 घंटे की छापेमारी में किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामान नहीं मिली है। यह रूटीन चेकिंग था। सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने बताया कि हजारीबाग जेल सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद महत्व रखता है। जेल में कई शातिर अपराधी भी बंद है। अन्य जेल के तुलना में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये जाते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर यहां औचक निरीक्षण भी होता रहता है। औचक निरीक्षण आगामी त्योहार को देखते हुए किया गया है। औचक निरीक्षण में जिला बाल विकास पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा, इचाक सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता, केरेडारी सीओ रामरतन वर्णवाल, सदर इंस्पेक्टर, सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह, एसआइ गौतम कुमार समेत जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी और रक्षक दल के सदस्य शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्राम अंबाजीत निवासी बिंदेश्वरी सिंह उर्फ मिशन सिंह की मोटरसाइकिल दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो गयी। बताते चलें कि मिशन सिंह अपने बड़े पुत्र चंदन सिंह के साथ हजारीबाग से अपने घर अंबाजीत आ रहे थे इसी बीच मलहद के पास मोटरसाइकिल के आमने-सामने टक्कर से वह बुरी तरह घायल हो गये जिन्हें आरोग्यं अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिशन सिंह की उम्र 68 वर्ष थी जिन्होंने 1978 में संत कोलंबस कॉलेज से स्नातक की डिग्री ली थी। मिशन सिंह के दो पुत्र हैं बड़े पुत्र चंदन सिंह और छोटे पुत्र समीर पाठक है। मिशन सिंह अपने स्वभाव के चलते पूरे गांव में चर्चित व्यक्तियों में से थे जो आज परिवार के साथ-साथ पूरे गांव को रुला गये। लोग उनकी याद में शोक सभा का आयोजन किया और आज अंतिम विदाई दी। इनका दाह संस्कार जोगियादह अस्मशान घाट में किया गया। जहां ग्रामीण और आसपास के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

एकल विद्यालय का मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत परसाबाद संच का एकल विद्यालय का मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। मौके पर अंचल अभियान प्रमुख रामनिवास पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान बैठक में 25 गांव के आचार्यों ने भाग लिया। बैठक में पिछले माह के कार्य की समीक्षा की तथा बच्चों के पठन-पाठन, ग्राम समिति की बैठक नियमित रूप से करवाना आदि जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केंद्र पर योग का कार्यक्रम करना बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाएं बनाना निश्चित रूप से जरूरी है। सारे विषय पर अभियान प्रमुख रामनिवास पांडेय ने समीक्षा किया। परसाबाद संच के प्रशिक्षक अजीत कुमार ने आचार्यों को एकल अभियान के जरूरी बातें बताई। इस दौरान आचार्यों के बीच शिक्षण सामग्री ब्लैक बोर्ड, कॉपी, किताब, कलम, चौक वितरण किया। मौके पर आचार्य सविता कुमारी, पार्वती कुमारी, पुष्पा कुमारी, संगीता, रेखा देवी, काजल, लीलावती देवी, बबिता, ममता, लक्ष्मी, पूजा आदि उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत महेशपुर चौक के समीप अज्ञात वाहन के चपेट में आने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बंगाखलार निवासी 13 वर्षिया सीमा कुमारी पिता अजय भुल्ला, 22 वर्षीय राजकुमार पिता रामजी भुल्ला और 40 वर्षिया संगीता देवी पति अजय भुल्ला के रूप मे हुई है। जानकारी के अनुसार एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर डोमचांच से अपने घर वापस जा रहे थे। इसी क्रम में महेशपुर चौक के समीप अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया और फरार हो गया। जिसमें उक्त सभी गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया जहां सभी का इलाज चल रहा है।

एसीबी की टीम पहुंची हजारीबाग, विनय सिंह के ऑटोमोबाइल शोरूम में की छापेमारी

छापेमारी में कई अहम जानकारी टीम के हाथ लगी है

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। ऑटोमोबाइल कंपनी के संचालक विनय सिंह के ऊपर एसीबी का शिकंजा कसता जा रहा है। एसीबी की टीम ने हजारीबाग पहुंच कर डेमोटांड़ स्थित गाड़ी के शोरूम में छापेमारी की है। लगभग 6 घंटे से अधिक का समय एसीबी की टीम ने बिताया। इस दौरान कर्मियों से पूछताछ की गयी है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पूरे परिसर को सुरक्षा घेरा में ले लिया। किसी को भी अंदर जाने की इजाजत नहीं दी गयी। एसीबी की टीम ने बड़ी ही गोपनीय तरीके से यह छापेमारी की है। बताया जाता है कि इस छापेमारी में कई अहम जानकारी टीम के हाथ लगी है। छापेमारी समाप्त होने के बाद कोई भी पदाधिकारी और कर्मी ने जानकारी नहीं दी कि उनसे क्या पूछताछ की गई है। विनय सिंह लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में न्यायिक हिरासत में बंद है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने गुरुवार को वन भूमि और खास महल भूमि मामले के केस में आटोमोबाइल कंपनी के संचालक विनय सिंह को रांची से गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के अनुसार, विनय कुमार सिंह पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर अवैध तरीके से भूमि का जमाबंदी करवाई। एसीबी ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए हजारीबाग थाना में कांड संख्या 11/25 दर्ज किया है। विनय सिंह रांची के आनंदपुर स्थित स्ट्रीट नंबर तीन में रहते हैं। वे जेल में बंद निलंबित आइएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे के करीबी हैं। एसीबी की ओर से जारी अधिकृत बयान में बताया गया है कि उपायुक्त कार्यालय हजारीबाग ने वर्ष 2013 में पांच प्लाट की अवैध जमाबंदी को रद कर दी थी। उक्त रद किए गए जमाबंदी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने 2013 में ही सही ठहराया था।

सुरक्षित गर्भसमापन दिवस पर महिला मुक्ति संस्था ने किया कार्यशाला का आयोजन

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। महिला मुक्ति संस्था ने रविवार को सुरक्षित गर्भसमापन दिवस के अवसर पर गोवरबंदा पंचायत भवन में कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित गर्भसमापन के महत्व और इसके लिए उपलब्ध सेवाओं के बारे में जागरूक करना था। संस्था की लीला कुमारी ने सुरक्षित गर्भसमापन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और महिलाओं के सवालों का जवाब दिया। इसके अलावा, सुषमा कुमारी ने महिलाओं को सुरक्षित गर्भसमापन के लिए उपलब्ध सेवाओं और संसाधनों के बारे में जानकारी प्रदान की। महिला मुक्ति संस्था की संयोजिका सांता सांगा ने कहा हमारा उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित गर्भसमापन के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें इसके लिए उपलब्ध सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना है। हम चाहते हैं कि महिलाएं अपने स्वास्थ्य और अधिकारों के बारे में जागरूक हों और अपने निर्णय लेने में सक्षम हों।₹ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और किशोरियों ने भाग लिया और सुरक्षित गर्भसमापन के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर वार्ड सदस्य इसरत प्रवीण, पुनम देवी, सेविका गजाला प्रवीण, फिरदौसी खातुन, सहिया सकीना खातुन किरण देवी, प्रेरणा कुमारी ने सुरक्षित गर्भसमापन पर अपनी बात रखी। संस्था की लक्ष्मी, प्रियंका, काजल कुमारी, रिंकी देवी, पुनम शर्मा, पुनम देवी, पार्वती देवी, गुनगुन कुमारी, अनामिका कुमारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।

चंद्रवंशी विकास मंच की बैठक संपन्न

कोडरमा (आजाद सिपाही)। हिंदू महापर्व दशहरा, दीपावली और छठ पूजा पर समाज के अंदर सामाजिक समरसता बनाये रखने को लेकर चंद्रवंशी विकास मंच जिला कमेंटी की बैठक रविवार को हुई। बैठक में दशहरा पूजा की हार्दिक शुभकामना देते हुए शांति पूर्वक धूमधाम से मनाने, सामाजिक समरसता कायम रखते हुए जिला प्रशासन के दिशा- निर्देश जारी किया गया है, उसे पूर्ण रूप से लागू करने के साथ ही आम लोगों को भी शांति पूर्ण मनाने की अपील की गयी। मौके पर मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी, जय प्रकाश राम, उमेश राम, प्रवीण चंद्रा, सीताराम चंद्रवंशी, ओम प्रकाश राम, उपेंद्र वर्मा, महेंद्र राम, अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के राज्य महासचिव चंद्रवंशी राहुल वर्मा, सुधीर चंद्रवंशी, विनोद रवानी, सकलदेव राम, मंच अध्यक्ष चंद्रवंशी दीपक कुमार नवीन, सचिव महेश भारती, कोषाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष रवि राम, मीडिया प्रभारी दीपक चंद्रवंशी, अरुण राम, रंजीत राम, अजय चंद्रवंशी, मनोज राम, मुकेश राम आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात केंद्रीय मंत्री के आवास पर सुनी गयी

कोडरमा (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मासिक संवाद श्रृंखला मन की बात का 126वां एपिसोड रविवार को केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के चाराडीह स्थित आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ सुना गया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने नवरात्रि पर नारी शक्ति को बधाई दी और कहा कि देश की बेटियां हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। उन्होंने स्व लता मंगेशकर और शहीद भगत सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इनके जीवन से देश को प्रेरणा मिलती है। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना की नाविक सागर परिक्रमा जैसी पहलों को प्रेरणादायक बताते हुए कमांडर रूपा और दिलाना की उपलब्धियों का विशेष उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व अब वैश्विक उत्सव का रूप ले चुका है। उन्होंने गांधी जयंती दो अक्टूबर पर खादी और स्वदेशी वस्तुओं की खरीद करने की अपील करते हुए कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने विजयादशमी के पथ संचलन की परंपरा को राष्ट्रभक्ति और सेवा का प्रतीक बताया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम हमें निरंतर समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पथ पर प्रेरित करता है। नारी शक्ति का सम्मान और स्वदेशी को बढ़ावा हर भारतीय को आत्मनिर्भर भारत निर्माण का सहभागी बनाता है। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुप जोशी ने कहा कि मन की बात केवल संवाद नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ने का अभियान है। यह कार्यक्रम प्रत्येक कार्यकर्ता को सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित के कार्यों के लिए प्रेरित करता है और पूरे राष्ट्र कि संस्कृति का एक बोध कराता है। कार्यक्रम में चंद्रशेखर जोशी, मनोज साव, रामदेव मोदी, रामचन्द्र राम, केदार यादव, सुनील पंडित, नरेन्द्र पाल, अजीत चन्द्रवंशी, राम पुनीत, विरेन्द्र यादव, ब्रह्मदेव यादव समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सभी कार्यकर्ताओं को स्वदेशी अपनाओ, देश को आत्मनिर्भर बनाओ हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी का शपथ दिलायी और अपने जीवन में स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आह्वान किया।

बनासो में फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बनाओ बाजार टांड में स्वर्गीय टेकलाल महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन अतिथियों के द्वारा पिता काटकर और फुटबॉल में कीक लगाकर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि हम लोगों को टेकलाल बाबू के इतिहास को पढ़ना होगा, जानना होगा टेकलाल बाबू शिक्षा और खेल में युवाओं को आगे देखना चाहते थे। इसीलिए इस प्रतियोगिता का नाम झारखंड के जननायक स्वर्गीय टेकलाल महतो के नाम पर रखा गया है। इसलिए महामाया युवा क्लब बनासो के सदस्यों को बधाई देता हूं। आयोजक महामाया क्लब के सदस्यों ने बताया कि इस टूनार्मेंट में कुल 32 टीमों ने भाग लिया है। जिसका समापन टेकलाल महतो की स्मृति दिवस 27 सितंबर को किया गया। फाइनल मुकाबला मेंढवाटांड़ और नवाबांध फुटबॉल टीम के बीच हुआ पेनाल्टी शूट के माध्यम से विजेता मेढवा टाड़ बनी। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल न खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष अब्बास अंसारी, पूर्व प्रमुख उमा देवी, मंडल अध्यक्ष उत्तम कुमार महतो, हीरामन महतो, निर्णायक भुनेश्वर यादव, राजू रवानी, राहुल कुमार, देवशरण यादव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि गुरु प्रसाद साव, शेख अजीज, शेख कल्लू, शंभू यादव, दिनेश मंडल, महेंद्र कुमार, रियाज खान, बासुदेव महतो, राज किशोर पांडेय, विजय नंदन पांडेय, भागीरथ पासवान, राहुल पासवान, रामदास पांडेय, परमेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, प्रयाग पासवान, प्रमोद पांडेय, श्रीकांत पांडेय, संतु पांडेय, संतोष पासवान, बंधन यादव, मुकुंद साव, संतु पासवान, दामोदर राम, धनेश्वर महतो, सुरेश महतो, अनिल महतो एवं भीम महतो समेत कई अन्य लोग शामिल थे।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन एक्टिव, एसपी के नेतृत्व में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

सुरक्षा व्यवस्था और संदिग्धों पर रहेगी विशेष नजर : अजय

बीरू कुमार

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। जिले में दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था बनाए रखने और शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर एसपी अजय कुमार रविवार को खुद सड़क पर उतर कर फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च रामगढ़ थाना से शुरू होकर गांधी चौक, झंडा चौक, चट्टी बाजार, बाजार टांड़ से रिटर्न होते हुए सुभाष चौक, बिजुलिया, ब्लॉक होते हुए पुनः रामगढ़ थाना पहुंच कर संपन्न हुई।

मेले में घूमे बेफिक्र, सेवा में तत्पर रहेंगे पुलिस अधिकारी और कर्मी : मौके पर एसपी अजय कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा मेला में रामगढ़ वासी बेफिक्र होकर घूमे। पुलिस आपकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हमेशा तत्पर है। मेला के दौरान उपद्रवी और अफवाह फैलाने वाले संदिग्धों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि मेला को लेकर जिला पुलिस प्रशासन प्रमुख चौक चौराहा पर सादे लिवास में पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को तैनात किया है। उन्होंने रामगढ़ वासियों से अपील किया है कि पूजा और मेला के दौरान कोई भी अफवाह या फिर सूचना मिलता है तो तत्काल स्थानीय पुलिस के साथ सीधा मुझसे संपर्क कर सूचना दे सकते हैं। आमजनों की सूचना पर तुरंत कार्रवाई की जायेगी।

खुद मोटरसाइकिल पर सवार होकर निकले एसपी

एसपी अजय कुमार पूजा को लेकर काफी गंभीर है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खुद शहर में घूम रहे है। इसी कड़ी में रविवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। एसपी अजय कुमार पहले शहर में पैदल मार्च किया। बाद में अपनी पूरी टीम के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर पूरा शहर का भ्रमण किया। उन्होंने फ्लैग मार्च कर स्पष्ट संदेश दिया है कि पूजा में कोई भी खलल डालने का प्रयास करेगा। उसे बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।

फ्लैग मार्च में ये थे शामिल

फ्लैग मार्च में सीओ रमेश रविदास, एसडीपीओ परमेश्वर कुमार, रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे, यातायात थाना प्रभारी गजेंद्र पांडे, सब इंस्पेक्टर दीपक रजक, मंजेश कुमार, बीरबल हेंब्रम, अनिल कुमार सहित कई पुलिस अधिकारी और कर्मी शामिल थे।

पुलिस ने सात जुआरियों को किया गिरफ्तार

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। भुरकुंडा पुलिस ने शनिवार की रात्रि सौंदा डी में छापेमारी कर जुआ खेलते सात लोगों को धरदबोचा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस संदर्भ में भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता ने बताया कि सौंदा डी मध्य विद्यालय के पास कई दिनों से जुआ खेलने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। गुप्त सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने जुआ खेल रहे सात युवक हिरासत में ले लिया। जबकि कुछ जुआरी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। छापेमारी के दौरान पुलिस ने जुआ अड्डा से नकद 11 हजार रुपये, ताश की गड्डियां, दो बाइक और पांच मोबाइल फोन जब्त किया। भुरकुंडा पुलिस ने गिरफ्तार जुआरी सौंदा डी निवासी आरपी सिंह, सूरज कुमार, रवि मिंज, मो. इमरान, उदल कुमार, जय चौधरी, नरेश गंझू को रामगढ़ न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी आरोपी सौंदा डी पंचायत के ही निवासी बताए गए हैं। छापामारी में एसआई कुणाल कुमार सहित सशस्त्र बल शामिल थें।

आरएसएस ने घुटुवा में मनाया विजयदशमी उत्सव, किया पथ संचलन

बरकाकाना (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ के निमित्त भुरकुंडा खंड का विजयादशमी उत्सव बरकाकाना मंडल में मनाया गया। उपस्थित स्वयंसेवकों द्वारा रामगढ़ पतरातू मुख्य मार्ग बुध बाजार बरकाकाना स्थित फुटबॉल मैदान से नया नगर बरकाकाना के निराला संघ मैदान तक पथ संचलन किया गया। तत्पश्चात निराला संघ मैदान में भारत माता पूजन और आद्य सरसंघचालक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय संघचालक माधवराव गोलवलकर को नमन किया गया। ज्ञात हो, सन 1925 को विजया दशमी के दिन संघ की स्थापना की गई थी। संघ के रांची विभाग के बौद्धिक प्रमुख आशुतोष ने संघ की स्थापना के लक्ष्य और इतिहास की चर्चा की और नागरिक-कर्तव्यों के प्रति स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। मौके पर रामगढ़ जिले के सह जिला प्रमुख लव कुमार, भुरकुंडा खंड कार्यवाह घनश्याम राणा, संतोष स्वर्णकार, अवधेश पांडेय, ओम प्रकाश, रजनीकान्त राठौर, छठीलाल, प्रकाश प्रजापति, राजेश कुमार, धीरेन्द्र सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव सहित दर्जनों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

शहीद भगत सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू में शहीद भगत सिंह चौक पर पतरातू क्षेत्र के पत्रकारों और ग्रामीणों ने रविवार को शहीद भगत सिंह सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीद भगतसिंह सिंह की जयंती मनाया गया। इस मौके पर ग्रामीणों और पत्रकारों ने शहीद भगत सिंह अमर रहे के नारे लगाये और उन्हें नमन करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प लिया। मौके पर पत्रकार सलीम अंसारी ने कहा की आज भी भगत सिंह क्रांति की मिसाल बनकर हमारे दिलों में क्रांति की भावना जागते हैं। नंदकुमार ने कहा की भगत सिंह ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आंदोलन कर उनके दांत खट्टे कर दिये थे। मौके पर बिजेंद्र कुमार मुनसब अंसारी, सुमीत पाठक, संतोष कुमार, अजय तिवारी, वासुदेव ठाकुर, राजीव पांडेय, रविंद्र प्रसाद गुप्ता, मनोज साहू, महेश प्रसाद, राम लखन साहू, मदन साहू, रंजीत ठाकुर, बालेन्द्र साहू, किशोर ठाकुर, सोनू कुमार सहित सैकड़ों पत्रकार और ग्रामीणों मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात रामगढ़ कैंट के लोगों ने सुनी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की 126वीं कड़ी में रविवार को रामगढ़ कैंट मण्डल के बुथ संख्या 46 में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी के आवासीय कार्यालय परिसर में लोगों ने ध्यानपूर्वक मन की बात को सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 126 वीं कड़ी में देश की जनता के साथ संवाद किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने वोकल फोर लोकल और खादी के वस्त्रो का ज्यादा से ज्यादा उपयोग का आह्वान किया। जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी ने प्रधानमंत्री के संबोधन की सराहना की और कहा कि यह कार्यक्रम हमें देश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने और अपने विचारों को साझा करने का अवसर प्रदान करता है। उनके संबोधन से हमें देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरणा मिलती है। मन की बात कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगदीश शर्मा, अजीत गुप्ता, बूथ अध्यक्ष नीरज सिंह, राजेंद्र राम, राजेंद्र राय, जवाहर राय, कुंदन सिंह, हीरा देवी, अनीता सिंह, सूरज सिंह, शिखा चक्रवर्ती, रीना मिश्रा, सुषमा कुमारी, पम्मी कुमारी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद थे।

इनर व्हील क्लब ने किया मच्छरदानी और ब्लीचिंग पाउडर का वितरण

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। लगातार भारी वर्षा के कारण वातावरण में आई नमी और गंदगी से डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए इनर व्हील क्लब रामगढ़ ने लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए मानवीय पहल के तहत परिवारों के बीच मच्छरदानियों और ब्लीचिंग पाउडर का वितरण किया। क्लब की सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों को समझाया कि डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया जैसी बीमारियां जागरूकता से ही दूर की जा सकती हैं। मच्छरदानी का प्रयोग रात में अवश्य करें। घर और आसपास में पानी जमा ना होने दे और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव समय-समय पर करें। उन्होंने बताया कि ब्लीचिंग पाउडर के प्रयोग से न केवल मच्छरों के लारवा नष्ट होते हैं,बल्कि गंदगी और बदबू भी कम होती है। जिससे वातावरण स्वच्छ और सुरक्षित बनता है। यह छोटे-छोटे प्रयास लोगों के जीवन से गंभीर बीमारियों से बचाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। मौके पर नमिता श्रॉफ, जनेशा वडेरा, मेघा बगरिया, नीरू साहनी, रंजू अग्रवाल, राजिंदर बुधवाल श्वेता जैन, प्रियंका जैन, अंबाली जैन, हरमीत कौर आदि मौजूद थे।

धनबेडवा में दुर्गा पूजा पर निकली भव्य कलश यात्रा, शामिल हुए पीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। शारदीय नवरात्र के मौके पर दुर्गा पूजा समिति धनबेडवा (करमा) द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल करमा पीओ रामेश्वर मुंडा और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मुखिया तुलेश्वर प्रसाद, राजनाथ महतो, पोखलाल मुंडा शामिल रहे। इस दौरान पीओ रामेश्वर मुंडा ने महावीरी झंडे का ध्वजारोहण, पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। वहीं, यजमान बने खिरोधर महतो, तुलेश्वर महतो, नान्हू महतो, टेकलाल महतो, छक्कन लाल महतो, जोधन महतो, सुरेश महतो सपत्नीक को कलश प्रदान कर जल यात्रा के लिए विदा किया। इस बीच 101 कलशधारी गाजे-बाजे के साथ मंडप परिसर से यात्रा प्रारंभ कर दामोदर नदी उखरबेड़वा पहुंचे। वहां, पंडित वीरेंद्र शास्त्री और पुरोहित जनार्दन पांडेय ने विधि-विधान से पूजा संपन्न करायी। तत्पश्चात कलशधारी पवित्र जल लेकर पुनः मंडप परिसर लौटे और कलश की स्थापना की गयी। रामेश्वर मुंडा ने कहा कि कलश यात्रा हमारी आस्था और संस्कार का प्रतीक है। यात्रा से समाज में भाईचारा, एकजुटता और धार्मिक जागरूकता का संदेश जाता है यात्रा में समिति अध्यक्ष मोहरलाल महतो, सचिव उमेश महतो, कोषाध्यक्ष सोभनाथ महतो, तीजन महतो, गुलाबचंद महतो, सहदेव महतो, सैनाथ महतो, नुनू चंद महतो, घनश्याम महतो, प्रेमलाल महतो, दिनेश महतो, कैलाश महतो, विशेश्वर महतो, कन्हैया महतो, बालेश्वर महतो, मिट्ठू महतो, योगेंद्र महतो, राजेश महतो, द्वारिका महतो, दिलेश्वर महतो, काशीनाथ महतो, दौलत महतो, संजय महतो, अमरलाल महतो समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर रजरप्पा में फ्लैग मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजा को लेकर रजरप्पा थाना प्रभारी के नेतृत्व में चितरपुर और रजरप्पा क्लोनी में फ्लैग मार्च निकाला गया। जिसमे दर्जनोंर जरप्पा पुलिस के जवान शामिल हुए पुलिस द्वारा दो पहिया वाहन से फ्लैग मार्च किया जिसमें चितरपुर रेलवे ब्रिज से मैन रोड होते हुए शिवालय मंदिर कुर्मी टोला तक पुलिस जवान मार्च किया जबकि रजरप्पा आवासीय क्लोनी पूजा सहित पुरे क्षेत्र पर फ्लैग मार्च किया। इस मौके पर एएसआइ रंजीत महतो निरंजन सिंह सहित दो दर्जन से अधिक पुलिस के जवान फ्लैग मार्च में शामिल थे।

भाजपाइयों ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात

कुजू (आजाद सिपाही)। भाजपा ओबीसी मोर्चा रांची महानगर प्रभारी जगेश्वर प्रजापति के नेतृत्व में कार्यकताओं ने बोंगावार में पीएम नरेंद्र मोदी का 126वां मन की बात सुना गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एलईडी में नरेंद्र मोदी द्वारा देश के नाम अपने मन की बात में माध्यम से देश के दो महान विभूतियों जैसे शहीद भगत सिंह व प्रसिद्ध गायिका स्व लता मंगेशकर को नमन किया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूट कर भरी थी। वही, आगामी दो अक्टूबर को गांधी जयंती और आरएसएस का 100वां स्थापना दिवस के रूप में मनाने की बात कही। इधर, देशवासियों को नवरात्रि, दीपावली व छठ की विशेषताओं पर चर्चा कर बधाई दी। मौके पर जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि नरेंद्र मोदी के मन की बात को हम अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जगेश्वर प्रजापति, सुनिता देवी, संगीता देवी, सुलेखा देवी, आशा कुमारी, शांती देवी, वीणा कुमारी, मनसरी देवी, कौशल्या देवी, सुमन देवी शामिल रहे।

रामगढ़ के चर्चित सोनाली आत्महत्या कांड में श्वेता सिंह को हाइकोर्ट ने दी बेल

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। जिला का चर्चित सोनाली आत्महत्या कांड में आरोपी बनायी गयी श्वेता सिंह को झारखंड उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी है। मामले में सबसे पहले श्वेता सिंह ने निचली अदालत में जमानत की अर्जी दी थी। लेकिन निचली अदालत ने उनके जमानत को खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने जमानत के लिए झारखंड हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जहां सुनवाई के दौरान सभी तथ्यों को परखते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने श्वेता सिंह को मामले में जमानत दे दी है। बताते चले की रामगढ़ थाना कांड संख्या 162/2025 में श्वेता सिंह को आरोपी बनाया गया था। इसके बाद से लगातार श्वेता सिंह न्याय की गुहार लगा रही थी। इसी कड़ी में उन्होंने हाईकोर्ट से जमानत देने की भी गुहार लगाये थी। जिसकी सुनवाई के दौरान श्वेता सिंह को जमानत दी गयी।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटा समेत तीन की मौत

- घटना रामगढ़ बोकारो मार्ग मठवा टांड की, पति जा रहा था पत्नी और बच्चों को ससुराल छोड़ने
- परिजनों को बिना सुचना दिए पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम में, विरोध के बाद वापस लाया गया शव
- दूसरी घटना मगनपुर में घटी यहां दो बच्चों को बोलेरो ने रोंदा, एक की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। रामगढ़ बोकारो एन एच 23 मठवा टांड के समीप रविवार को हृदयविदारक घटना घटी। हादसे में मां बेटा का सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के सबंध में बताया गया कि सोसो कलां गांव निवासी तेजनाथ महतो अपनी पत्नी सीमा कुमारी और दो बेटा तेजस कुमार 6 वर्ष और रक्षित राज को अपने पैशन प्रो बाइक में बैठाकर घर से अपने ससुराल करमा गांव जा रहा था। इसी दौरान मठवा टांड के समीप ट्रक संख्या यूपी 63 बीटी 3655 ने पीछे से बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे कारण तेजनाथ महतो वाहन से दूर जा गिरा। वही उसकी पत्नी सीमा कुमारी 32 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गयी। वही उसका 2 वर्ष का मासूम बेटा रक्षित राज गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं तेजस को मामूली चोट लगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को अपने कब्जे में कर लिया। वहीं घायल रक्षित राज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे रेफर कर दिया। अस्पताल ले जाने के क्रम में मासूम बच्चे की मौत हो गयी। इधर पुलिस के दवारा शव को बिना परिजनों के जानकारी दिये बगैर पोस्टमार्टम में भेजे जाने का विरोध किया। परिजनों ने बताया कि जब हम लोग अस्पताल पहुंचे तब तक पुलिस शव को बिना जानकारी के पोस्टमार्टम में भेज दिया था। वहीं घायल बच्चे को रेफर करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखायी। ग्रामीणों के विरोध के बाद पुनः वापस शव को रामगढ़ से गोला लाया गया। पूर्व मुखिया बजरंग कुमार महथा ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मिलकर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। दूसरी घटना मगनपुर के समीप में घटी। यहां एक अनियंत्रित बोलेरो ने दो साईकिल सवार दो बच्चों को रौंद दिया। जिसके कारण मगनपुर निवासी हीरालाल महतो का 12 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार और ललन महतो का 13 वर्षीय पुत्र यश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये। ग्रामीणों ने दोनों बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया। इलाज के क्रम में सोनू कुमार की मौत हो गयी। बताया गया कि दोनों बच्चे की साइकिल में सवार होकर सड़क से गुजर रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित बोलेरो ने दोनों बच्चों को रौंद दिया। भागने के क्रम में बोलेरो को ग्रामीणों ने पकड़ लिया।

चतरा में दुर्गा पूजा को लेकर फ्लैग मार्च

चतरा (आजाद सिपाही)। जिले में शांति वातावरण में सौहार्दपूर्ण दुर्गा पूजा संपन्न कराने के साथ लोगों में सुरक्षा की भावना जगाने के उद्देश्य से रविवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, एसडीपीओ संदीप सुमन, एसडीओ जहूर आलम, सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार, अंचलाधिकारी अनिल कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो सहित जिले के सभी वरिय अधिकारियो ने शहर में फ्लैग मार्च कर दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का ना सिर्फ जायजा लिया बल्कि लोगों को यह संदेश देने का काम किया लोग बेफिक्र होकर त्योहार मनायें। फ्लैग मार्च के माध्यम से हुड़दंगियों को भी साफ संदेश दिया गया कि वह हुड़दंग करने का सोंचे भी नहीं। अधिकारियों ने शहर के चौक-चौराहों सहित शहर के सभी संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के माध्यम से असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों से सख्ती से निपटने को लेकर तैयारियों का प्रदर्शन किया। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि पुलिस प्रशासन असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों पर पैनी नजर बनाए हुई है। जिले में दुर्गा पूजा का त्योहार शुरू हो गया है। त्योहार में किसी भी तरह का कोई विघ्न उत्पन्न नहीं हो, पुलिस अभी से ही उसकी तैयारी में जुटी है। फ्लैग मार्च के माध्यम से उपद्रवियों को साफ संदेश दिया जा रहा है कि वह उपद्रव करने का सोचें भी नहीं। पुलिस प्रशासन ऐसे तत्वों से निपटने के लिए पूरी तरह से सक्षम है।

विद्यालय में चोरी करते हुए नाबालिग को ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस को सौंपा

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोसाईंडीह में शनिवार की रात चोर घुस गया। कुछ ग्रामीणों को विद्यालय में आहट होने की सुनाई दी। ग्रामीणों ने तुरंत पूजा पंडाल सजा रहे युवकों को सूचित किया। युवकों ने विद्यालय आया तो देखा कि विद्यालय में स्मार्ट क्लास का ग्रिल का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे थे। हालांकि ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी नाबालिक चोर को दबोच लिया, जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना हंटरगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस बल मौके पर पहुंच कर नाबालिक चोर को अपने साथ ले गये। जानकारी के अनुसार नाबालिक के पास से एक आरी ब्लेड, एक लोहे का रड भी बरामद की है। आरोपी बिहार के गया जिला के बहेरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चतरा में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ पर भव्य पथ संचलन का आयोजन

चतरा (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय स्थित रामेश्वरलाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बौद्धिक चर्चा, शाखा गतिविधियां और पथ संचलन का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप से प्रांत शारीरिक प्रमुख कुणाल, जिला संघसंचालक मोती अग्रवाल, नगर संचालक संजय सिंह और जिला प्रचारक संतोष कुमार उपस्थित थे। संघ के सौवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संघ के इतिहास, योगदान और समाज में किये गये कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। कुणाल ने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठनात्मक नहीं बल्कि सामाजिक और बौद्धिक विकास में भी योगदान देना है। बौद्धिक सत्र के बाद शाखा गतिविधियों का आयोजन किया गया। शाखा सत्र में बच्चों और युवाओं ने खेल और योग के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखायी। शाखा प्रमुखों ने स्वयंसेवकों को शारीरिक प्रशिक्षण और सामूहिक गतिविधियों के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने एकता और अनुशासन के संदेश को अपने व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया। इसके बाद पथ संचलन शुरू हुआ। पथ संचालन स्कूल से शुरू होकर मारवाड़ी मोहल्ला, पुराना पेट्रोल पंप, मेन रोड, केसरी चौक, बालिका उच्च विद्यालय जतराहीबाग, थाना रोड होते हुए वापस विद्या मंदिर में समाप्त हुआ। पथ संचलन में बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने भाग लिया और संघ की वेशभूषा में संघ का झंडा लेकर नगर में अनुशासन और एकता का संदेश पहुंचाया। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना और सामूहिक संगोष्ठी के साथ हुआ। जिला संघ संचालक मोती अग्रवाल ने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया और आगे भी समाज सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मौके पर दर्जनों की संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा-2025 को लेकर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त ब्रीफिंग

चतरा (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा के सफल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय है। उपायुक्त कीर्तिश्री और पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने आज जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की। ब्रीफिंग के दौरान दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाये रखने, संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त चौकसी, यातायात प्रबंधन, अग्निशमन व आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों सहित सभी आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। उपायुक्त ने अधिकारियों को सभी अनुमंडल व थाना क्षेत्रों में पूजा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर समय से आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी तथा संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जायेगी। साथ ही, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिया। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की तैयारियों की जानकारी दी और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।

AFFIDAVIT

As Per Affidavit Ref. No.: 5088, Dated: 11/07/2025. I, Kunti Devi, aged about 46 years, W/O Braj Kishor Mahto, resident of village- Takaha Mahato Tola, P.O. Uttasara, P.S. Petarwar, District-Bokaro (Jharkhand) Aadhar No.5449 0937 2197 do hereby solemnly affirm and declare as follows :- 1. That, my Nationality is Indian. 2. That, my daughter's correct and actual name is Babita Kumari and her date of birth is 22.04.2015 according to her birth certificate vide registration no. 310 dated 09.08.2021. 3. That, in my daughter's Aadhar card vide no. 2783 5044 9159 her name has wrongly been mentioned as habits Kumari.
4. That, I want to correct or rectify my daughter's name in my above said daughter's Aadhar card as Babita Kumari in place of habits Kumari.
5. That, I am swearing this affidavit to submit before the authority concern for needful purpose.
6. That, the contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge, information and belief, if found incorrect or false I shall be liable for the prosecution under the relevant section of law also.

बड़े धोखे हैं इस राह में!

इन दिनों भारत में लिव-इन रिलेशनशिप (बिना विवाह किए सहमति संबंध) लोकप्रिय होती जा रही है। इसे कुंवारों के साथ-साथ विवाहित भी अपना रहे हैं, जिन्हें अपना पति या पत्नी पसंद नहीं होती। लिव-इन रिलेशनशिप एक ऐसी व्यवस्था है, जो भारत के उच्च आदर्शों से कतई मेल नहीं खाती। इसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध तक बनाते हैं। यहां तक कि कई जोड़े तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं। पश्चिमी देशों में यह आम बात है और उनकी देखादेखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैल रही है। भारत में 1978 में सुप्रीमकोर्ट ने पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी थी। इसमें तलाक की नौबत तो नहीं आती, परंतु इसमें किसी एक साथी द्वारा धोखा देने के कारण दूसरे साथी की जिंदगी नरक जरूर बन जाती है जिसके इसी महीने के मात्र 4 दिनों के उदाहरण निम्न में दर्ज हैं : 21 सितंबर को ही खूंटी (झारखंड) में एक 15 वर्षीय किशोरी अपने प्रेमी प्रेमचंद साहू के क्रोध की बलि चढ़ गयी। ये दोनों 4 महीने से लिव इन रिलेशन में थे। रोज-रोज की पिटाई से तंग आकर वह अपने प्रेमी का घर छोड़ कर अपने गांव वापस आ गयी थी, परंतु प्रेमचंद साहू ने वहां भी उसका पीछा नहीं छोड़ा और उसे अपने साथ चलने के लिए मजबूर करने लगा, लेकिन जब वह न मानी तो उसने चाकू से कई वार करके उसे मार डाला। 22 सितंबर को पालघर (महाराष्ट्र) में सुरेंद्र सिंह नामक एक युवक के साथ लिव इन रिलेशन में रहने वाली रेखा दुर्गा दास वैष्णव नामक एक युवती के हरीश सुखाड़िया नामक एक अन्य युवक के साथ प्रेम प्रसंग का पता चलने पर सुरेंद्र सिंह को इतना गुस्सा आया कि उसने ईर्ष्यावश हरीश की आंखों में मिर्च का पाउडर डाल कर चाकू से वार करके उसकी हत्या कर दी। 23 सितंबर को बेंगलुरू (कर्नाटक) में लोहिताश्व नामक एक व्यक्ति ने अपनी लिव इन पार्टनर रेखा के शरीर पर चाकू से एक दर्जन से अधिक वार करके उसकी हत्या कर दी। उसे शक था कि उसके साथ रहने के बावजूद रेखा किसी दूसरे युवक के प्रेम में फंसी हुई है। 24 सितंबर को आगरा (उत्तर प्रदेश) में सन्नी नामक विवाहित युवक के साथ लिव इन में रह रही युवती गीता देवी उर्फ टोनी ने सन्नी की मारपीट से तंग आकर आत्महत्या कर ली। 24 सितंबर को ही बरेली (उत्तर प्रदेश) हाइवे पर एक नर्स की लाश मिली जो शिवपाल नामक एक डाक्टर के साथ एक वर्ष से लिव इन रिलेशन में रह रही थी। उससे मन भर जाने पर डाक्टर श्रीपाल ने पहले तो उसके शरीर पर तेज धार वाले हथियार से 16 घाव किये और फिर इंजेक्शन लगाकर बेहोश करने के बाद उसे कार में डालकर हाइवे पर फैंक दिया। और अब 26 सितंबर को मेरठ (उत्तर प्रदेश) में लिव इन में रह रही फिरदौस नामक महिला पर उसके लिव इन पार्टनर ने चाकू से हमला करके घायल कर दिया, जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उक्त उदाहरणों से स्पष्ट्द है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टिद से भारतीय संस्कृति और परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है, जिसको सामाजिक समर्थन नहीं और जिसका परिणाम अधिकांशतः दुखद ही निकलता है। अतः इससे बचने में ही भलाई है। सरकार को इस संबंध में कोई कानून अवश्य बनाना चाहिए, ताकि इस बुराई से मुक्ति मिल सके।

यह एक ऐसी बुराई है, जिसको सामाजिक समर्थन नहीं और जिसका परिणाम अधिकांशतः दुखद ही निकलता है। अतः इससे बचने में ही भलाई है। सरकार को इस संबंध में कोई कानून अवश्य बनाना चाहिए ताकि इस बुराई से मुक्ति मिल सके।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत की हाल की प्रगति का अधिकांश आधार उन व्यवस्थाओं और प्रणालियों पर टिका है, जिन्हें हमारे नागरिकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। डिजिटल पहचान, सार्वभौमिक बैंक खाते और रीयल-टाइम भुगतान की त्रिमूर्ति ने समावेशन को बुनियादी ढांचे में बदल दिया है। लाभ सीधे सत्यापित नागरिकों तक पहुंचते हैं; उचित व्यवस्था के कारण गड़बड़ियां कम होती हैं; छोटे व्यवसायों को अनुमानित नकदी प्रवाह मिलता है; और नीतियां धारणाओं की बजाय आंकड़ों पर आधारित होती हैं।

मोदी बेमिसाल नेता : कार्यकुशल कर्मयोगी

हरदीप एस. पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई उपस्थिति और संगठनात्मक नेतृत्व की भरपूर प्रशंसा की गयी है, लेकिन जिस बात को कम ही लोग जानते और समझते हैं, वह यह है कि उनकी कठोर पेशेवर प्रतिबद्धता ही उनके काम की विशेषता है। गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले ढाई दशकों में उनकी कार्यशैली में निरंतर पेशेवर नैतिकता विकसित हुई है। जो बात उन्हें औरों से अलग बनाती है, वह प्रदर्शन की प्रतिभा नहीं, बल्कि ऐसा अनुशासन है, जो विजन को टिकाऊ प्रणालियों में तब्दील करता है। भारतीय मुहावरे में कहा जाये, तो वह कर्मयोगी हैं: कर्तव्य पर आधारित ऐसा कर्म, जिसका आकलन जमीनी स्तर पर आये बदलाव से होता है।

यही नैतिकता इस वर्ष लाल किले से उनके स्वतंत्रता दिवस के संबोधन का आधार रही। उनके इस भाषण में उपलब्धियों का लेखा-जोखा कम और मिल-जुलकर कार्य करने का चार्टर ज्यादा प्रस्तुत किया गयाः नागरिकों, वैज्ञानिकों, स्टार्ट-अप्स और राज्यों को विकसित भारत के सह-लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया। गहन प्रौद्योगिकी, स्वच्छ विकास और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वाकांक्षाओं को कोरे शब्दों में नहीं, बल्कि व्यावहारिक कार्यक्रमों के रूप में प्रस्तुत किया गया। इन कार्यक्रमों को जनभागीदारी, यानी बुनियादी ढांचे का निर्माण करने वाले राज्य और उद्यमी लोगों के बीच की साझेदारी को एक पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

ऊर्जा के क्षेत्र में, विविध आपूर्तिकर्ता समूह और संयमित ठोस खरीदारी ने उतार-चढ़ाव भरे समय में हमारे हितों को सुरक्षित रखा है।

हाल ही में किया गया जीएसटी ढांचे का सरलीकरण इसी पद्धति को दर्शाता है। स्लैब को कम करके और अवरोधों को दूर करके, परिषद ने छोटी फर्मों के लिए अनुपालन लागत कम की है और इसका लाभ सीधे घर-घर तक पहुंचाने की गति बढ़ाई है। प्रधानमंत्री का ध्यान संक्षिप्त राजस्व वक्रों पर नहीं, बल्कि इस बात पर था कि क्या आम नागरिक या छोटा व्यापारी इस बदलाव को जल्दी महसूस कर पायेगा या नहीं। यह स्वाभाविक प्रवृत्ति उस सहकारी संघवाद को प्रतिध्वनित करती है, जिसने जीएसटी परिषद का मार्गदर्शन किया हैः राज्य और केंद्र गहन विचार-विमर्श करते हैं, लेकिन सभी एक ऐसी प्रणाली के भीतर काम करते हैं, जो स्थिर रहने के बजाय परिस्थितियों के अनुकूल ढल जाती है। नीति को एक जीवंत साधन माना जाता है, जो कागज पर समरूपता के लिए संरक्षित एक स्मारक के रूप में न रहकर अर्थव्यवस्था की लय के अनुरूप ढाली गयी है। यही वह व्यावसायिक दृष्टिकोण है, जो अमेरिका से वापसी की 15 घंटे की लंबी उड़ान के बाद देर रात बिना किसी सूचना के निर्माणाधीन नये संसद भवन के गेट पर पहुंचने की बात को समझाता है।

हाल ही में मैंने प्रधानमंत्री से पंद्रह मिनट का समय मांगा था। इस दौरान हुई चर्चा के दौरान मैं उनकी व्यापक समझ और बहुआयामी दृष्टिकोण – एक ही फ्रेम में समाहित बारीक से बारीक विवरण और व्यापक संपर्क देख कर आश्चर्य चकित रह गया। यह बैठक पैंतालीस मिनट चली।

सहकर्मियों ने बाद में मुझे बताया कि उन्होंने इसकी तैयारी में दो घंटे से ज्यादा समय लगाया, नोट्स, आंकड़े और प्रतिवादों का अध्ययन किया। तैयारी का यह स्तर कोई अपवाद नहीं है; यह कार्य का वह मानदंड है, जिसे उन्होंने स्वयं के लिए निर्धारित किया है और जिसकी वह व्यवस्था से भी अपेक्षा रखते हैं। निरंतर तैयारी की यही आदत सुनिश्चित करती है कि निर्णय ठोस और भविष्य के लिए उपयुक्त हों।

भारत की हाल की प्रगति का अधिकांश आधार उन व्यवस्थाओं और प्रणालियों पर टिका है, जिन्हें हमारे नागरिकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। डिजिटल पहचान, सार्वभौमिक बैंक खाते और रीयल-टाइम भुगतान की त्रिमूर्ति ने समावेशन को बुनियादी ढांचे में बदल दिया है। लाभ सीधे सत्यापित नागरिकों तक पहुंचते हैं; उचित व्यवस्था के कारण गड़बड़ियां कम होती हैं; छोटे व्यवसायों को अनुमानित नकदी प्रवाह मिलता है; और नीतियां धारणाओं की बजाय आंकड़ों पर आधारित होती हैं। इस प्रकार अंत्योदय - अंतिम नागरिक का उत्थान - यह एक नारा भर नहीं, बल्कि मानक बन जाता है - और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचने वाली प्रत्येक योजना, कार्यक्रम और फाइल की असली कसौटी बन जाता है।

असम के नुमालीगढ़ में भारत के पहले बांस- आधारित 2जी इथेनॉल संयंत्र के शुभारंभ के दौरान मुझे एक बार फिर इसका साक्षी बनने का सौभाग्य मिला।

इंजीनियरों, किसानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ खड़े होकर प्रधानमंत्री ने सीधे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रश्न पूछे : किसानों को भुगतान उसी दिन कैसे प्राप्त होगा; क्या आनुवंशिक इंजीनियरिंग से ऐसा बांस तैयार किया जा सकता है, जो तेजी से बढ़ता है और गांठों के बीच बांस के तने की लंबाई बढ़ाता है; क्या महत्वपूर्ण एंजाइमों का स्वदेशीकरण किया जा सकता है; क्या बांस के हर घटक–तना, पत्ती, अवशेष का इथेनॉल से लेकर फुरफुरल और ग्रीन एसिटिक एसिड तक आर्थिक उपयोग किया जा रहा है? चर्चा केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं थी। यह लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट तक व्याप्त रही।

अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में भाग लेने वाले व्यक्ति के रूप में मैंने इस पद्धति को तुरंत पहचान लियाः संक्षिप्त विवरण की स्पष्टता, विवरण में सटीकता और इस बात पर जोर कि कतार में खड़ा अंतिम व्यक्ति पहला लाभार्थी होना चाहिए।

यही स्पष्टता भारत की आर्थिक नीति को भी जीवंत करती है। ऊर्जा के क्षेत्र में, विविध आपूर्तिकर्ता समूह और संयमित ठोस खरीदारी ने उतार-चढ़ाव भरे समय में हमारे हितों को सुरक्षित रखा है। विदेश में एक से ज्यादा मौकों पर, मेरे पास बेहद सरल निर्देश थाः आपूर्ति सुनिश्चित करना, सामर्थ्य बनाये रखना और भारतीय उपभोक्ताओं को केंद्र में रखना। उस स्पष्टता का सम्मान किया गया और परिणामस्वरूप बातचीत और भी सुचारू रूप से आगे बढ़ी। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में भी किसी तरह के दिखावा से परहेज किया गया है। दृढ़ संकल्प और संयम के साथ संचालित अभियानों–लक्ष्य स्पष्ट, सैन्य बलों को संचालन की स्वतंत्रता, निर्दोषों की सुरक्षा– में शोरगुल के बजाय भरोसे को तरजीह दी गयी। नैतिक सिद्धांत एक ही है : कड़ी मेहनत करो, परिणाम स्वयं सामने आयेंगे। इन विकल्पों के पीछे एक विशिष्ट कार्यशैली छिपी है। चर्चाएं सभ्य, लेकिन कठोर होती हैं; परस्पर विरोधी विचारों का स्वागत है, लेकिन भ्रम की कोई जगह नहीं है। सभी की बात सुनने के बाद, वह एक मोटे दस्तावेज को जरूरी विकल्पों तक सीमित कर देते हैं, ज़िम्मेदारी सौंपते हैं और सफलता तय करने के मापदंड बताते हैं। सबसे जोरदार तर्क नहीं, बल्कि सबसे अच्छे तर्क की जीत होती है; तैयारी का सम्मान किया जाता है; निरंतर फॉलोअप किया जाता है। सहकर्मियों के लिए, यह तैयारी एक सीख होती है; व्यवस्था के लिए, यह एक ऐसी संस्कृति है, जहां परिणाम की गुणवत्ता का अनुमान नहीं लगाया जाता, बल्कि उसका आकलन किया जाता है।

यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन दिव्य शिल्पी- विश्वकर्मा की जयंती वाले दिन ही पड़ता है। यह समानता शाब्दिक नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद हैः सार्वजनिक जीवन में, सबसे स्थायी स्मारक संस्थाएं, मंच और मानक होते हैं।

नागरिक के लिए कार्य निष्पादन एक ऐसा लाभ है, जो समय पर मिलता है और एक ऐसी कीमत, जो उचित रहती है; उद्यम के लिए, यह नीतिगत स्पष्टता और विस्तार का एक विश्वसनीय मार्ग है; राज्य के लिए, यह ऐसी व्यवस्थाएं हैं, जो दबाव में भी टिकी रहती हैं और उपयोग के साथ बेहतर होती जाती हैं।

नरेंद्र मोदी को इसी मापदंड से देखा जाना चाहिए; एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में जिनका कार्य निष्पादन दिखावा नहीं, बल्कि एक ऐसी सेवा है, जो भारतीय इतिहास के अगले अध्याय को आकार दे रही है।

(लेखक : केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

कोल्हान की खबरें

दुर्गा पूजा पंडालों के उद्घाटन में दिखा सोमेश चंद्र सोरेन का जनसंपर्क

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। पूर्व मंत्री सह घाटशिला विधायक स्वर्गीय रामदास सोरेन के निधन के बाद भी उनके जनसेवा के संकल्प को उनके पुत्र सोमेश चंद्र सोरेन आगे बढ़ा रहे हैं। अपने पिता की विरासत को आगे ले जाते हुए सोमेश ने लगातार घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय रह कर जनता से सीधे जुड़ाव बनाए रखे हुए हैं। रविवार को श्री सोरेन ने गुड़ाबांदा प्रखंड के ज्वालकाटा और गुड़ाबांदा गांव में सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडालों का दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित रहे। पंडालों की भव्य सजावट और धार्मिक वातावरण ने उपस्थित लोगों को आकर्षित किया और पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल देखा गया।

भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि : इसी दिन श्री सोरेन ने घाटशिला प्रखंड के मोहभंडार चौक स्थित वीर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा भगत सिंह देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। उनका बलिदान और विचार आज भी हमें देशहित में काम करने की प्रेरणा देती हैं।

कलाझोर में सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन : इसके बाद सोमेश चंद्र सोरेन ने हेदलजूड़ी पंचायत अंतर्गत कलाझोर में आयोजित सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल का फीता काट कर उद्घाटन किया। इसके उपरांत उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं और विचारों को सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया वे अपने पिता के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों का उत्साह और सहयोग देखने लायक था। जगह-जगह सोमेश चंद्र सोरेन का स्वागत किया गया।

शहीद भगत सिंह की जयंती शहादत दिवस के रूप में मनी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। साकची पलंग मार्केट स्थित कांग्रेस कार्यालय में पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस सहकारिता विभाग के द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती शहादत दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया।जिला अध्यक्ष चिन्ना राव के नेतृत्व में कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी व युवा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। इस दौरान देशभक्ति की नारों के साथ उनके बलिदान को याद किया गया। इस मौके पर चिन्ना राव ने कहा शहीद भगत सिंह का बलिदान देश कभी भुला नही सकती। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। मौके पर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश साहू, जिला महामंत्री अविनाश यादव, असंगठित कामगार के महानगर अध्यक्ष मनीष चंद्रवंशी, बंटी पांडे, परवेज आलम, राजू कुमार, जयप्रकाश सिंह समेत कई अन्य कांग्रेस और युवा कांग्रेस के नेता उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने शहीद भगत सिंह के विचारों और योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को आत्मसात करने एवं समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों और राष्ट्रगान के साथ किया गया।

हृदय रोग अब युवाओं को बना रहा शिकार : डॉ तपन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। हृदय रोग विश्व स्तर पर मृत्यु का एक प्रमुख कारण बन चुके हैं। टीएमएच जमशेदपुर के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ तपन कुमार ने चिंता जताते हुए कहा अब यह केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं रह गई 30 और 40 वर्ष की आयु के युवाओं में भी हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर और अरीथमिया के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया हर वर्ष दुनिया भर में लगभग 1 करोड़ लोग हृदय संबंधी बीमारियों से जान गंवाते हैं। उन्होंने कहा हाइपरटेंशन, डायबिटीज, धूम्रपान और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली हृदय रोग की प्रमुख वजहें हैं। अनुमान है हर चौथा भारतीय वयस्क हाई ब्लड प्रेशर से ग्रसित है। लंबे समय तक बैठे रहना, अत्यधिक तनाव, ट्रांस फैट और परिष्कृत काबोर्हाइड्रेट से भरपूर भोजन भी जोखिम को बढ़ाते हैं। डॉ कुमार के अनुसार रोकथाम के लिए तंबाकू पर कर, ट्रांस फैट पर रोक और नमक-चीनी की खपत में कटौती जैसे कदम प्रभावी साबित हुए हैं। उन्होंने कहा व्यक्तिगत स्तर पर संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन और पर्याप्त नींद से हृदय रोग के जोखिम को काफी हद तक घटाया जा सकता है। डॉ कुमार ने कहा डिजिटल हेल्थ टूल्स, वियरेबल डिवाइसेज और एआइ आधारित इसीजी जैसी तकनीकों से रोग की प्रारंभिक पहचान संभव है। उन्होंने कहा हृदय रोगों को समय रहते पहचान कर और जीवनशैली में बदलाव कर इनके प्रभाव को काफी हद तक रोका जा सकता है। आवश्यकता है जागरूकता, समय पर जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की।

रेबीज जागरूकता अभियान में टाटा स्टील यूआइएसएल की अग्रणी भूमिका

23 हजार से अधिक बच्चों तक हुई पहुंच 2030 तक मानव मृत्यु शून्य करने का लक्ष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूआईएसएल ने रेबीज जैसी घातक योग्य बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने एवं रोकथाम के उद्देश्य से इस वर्ष भी एक प्रभावशाली जन-सहभागिता अभियान चलाया। कंपनी प्रबंधन ने विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर अभियान में सामुदायिक प्रतिबद्धता को और भी सशक्त रूप में प्रस्तुत किया। मौके पर प्रबंधन ने 131 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया।जिन्होंने जमशेदपुर के विभिन्न हिस्सों में जाकर 80 से अधिक स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता सत्र आयोजित किया। इन सत्रों से कुल 23,000 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए है। कंपनी प्रबंधन ने विशेष रूप से बच्चों को लक्ष्य समूह के रूप में चुना।कारण देखा गया उनकी स्वाभाविक जिज्ञासा और जानवरों से लगाव उन्हें रेबीज के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से बच्चों को सिखाया गया रेबीज कैसे फैलता है, इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं और काटने या खरोंच लगने पर क्या प्राथमिक उपचार किया जाना चाहिए।टाटा स्टील यूआइएसएल की टीम ने सिर्फ शहरी क्षेत्र तक ही सीमित नही बल्कि सरायकेला और आसपास के गांवों में भी व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया। ग्रामीण समुदायों के साथ संवाद कर उन्हें रेबीज से बचाव और समय पर उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विशेषकर विकासशील देशों में रेबीज मानव मौतों का एक बड़ा कारण है। कुत्तों के काटने से होने वाले मामलों में यह आंकड़ा 99% तक पहुंचता है। लक्षणों की शुरूआत के बाद इसका कोई उपचार नहीं है। इसके लिए समय पर टीकाकरण और रोकथाम ही एकमात्र उपाय है। टाटा स्टील यूआइएसएल न केवल स्वास्थ्य जागरूकता बल्कि जिम्मेदार पालतू स्वामित्व और पशु टीकाकरण जैसे संदेशों के जरिये भी समुदाय को रेबीज के खिलाफ सशक्त बनाने का कार्य कर रही है।गौरतलब है यह प्रयास 2030 तक रेबीज से मानव मृत्यु को शून्य करने के अनुरूप है।

दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी में अवैध पेड़ कटाई से ग्रामीणों में रोष, कारवाई की मांग

चांडिल (आजाद सिपाही)। दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी में वन विभाग द्वारा विकास योजनाओं के नाम पर की जा रही अवैध पेड़ कटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है विभाग ने लगभग एक एकड़ भूमि पर वर्षों पुराने कीमती पेड़ों को बिना ग्रामसभा की अनुमति के काट डाला है। ग्रामीणों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए वन विभाग पर धोखा देने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने मांग की इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र जांच करायी जाये और कटे हुए पेड़ों की गिनती और उनका विवरण सार्वजनिक किया जाये। ग्रामीणों ने इस तरह की मामले में सरकार से पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि उनकी मांगें नहीं मानी गयीं तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। विरोध प्रदर्शन में गुरुचरण कर्मकार, शक्तिपद हांसदा, मंगल मार्डी समेत दर्जनों ग्रामीण शामि रहे।

आरके पब्लिक स्कूल में सीबीएसइ शिक्षक कार्यशाला का आयोजन, शामिल हुए पलामू सांसद

शिक्षक किसी भी समाज की रीढ़ होते हैं : वीडी राम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आरके पब्लिक स्कूल में सीबीएसइ पटना की ओर से क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) के तहत 'एक्टिव लर्निंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें आरकेपीएस गढ़वा, आरकेपीएस अधौरा श्रीवंशीधर नगर और आरकेपीएस हूर के कुल 60 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पलामू सांसद विष्णु दयाल (वीडी) राम और विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद् अलखनाथ पाण्डेय ने

एक्टिव लर्निंग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में शामिल सांसद वीडी राम एवं अन्य।

दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर प्राचार्य संतोष पाण्डेय ने दोनों रिसोर्स पर्सन आरकेपीएस उंचरी के प्राचार्य केआर झा एवं ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल मेदिनीनगर की तनुश्री का पुष्पगुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि शिक्षक किसी भी समाज की रीढ़ होते हैं। एक्टिव लर्निंग जैसी आधुनिक शिक्षण पद्धति बच्चों को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें जीवन कौशल, नैतिक मूल्यों और समाजोपयोगी दृष्टिकोण से भी जोड़ती है। कहा कि शिक्षा तभी सार्थक होगी जब उसमें माता-पिता, शिक्षक और विद्यार्थी तीनों का सक्रिय सहयोग शामिल हो। सांसद ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। वहीं, विद्यालय के निदेशक अलखनाथ पाण्डेय ने कहा कि बच्चों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि विभिन्न गतिविधियों, प्रोजेक्ट्स और व्यवहारिक शिक्षा से भी जोड़ा जाना चाहिए, ताकि वे जीवन में आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि लगातार विकसित हो रहे शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने कार्य में मनोयोग, निष्ठा और ईमानदारी को सर्वोपरि रखें। इस दौरान कार्यशाला को और प्रभावी बनाने के लिए प्रोजेक्टर, स्लाइड्स और विषय-आधारित गतिविधियों का प्रयोग किया गया।

जीएन कान्वेंट स्कूल में दुर्गा पूजा पर डांडिया एवं गरबा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। स्थानीय जीएन कॉन्वेंट 10 प्लस 2 स्कूल में नवरात्रि के पावन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गरबा एवं डांडिया लोक नृत्य पर भव्य एवं मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति की। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक एवं शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी और उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर निदेशक ने कहा कि गरबा एक भक्तिपूर्ण निवेदन है और मां दुर्गा के आगमन की खुशी है। यह भजनों की मधुर धुनों के साथ किया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि गरबा मां अंबे की आरती से पहले की जाती है। इसमें

भक्त माता देवी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए एक साथ आते हैं। गरबा नृत्य जीवन की गोलाकार गति और जीवन चक्र का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें देवी दुर्गा अजेय रहती हैं। इस लोकनृत्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक कृष्ण कुमार, वीरेंद्र शाह, नीलम कुमारी, सरिता दुबे, विकास कुमार, मुकेश भारती, दिनेश कुमार, सुनीता कुमारी, शिवानी कुमारी, रागिनी कुमारी, चंदा कुमारी, वर्षा कुमारी, अभय कुमार, ऋषभ श्रीवास्तव, संतोष प्रसाद आदि की भूमिका सराहनीय रही।

षष्ठी को बेलो पाती पूजा का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। शक्ति की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र की धूम चारो ओर दिखाई-सुनाई दे रही है। नौ दिनों की इस भक्तिमय यात्रा में रविवार को छठा दिन रहा। पूरा गढ़वा जिला श्रद्धा, आस्था और उत्सव के इस अद्भुत संगम से सराबोर है। नवरात्र के षष्ठी पर बेलो पाती पूजा श्रद्धा और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ की गयी। श्रद्धालु गाजे-बाजे और जयकारों के साथ बेल के पवित्र वृक्ष के पास पहुंचे, जहां मां दुर्गा को आमंत्रित करने के लिए बेलो पाती (निमंत्रण पत्र) चढ़ाया गया। पूजा प्रमुख रूप से गढ़देवी मंदिर पूजा समिति और जय भवानी संघ पूजा समिति के साथ ही सभी पूजा समितियों द्वारा किया गया। समितियों ने परंपरा अनुसार मां को आमंत्रित कर प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया शुरू की। सोमवार को सप्तमी को मां दुर्गा की प्रतिमाएं पंडालों में विराजमान होंगी और श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए पट खोल दिए जाएंगे। गढ़वा नगर सहित आस-पास के क्षेत्रों में पूजा समितियों द्वारा भव्य पंडालों का निर्माण किया गया है, जहां आकर्षक विद्युत सज्जा, सांस्कृतिक मंच और भक्तों की भीड़ देखने लायक है। उधर, अष्टमी को महाअष्टमी पूजन, कन्या पूजन और नवमी को हवन के बाद समापन की तैयारियां की जाएगी।

सजे पंडाल, मां दुर्गा दरबार के पट आज खुलेंगे

- मेराल में गाजे-बाजे के साथ हुआ बेलवा निमंत्रण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। मां दुर्गा की पूजा का खुमार लोगों के सिर चढ़ कर बोलने लगा है। क्षेत्र के लगभग सभी पूजा पंडाल सजधज कर तैयार हैं। सोमवार को महासप्तमी पर मां दुर्गा का पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। मूर्तिकार मूर्ति को अंतिम रूप देने में लगे हैं। अधिकांश जगहों पर पंडाल और प्रतिमा का फाइनल आकार देने में कलाकार लगे हैं। इसी बीच मां दुर्गा दरबार को पंडाल में लाने के लिए रविवार को विधि विधान के साथ बेलवा निमंत्रण और पूजा अर्चना की गई। इसके तहत विभिन्न पूजा समितियों द्वारा गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान दुर्गा माता की जय और 'जय माता दी' के जयकारे से क्षेत्र गूंजते रहे। पूजा करा रहे आचार्य पंडितों द्वारा विधि-विधान से

बेल वृक्ष का पूजन कराया गया। हॉस्पिटल चौक, बस स्टैंड जय भवानी संघ, बाजार टोला, छवआना टोला, पुरवारा टोला, हासनदाग, गोंदा सहित सभी पंचायत में आयोजित पूजा के लिए वेलवा निमंत्रण शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें मुख्य यजमान के साथ समिति के सदस्यों, स्थानीय ग्रामीणों और महिलाओं ने हिस्सा लिया।

जमीन विवाद को लेकर मारपीट, तीन महिलाएं घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। खरौंधी थाना क्षेत्र के कुपा मेलवान गांव में रविवार की सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे से मारपीट हो गई। इसमें एक ही परिवार की तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक प्रिंस कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर रूप से घायल श्रद्धा देवी को बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर किया गया, जबकि सुषमा देवी और ललिता देवी का उपचार सीएचसी में जारी है। पीड़ित नन्हकू राम ने बताया कि विवादित जमीन पर उसके गोतिया जदू राम और मुद्रिका राम द्वारा मकान का निर्माण कराया जा रहा था, जिस पर पूर्व से धारा 144 लागू है।

रेड क्रॉस सोसाइटी एवं एसबीआइ लाइफ के शिविर में 15 लोगों ने किया रक्तदान

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की गढ़वा इकाई एवं एसबीआई लाइफ गढ़वा शाखा के सहयोग से 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 15 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी गढ़वा के चेयरमैन डॉ मुरली प्रसाद गुप्ता, सचिव डॉ जेपी सिंह, एसबीआई लाइफ के ब्रांच मैनेजर शालिग्राम सिंह, वाइस चेयरमैन विनोद कमलापुरी, रेड क्रॉस के लाइफ मेंबर उमेश अग्रवाल (जिन्होंने मंच संचालन भी किया), डॉ असजद, ब्लड बैंक पदाधिकारी प्रदीप कुमार और रेड क्रॉस डिस्ट्रिक्ट एडमिन अमन गुप्ता उपस्थित थे। वक्ताओं ने रक्तदाताओं को 'जीवन रक्षक' बताते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि यह सीधे किसी की जिंदगी बचाने में सहायक होता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार की शक्ति पर जोर दिया तथा अभियान को समाजहित में महत्वपूर्ण बताया। एसबीआई लाइफ गढ़वा शाखा की ओर से ब्रांच हेड शालिग्राम सिंह, आदित्य प्रकाश, सुधाकर उपाध्याय, आशीष मित्रा और दिनेश राम ने सक्रिय सहयोग दिया। वहीं, रक्तदान करने वालों में आदित्य प्रकाश, आशीष मित्रा, अविनाश कुमार, निधि कुमारी, धर्मेंद्र कुमार, सुशील शर्मा, डॉ आफताब आलम, शालिग्राम सिंह, फैजान अख्तर, दिनेश राम आदि शामिल थे।

विभिन्न राजनीतिक पार्टियों को छोड़ दर्जनों कार्यकर्ता झामुमो में हुए शामिल

भंडरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड झामुमो की ओर से शनिवार को पीडब्ल्यूडी डाकबंगला परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें भाजपा, आजसू और कांग्रेस छोड़कर आये दर्जनों कार्यकर्ताओं को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष हरिदास तिर्की, उपाध्यक्ष रविशंकर कश्यप ने पार्टी का पट्टा पहना कर झामुमो की सदस्यता ग्रहण कराया। झामुमों में शामिल होने वालों में आजसू प्रखंड अध्यक्ष विनीत तिग्गा, भाजपा से सपनप्रतीक सिंह एवं कन्हाई सिंह, कांग्रेस से ताहिर अंसारी, संजीव केरकेट्टा, प्रेमचंद बैक, दुर्गेश लकडा, समसाद अंसारी, शिमोन मिंज आदि का नाम शामिल है। इस अवसर पर रविशंकर कश्यप ने पार्टी की मजबूती पर बल दिया। मौके पर मीडिया प्रभारी अशोक प्रसाद, अनुमंडल उपाध्यक्ष चंद्रशेखर, सिंह मोबिन अंसारी, मंजरुल इस्लाम, सचिव लौरेंस कुजूर, अर्जुन राम आदि उपस्थित थे।

शिक्षक का स्थान कोई नहीं ले सकता, उनका सम्मान सर्वोपरि : एसडीएम

डीपीएससीसी ने 10 शिक्षक एवं पांच निदेशकों को किया सम्मानित

राज्य में इस प्रकार का कार्य केवल गढ़वा में : अलखनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति की ओर से रविवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन आरकेवीएसबीएड कॉलेज सभागार में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम संजय कुमार पांडेय थे। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि और समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। समिति के संयुक्त सचिव संजय सोनी ने आज के कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। वहीं, समिति के सचिव एमपी केशरी ने शिक्षा के क्षेत्र में निजी विद्यालयों का योगदान पर चर्चा की। इस अवसर पर एसडीएम संजय पांडेय ने कहा कि शिक्षक का कोई स्थान नहीं ले सकता है। उनका सम्मान समाज में सर्वोपरि है। आज जो भी विकास की किरण दिखाई दे रही

है वहां शिक्षकों का योगदान जरूर है। वहीं, समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम राज्य में केवल गढ़वा में देखने को मिलता है। जहां पर जिले भर के सभी निजी विद्यालय एक मंच पर आकर इस प्रकार के कार्यक्रम में भाग लेते हैं। निजी विद्यालयों के लिए सरकार की ओर से किसी भी प्रकार के कार्यक्रम नहीं किए जाते हैं। इसलिए समिति द्वारा शिक्षकों के लिए सम्मान समारोह एवं ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित किया जाता है। इस दौरान मुख्य अतिथि, समिति के अध्यक्ष और सचिव द्वारा शिक्षकों और निदेशकों को सम्मानित किया गया। इसमें शांति निवास उच्च विद्यालय गढ़वा से राम विनय तिवारी, गांधी मेमोरियल स्कूल रमकंडा से सोनम कुमारी, सरस्वती इंग्लिश पब्लिक स्कूल दलको मझिआंव से राकेश विश्वकर्मा, अक्षर द पब्लिक स्कूल मझिआंव से रंजन कुमार शाह, मॉडर्न पब्लिक स्कूल नगर उंटारी से नीलू कुमार चौबे, एडीएम पब्लिक स्कूल टंडवा गढ़वा से सीमा कुमारी, बाल शिक्षा निकेतन बिशुनपुरा से लक्ष्मी कुमार, आइडियल पब्लिक स्कूल चंदना मझिआंव से शेख हसनैन रजा, ब्राइट फ्यूचर स्कूल से सत्येंद्र कुमार पाण्डेय, आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा से अनूप कुमार पांडेय का नाम शामिल है। वहीं शांति निवास के प्राचार्य सिस्टर रोशना, रामाश्रम विद्या निकेतन नगर ऊंटारी के रामानुज सिंह, सीपी मेमोरियल स्कूल गढ़वा के निदेशक अमरेंद्र कुमार पाठक, एवं गांधी मेमोरियल उच्च विद्यालय चिनिया के निदेशक यासीन मल्लिक को मंच से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ पंकज प्रभात, गजेंद्र साहू और प्रमोद झा को भी समिति को विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। अंत में लकी टीचर ड्रा का आयोजन हुआ। समिति के वरिष्ठ सदस्य अमित सिंह के धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर चंद्रभूषण सिन्हा, मीरा यादव, भोलानाथ साहू, ललन साहू, चंदेश्वर ठाकुर, सत्येंद्र कुमार, अशोक मेहता, पवन तिवारी, ब्रजेश कुमार मिश्रा, आनंद कुमार पंकज, प्रदीप दुबे, प्रहलाद मेहता आदि मौजूद थे।

दुगार्पूजा की षष्ठी को हुई मां कात्यायनी की पूजा

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में दुगार्पूजा की षष्ठी पर रविवार को मां कात्यायनी की पूजा धूमधाम से की गयी। अभी प्रखंड के पूजा पांडालों का पट नहीं खुला है। सोमवार को सप्तमी पर पंडाल का पट खोले जाएंगे। अभी कारीगर पूजा पंडाल को अंतिम रूप देने में लगे हैं। देर रात तक पूजा

पंडाल सज धज कर तैयार हो जाएगा, जिसे सोमवार को माता रानी के दर्शन के लिए खोल दिये जाएंगे।अभी से ही बाजार में लोगों की काफी भीड़ देखी जा रही है। उधर, सुरक्षा को लेकर सभी पूजा पंडालों में पुलिस बल मौजूद कर दिये गये हैं। पुलिस की गस्ती दल लगातार प्रखंड के सभी पूजा पंडालों का दौरा कर रही है। दुगार्पूजा कमेटी अधौरा सहित प्रखंड के सभी पूजा पंडालों में संध्या वेला में बेल पूजा संपन्न हुए। पुजारी नीतीश पाठक ने बेल पूजा विधि विधान से संपन्न कराया, जबकि यजमान के रूप में आशीष कुमार एवं पत्नी चंद्रावती देवी थीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं देवी गीत गाती चल रही थीं।

मिलाप मेडिकल सेंटर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम के तहत रविवार को गढ़वा में चिनिया रोड स्थित मिलाप मेडिकल सेंटर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने

लाभ उठाया। इसकी जानकारी मिलाप मेडिकल सेंटर के निदेशक डॉ असजद अंसारी ने दी। उन्होंने बताया कि यह शिविर केंद्र सरकार के निर्देश पर 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चल रहे राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। इस दिन शिविर में खास तौर पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ महजबीं ने महिलाओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया। वहीं, डॉ यमानी ने कहा कि महिलाओं का स्वस्थ परिवार समाज की नींव है। नियमित जांच और समय पर इलाज से अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। मिलाप मेडिकल सेंटर के निदेशक डॉ असजद अंसारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि गढ़वा की हर महिला स्वस्थ रहे और किसी भी बीमारी का इलाज समय रहते मिल सके। आने वाले समय में भी इस तरह के शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ शमशेर सिंह भी मौजूद रहे।

आरएसएस ने पथ संचलन एवं विजयदशमी पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर श्री बंशीधर नगर खंड की ओर से पथ संचलन लाला बागी हनुमान मंदिर से मुख्य पथ होते हुए बस स्टैंड भवनाथपुर मोड से वापस प्लस टू उच्च विद्यालय तक स्वयंसेवकों द्वारा पूर्ण गणवेश में किया गया। रास्ते में स्थानीय नागरिक महिलाएं, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी, अनुकूल चंद्र, गायत्री परिवार ने स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। प्लस टू उच्च विद्यालय में विजयादशमी एवं शस्त्र पूजन हुआ। इस अवसर पर गढ़वा जिला सह कार्यवाह लव जी ने कहा कि आरएसएस अपने शताब्दी वर्ष के दौरान पंच परिवर्तन के तहत 5 प्रमुख मुद्दों पर जनजागरण अभियान चलाएगा। इनमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्व-निर्भर व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन, और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं. इस दौरान संघ देशभर में गृह संपर्क अभियान, हिंदू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी और सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन शामिल है। कहा कि संघ का कार्य इसी दिन से शुरू होकर 100 वर्षों तक विस्तारित हुआ है। इस अवसर पर गढ़वा जिला संचालक काशी महतो, पूर्व संचालक विद्यासागर, अनुकुलचंद्र के विजय डॉ खंड कार्यवाह राम बच्चन मेहता, सह खंड कार्यवाह सुजीत लाल अग्रवाल, अविनाश कुमार, सुधीर प्रजापति, अमित्युश, संजीत, अश्विनी, राजकुमार, ललित प्रसाद आदि उपस्थित थे।

आरकेपीएस में नवरात्रि और दशहरा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

हमारे पर्व-त्योहार देश की सभ्यता और संस्कृति के परिचायक: अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। नवरात्रि एवं दशहरा के अवसर पर आरके पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। जूनियर एवं मिडिल शाखा के बच्चों ने रुप सज्जा, गायन, गरबा और डांडिया प्रस्तुत किया। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, माता सीता, भगवान श्रीकृष्ण, मां दुर्गा, मां सरस्वती, राक्षस महिषासुर आदि का भेष बनाकर नन्हे मुन्ने बच्चे सभी का मन मोह रहे थे। कक्षा 2 से लेकर पांच तक के बच्चों ने डांडिया, देवी माता के अलग-अलग गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा से सभी को आकर्षित किया। वहीं, कक्षा 6 से

कक्षा 8 के छात्र-छात्राओं ने दुर्गा स्तुति, भक्ति गीत, भाषण, निबंध एवं चित्रांकन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने सभी लोगों को दुर्गा पूजा एवं दशहरा की शुभकामनाएं दी। कहा कि हमारे पर्व-त्योहार देश की सभ्यता और संस्कृति के परिचायक हैं। ये पर्व हमें अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देते हैं। हमें भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। ये पर्व हमारे जीवन में खुशियां, उमंग और उत्साह लाते हैं। स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को उचित मंच मिलता है और अपनी संस्कृति के प्रति जुड़ाव होता है। इस प्रकार से सामूहिक रुप से उत्सव मनाने से हमारी भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। कहा कि उनका उद्देश्य बच्चों में हर प्रकार के अच्छे गुणों का प्रसार करना है, ताकि पढ़ाई के साथ ही वे अपनी संस्कृति से भी जुड़े रहें। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिए।

रारो बाजार में नाटक, धरती चौपाल में रासलीला का आयोजन

डंडई (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में इस वर्ष दुर्गा पूजा उल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय पूजा समितियों द्वारा प्रतिदिन सांस्कृतिक एवं धार्मिक

कार्यक्रमों का भव्य आयोजन हो रहा। कहीं नाट्य मंचन, तो कहीं रामलीला और रासलीला का मंचन दर्शकों का मन मोह रहे हैं। इधर, रारो बाजार परिसर में दुर्गा पूजा के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय नाटक मंचन का शुभारंभ शनिवार देर शाम को हुआ। जिसका शुभारंभ ज़िला परिषद सदस्य मोहन पासवान, दक्षिणी बीडीसी तेज बहादुर सिंह, पूर्व उपमुखिया शिव प्रसाद यादव, पूजा समिति के अध्यक्ष पप्पू यादव, कमलेश यादव आदि ने किया।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 29 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

पुलिस और खनन विभाग ने की 600 घन फीट अवैध बालू जब्त

कुडू - लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शनिवार 27 सितंबर को कुडू थाना पुलिस व खनन विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई की। ग्राम दोबा बरटोली में छापामारी के दौरान करीब 600 घन फीट अवैध रूप से डंप किया गया बालू जप्त किया गया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि इस मामले में आजाद अंसारी और सिकंदर अंसारी के खिलाफ कुडू थाना कांड संख्या 101/25 दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ बीएनएस-2023 की धारा 317(5)/3(5), खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957, झारखंड लघु खनिज समुनादन नियमावली 2017 की धारा 07/13 तथा एनजीटी एक्ट की धारा 26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

लोहरदगा में दुर्गा पूजा का उत्साह चरम पर

कई आकर्षक पूजा पंडाल, विद्युत सज्जा लोहरदगा की शोभा बढ़ा रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। दुर्गा पूजा का उत्साह जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में चरम पर आ गया है। चालू नवरात्र में पंडालों की शोभा आसपास के इलाकों को सुशोभित करने में लगी है। विभिन्न पूजा पंडालों में दुर्गा प्रतिमाओं को स्थापना कर बेलवर्ण पूजा उत्साह और उमंग के साथ की गयी। षष्ठी को पूजा पंडालों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन के लिए उमड़ने शुरू हो गये। षष्ठी को भी पूजा समिति के युवा पंडाल की सजावट को अंतिम रूप देने में लगे रहे थे। विभिन्न पूजा पंडालों को षष्ठी के दिन भी जोर-शोर से सजावट किया जाता रहा। शाम को बेलवर्ण पूजा के बाद पूजा पंडालों में पूजा समिति के उत्साही युवक दुर्गा प्रतिमाओं को पंडाल में सुसज्जित करने में लगे रहे। षष्ठी तक शहर के पूजा पंडाल तैयार नही थे पर पंडालों की सजावट विद्युत सज्जा लुभावना लग रहा था। पंडालों को आकर्षक और भव्य रूप देने में विभिन्न पूजा समितियों के बीच होड़ मची है। शहरी क्षेत्र में लगभग दो दर्जन से अधिक पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है। सप्तमी से शुरू श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा पंडालों में विजयदशमी तक रहेगी। पूजा के दौरान पंडाल और विद्युत सज्जा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जगह-जगह विद्युत के आकर्षक तोरणद्वार बनाये गये है। आने-जाने सड़कों की सजावट की गयी है। शहर में एक से बढ़कर एक पंडाल निर्माण किये गये है। पूजा पंडालों में देश के विभिन्न प्रसिद्ध मंदिरों को आकार देने में लगे हैं। देश के विभिन्न भागों से कलाकार पंडाल बनाने में लगे हैं। निर्माण के दौरान बीआईडी, मिशन चौक, अमला टोली, महावीर चौक, रेलवे साइडिंग, थाना टोली, हटिया गार्डन, शास्त्री चौक, मैना बगीचा आदि के पूजा पंडाल और आकर्षण का केंद्र बनेंगे। इधर दुगार्पूजा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न पूजा समितियों द्वारा अपने-अपने पूजा पंडाल को भव्य तरीके से सजाने व संवारने का होड़ मची है। शहरी व ग्रामीण इलाकों में दुर्गा पूजा की तैयारी जोरो शोरों पर है। हर ओर पंडाल बनाए जा रहे हैं। पंडाल को अच्छा रूप देने के लिए पूजा समितियां बाहर के कलाकारों से सजावट का काम करा रही है। सजावट आकर्षक लगे, इसके लिए लाइट, झालर, फूल का इस्तेमाल हो रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ख्याल रखने के लिए वोलेंटियर खास किस्म की तैयारी कर रहे हैं। देवी का भिन्न-भिन्न रूपों में महल तैयार किया जा रहा है। प्रमुख देवी मंदिरों का पंडाल कोलकाता के कारीगरों द्वारा तैयार कराया जा रहा है। मां शेरावाली को स्थापित करने के लिए उनका महल बनाने का कार्य भी जोर-शोर से शुरू हो गया है।

डीसी ने की कृषि और संबद्ध विभागों की समीक्षा

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में कृषि व सम्बद्ध विभागों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कृषि विभाग के द्वारा बीज वितरण, ब्लॉक चैन में इंट्री, रबी फसल के बीज वितरण के लिए की जा रही कार्रवाई, मृदा जांच, मिलेट मिशन के लिए किसानों का निबंधन, आवेदनों का सत्यापन कार्य, किसानों का प्रशिक्षण, डिजिटल क्रॉप का सर्वे, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केसीसी के प्राप्त आवेदन और स्वीकृति की स्थिति की समीक्षा की गयी व आवश्यक निदेश दिये गये। कृषक पाठशाला के लिए संबंधित एनजीओ को निर्धारित समय मे कार्य पूरा कर कृषक पाठशाला किसानों द्वारा संचालित कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा कृषक पाठशाला का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अवलोकन किया गया। जिला पशुपालन पदाधिकारी और जिला गव्य विकास पदाधिकारी को नये वित्तीय वर्ष के लिए जिला स्तर पर लाभुकों की सूची अनुमोदन हेतु प्रखंड स्तर से प्राप्त किये जाने का निर्देश दिया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी को शेष तालाबों का बंदोबस्ती कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई किये जाने और तालाब जीर्णोद्धार हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी को परकोलेशन टैंक, डीप बोरिंग, तालाब जीर्णोद्धार, कृषि उपकरण वितरण हेतु लाभुकों के चयन हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में उद्यान विकास की योजनाओं, कृषि विज्ञान केंद्र में किये जा रहे कृषि संबंधी कार्य आदि की भी समीक्षा की गयी व आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो, जिला पशुपालन पदाधिकारी रमेश उरांव, जिला गव्य विकास पदाधिकारी वशिष्ठ सिंह, जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रिसेती भार्गवी, उद्यान विकास पदाधिकारी सौरभ लोहानी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी मोहितोष पांडेय, कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक व अन्य उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, छह घायल

सेन्हा/लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा जंगल के समीप लोहरदगा गुमला मुख्य मार्ग पर बक्सीडीपा में इमली पेड़ के पास दो बाइक की टक्कर में छह युवक घायल हो गये। वहीं इलाज के दौरान एक लड़के की मौत हो गयी। बताया जाता है की मोटरसाइकिल संख्या जे एच 07 एन 1083 और जे एच 08 के 9285 में जोरदार टक्कर हो गयी थी। जिस में छः युवक सवार थे। जो कि टक्कर के बाद सभी युवक घायल हो गये। घायलों की पहचान भड़गांव गांव के पीर मोहमद का पुत्र मजीबूल अंसारी, इस्माइल अंसारी का पुत्र मोहसिन अंसारी, सोबराती अंसारी का पुत्र दिलशाद अंसारी और बदला नवा टोली गांव का संदीप उरांव, राकेश उरांव और सुरेश उरांव के रूप में किया गया। घायलों को स्थानीय पुलिस ग्रामीणों का सहयोग से इलाज के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान एक युवक पीर मोहम्मद अंसारी का पुत्र मजीबुल अंसारी की मौत हो गयी। वही पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के उपरांत शव को परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पंहुच थाना प्रभारी वारिश हुसैन, एसआई रवि कांत प्रसाद, मनीष कुमार महतो, एएसआई अशर्फी बहेलिया और राजकुमार बैठा द्वारा जांच कर अग्रतर करवाई में जुट गये। घायलों को अस्पताल भेवाने के पश्चात पुलिस द्वारा दोनों मोटर साइकिल को सुरक्षित थाना में रखा गया है।

गारू और सरयू में किया फ्लैग मार्च

गारू (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा को लेकर गारू बाजार और सरयू में आज पुलिस-प्रशासन ने फ्लैग मार्च किया। वही मौके पर गारू थाना प्रभारी पारस मणि, अंचलाधिकारी दिनेश मिश्रा, महुआडाड़ छफ्ळ्ळ प्रभात रंजन चौधरी, सरयू वीडियो आशा साहू और सरयू टीओपी प्रभारी राजेश मुर्मू समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। अधिकारियों ने बाजार और संवेदनशील इलाकों का जायजा लिया। लोगों से शांति-सौहार्द बनाये रखने की अपील की, साथ ही कहा की पूजा पंडालों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी होगी और किसी भी अप्रिय स्थिति से सख्ती से निपटा जायेगा।

लातेहार पुलिस अधीक्षक ने किया पंडाल का उद्घाटन

मां के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

मौके पर ये थे उपस्थित

इस अवसर चंदवा पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार, टोरी पुलिस निरीक्षक पूजा समिति डब्लू प्रजापति रोहित कुमार शाहदेव सोनू शाहदेव, सुनील मुंडा अनिल गुप्ता सूर्यनाथ सिंह हेमंत चढ़ा कुशेश्वर यादव कालेश्वर यादव अभ्यास शाहदेव गन्दरु भगत समेत सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा के जमीर पंचायत अंतर्गत महुआमिलान गांव में लातेहार पुलिस कप्तान के रूप में कुमार गौरव पहुंचे ग्रामीणों ने अपने पुलिस कप्तान को ढोल मांदर के साथ स्वागत किया इस अवसर पर लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने लातेहार पुलिस आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से एक-एक कर समस्याओं को जाना और ग्रामीणों को कहां की आपकी समस्याएं सभी हमने लिख लिया है जो भी समस्या है मैं दिशा की बैठक में और लातेहार उपाय के साथ बैठकर समस्याओं का समाधान जल्द किया जायेगा अपने गांव में आजादी के बाद पहली बार किसी पुलिस अधीक्षक को ग्रामीणों ने अपने बीच देखकर काफी उत्साहित थे। महुआमिलान रोल के पूजा पंडाल समिति के अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव कार्यकारी अध्यक्ष अनिल गुप्ता मंच संचालन आशीष कुमार सिंह और ग्राम के प्रधान के साथ सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे सभी ने अपने पुलिस कप्तान को देखकर उनका तालिया की गड़गड़ाहट से भरपूर स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक ने भी ग्रामीणों के बीच कहा कि मैं लातेहार में जब से आया हूं तब से मैं निरंतर काम कर रहा हूं आप लोग के बीच जाकर मुझे भी अपना घर याद आ गया। उसके बाद महुआमिलान, रोल पूजा पंडाल का रिबन खोलकर साथ ही साथ माता के पट को खोल कर लातेहार पुलिस अधीक्षक ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना किया।

तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का समापन

भंडरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के उदरंगी पंचायत अंतर्गत जामुन टोली खेल मैदान में रविवार को तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया। फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता शशिकांत उरांव उर्फ पिंटू व विशिष्ट अतिथि पंचायत मुखिया परमेश्वर महली, पूर्व मुखिया जयंती उरांव, तिवारी उरांव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त और टॉस कर किया। तीन दिवसीय फाइनल मुकाबला वन मैन आर्मी और एफसी माराडीह कूडू टीम के बीच खेला गया। जिसमें वन मैन आर्मी की टीम ने मराडीह कूडू को 5-1 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। मौके पर पहुंचे मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता शशिकांत उरांव उर्फ पिंटू ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जिसे बेहतर मंच देने का प्रयास शुरू से ही रहा है। युवा चाहे ले तो खेल के क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकते हैं। विशिष्ट अतिथि मुखिया परमेश्वर महली ने कहा कि किसी भी खेल प्रतियोगिता में एक समुदाय के खिलाड़ी नहीं होते। इस दौरान फुटबॉल प्रतियोगिता में अतिथियों द्वारा विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सीताराम लोहरा, जूठन साहू, मुरारी साहू, परमेश्वर उरांव, गुलाम मुस्तफा अंसारी, सजिबुल अंसारी सहित खेल प्रेमी मौजूद थे।

क्षतिग्रस्त सड़क की हो रही मरम्मत

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। मानसून की बारिश से क्षतिग्रस्त हुए पथों और दुर्गा पूजा पंडालों तक पहुंच पथों की मरम्मति हेतु उपायुक्त डॉ द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन कर लिया गया है। एनएचएआइ द्वारा कुडू बस स्टैंड, कुडू बाजार टांड़ और पेट्रोल पंप के पास कार्य पूर्ण कर लिया गया है। राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, रांची द्वारा शंख पुल के ऊपर और आसपास और बरवाटोली चौक के पास गड्ढों को भर दिया गया है। पथ प्रमंडल लोहरदगा द्वारा कैरो बाजारटांड़ में स्वतंत्रता सेनानी ननका साहू की प्रतिमा के पास जर्जर पथ, किस्को प्रखंड में नारी नावाडीह, रिचुघुटा पथ, किस्को चौक, धुर्वा मोड़, सहेदा मोड़, जोरी, बंजारकिस्को, शंख नदी के पास रेलवे पुल के नीचे वाला क्षतिग्रस्त पथ की मरम्मति कर दी गयी है। ग्रामीण कार्य प्रमंडल लोहरदगा द्वारा कैरो प्रखंड में हनहट रोड, बक्सीडीपा-बदला रोड, बक्सीडीपा में रावण दहन स्थल तक जाने वाला मैदान के रास्ते में स्टोन-डस्ट से भराव का कार्य कर दिया गया है। नगर परिषद क्षेत्र में रियाडा पूजा पंडाल, राणा चौक, राणा चौक पूजा पंडाल, तिवारी दुरा, साइडिंग बस स्टैंड, शास्त्री चौक पूजा पंडाल, तेतर तर पूजा पंडाल, गायत्री मंदिर अपर बाजार, अपर बाजार रोड के सभी गड्ढे, दुर्गा बाड़ी मोड़, हटिया गार्डेन पूजा पंडाल, बड़ा तालाब के पास,थाना परिसर में पूजा पंडाल के पास गड्ढों व कीचड़ वाले पथों में स्टोन डस्ट डालकर ठीक कर दिया गया है और ब्लीचिंग का छिड़काव किया गया। मैना बगीचा, राणा चौक, थाना रोड, अपर बाजार रोड व तिवारी दुरा क्षेत्र में जो नालियां खुली हुई थीं उसके ऊपर कुल 290 स्लैब लगाकर ढंकने का कार्य दिया गया है। उपायुक्त द्वारा सभी संबंधित विभागों को नियमित आवागमन वाले पथ पर सतत निगरानी और आवश्यता पर मरम्मति के निदेश दिये गये हैं।

बरवाडीह में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह के भगत सिंह चौक पर आज शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान माले जिला सचिव कॉमरेड बिरजू राम और कांग्रेस झारखंड प्रदेश प्रतिनिधि रवींद्र राम ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह कोई व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा का नाम हैं। उनका सपना था शोषणमुक्त और समतामूलक समाज का निर्माण। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमा। नेताओं ने कहा कि आज भी भगत सिंह का सपना अधूरा है। वर्तमान समय में भारत के संविधान और लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं। ऐसे में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना ही भगत सिंह की जयंती मनाने का सच्चा अर्थ और उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अवधेश मेहरा, माले नेता कमलेश सिंह, रमेश कुमार, परमानंद भुइंया और सामाजिक कार्यकर्ता धीरज भी उपस्थित थे।

आरएसएस के एक सौ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुआ पथ संचलन और शस्त्र पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों द्वारा रविवार को पथ संचालन और शस्त्र पूजन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से उतर पूर्व क्षेत्र बिहार झारखंड के संपर्क प्रमुख अनिल ठाकुर मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के समीप संचालित सरकारी विद्यालय प्रांगण से किया गया। इस दौरान काफी संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश धारण कर राजीकीय उत्क्रमित बुनियादी उच्च विद्यालय सेन्हा से साहू मुहल्ला, राम मुहल्ला, लहेरी मुहल्ला, महतो मुहल्ला होते हुए पूरे गांव का भरण कर ठाकुर बाड़ी के रास्ते लोहरदगा-गुमला मुख्य पथ में घोष दल के साथ पथ संचलन आरंभ किया गया। पथ संचालन कार्यक्रम के दौरान जगह जगह पर सरस्वती शिशु मंदिर सेन्हा के मातृशक्ति द्वारा स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की गयी। ज्ञात हो कि संघ स्थापना का सौ वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है इ स अवसर पर विद्यालय प्रांगण में शाखा का आयोजन किया गया। जिसे शाखा के दौरान उपस्थित लोगों को संगठित होंने पर जोर दिया गया साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना और कार्यों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया। इस मौके पर अनिल ठाकुर ने बताया कि संघ को इस मुकाम तक लाने में किस प्रकार की विघ्नो का सामना करना पड़ा जिसकी व्याख्या संक्षिप्त में करते हुए देश हित में जीवन समर्पित करने और संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा एकता में ही बल है। जिस पर बताते हुए उन्होंने का कि संघ की स्थापना विजयादशमी के दिन सन 1925 में नागपुर डॉ केशव बलिराम हेडगेवार जी ने किया था। तभी हम सभी लोग अपने देश को विश्व गुरु और दुनियां में हिन्दू राष्ट्र का दर्जा दिलाने में कामयाब होंगे। मौके पर मंडल संघ चालक केदारनाथ साहू, सह जिला कार्यवाह देवेन्द्र मंडल, प्रांत सह बौद्धिक प्रमुख किनेश्वर महतो, खंड संघ चालक राजू साहू, मुख्य शिक्षक शुभम साहू के अलावे संघ कार्यकर्ता अवधेश साहू, रंजीत साहू, अजित महतो, संतोष महतो, रामलगन महतो समेत काफी संख्या में मंडल व खंड के संघ कार्यकर्ता शामिल थे।

कुम्हार प्रजापति ट्रस्ट ने प्रतिभा सम्मान समारोह का किया आयोजन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुम्हार प्रजापति ट्रस्ट की ओर से रविवार को आनंद सरस्वती बाल निकेतन, पावरगंज कुम्हार मोहल्ला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में 75प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज के भूतपूर्व व वर्तमान अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक, कलाकार, मूर्तिकार और मीडिया प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ जिला अध्यक्ष प्रेम किशोर प्रजापति, संरक्षक विनोद प्रसाद, दिनेश प्रजापति, कमल महतो, चमर महतो, प्रदीप प्रजापति, विनोद प्रजापति आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि युवा कवि चंदन प्रजापति ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की रीढ़ है। जिला अध्यक्ष प्रेम किशोर प्रजापति ने बताया कि समाज पिछले 10 वर्षों से लगातार प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर रहा है और शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और कला के क्षेत्र में सक्रिय है। संरक्षक विनोद प्रसाद ने इसे समाज के लिए उत्साहवर्धक बताया। इस अवसर पर स्वर्गीय शनिचर महतो, नकुल प्रजापति, कृष्णा राम प्रजापति और मंजू देवी की स्मृति में पुस्तकों और कुर्सियों का योगदान समाज को दिया गया। साथ ही यह घोषणा भी की गयी कि प्रत्येक वर्ष पंडाल निर्माण व मूर्ति निर्माण करने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि सहायक अभियंता सूरज कुमार ने कहा कि यह आयोजन समाज को नई दिशा देने का काम करेगा। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद कुमार प्रजापति ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सरोज प्रजापति ने दिया।

श्री रामचरितमानस नवाह्न पारायण पाठ में श्री राम दरबार की जीवंत झांकी दिखायी गयी

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जय श्री राम समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक पोद्दार, सचिव अजय मित्तल, परमेश्वर साहू, मुरलीधर अग्रवाल, दीपक सर्राफ, सुनील अग्रवाल, जयप्रकाश शर्मा, संजय अग्रवाल, प्रमोद प्रसाद अग्रवाल, संजय बर्मन, ओमप्रकाश कास्यंकार, श्रीचंद प्रजापति, बलवीर देव,राजेश महतो, अवधेश मित्तल, उदय कुमार गुप्ता, प्रमोद प्रजापति, गोविंद प्रसाद, अशोक कास्यकार, ओमप्रकाश गुप्ता, प्रमोद प्रजापति, सुरेंद्र प्रसाद वर्मा, ओम गुप्ता, संजय चौधरी, निश्चय वर्मा, बजरंग लाल, शिव शंकर साह, जय गोविंद प्रसाद, आनंद पांडे, अतुल सराफ, विनोद कुमार, रंजन कुमार, विजय अग्रवाल, सर्वेश मिश्रा, रूपेश चौधरी, मोहनदास, प्रवीण तमेडा, शशांक बर्मन, संतोष कुमार, हेमंत वर्मा जैसे तमाम सनातनी महिला, पुरुष, बच्चे और कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। श्री रामचरितमानस नवाह पारायण यज्ञ समिति ठाकुरबाड़ी मंदिर के परिसर में इन दिनों नवाह्न पारायण पाठ और श्री राम कथा चल रही है। कथा के पंचम दिवस के कार्यक्रम में कुमारी साध्वी शिवांजलि ने श्रद्धालुओं को सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ, सीताराम विवाह, जैसे अनेक प्रसंगों का बखान किया और राम जी से पूछेलन जनकपुर के नारी बता दा बबुआ लोगवा देत काहे गारी जैसे अनेकों भजनों से लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। समिति के द्वारा मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम दरबार की जीवंत झांकी प्रस्तुत की गयी जिसमें भगवान श्री राम, माता सीता,लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, और बाल हनुमान के इस झांकी को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गये। इस मौके पर आशा मिंज को भगवान श्री राम, रिया रानी प्रजापति को सीता, ध्रुव अग्रवाल को लक्ष्मण, रुद्र अग्रवाल को भरत, और आदित्य अग्रवाल को शत्रुघ्न का स्वरूप जिया मेक ओवर के द्वारा तैयार किया गया। अभिजीत पाठक को बाल हनुमान के रूप में प्रस्तुत किया गया। मौके पर कुमारी शिवांजलि ने बतलाया की रामचरित मानस में बताया गया है कि अनेकों यज्ञ होते हैं जैसे पुत्रेष्टि यज्ञ, धनुष यज्ञ आदि लेकिन वैसे यज्ञ जो मानव कल्याण और समाज के हित के लिए किये जाते है उसे भगवान पूर्ण करते है। जो यज्ञ मानव कल्याण और समाज के हित के लिए नहीं होता उसे भगवान पूर्ण होने नहीं देते। वही इंद्र शंकर झा व्यास ने बताया की मनुष्य को रामचरित मानस से शिक्षा लेते हुए समाज के कल्याण के लिए यज्ञ करना चाहिए। जिससे समाज और परिवार का कल्याण हो। इसके उपरांत मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम दरबार की आरती उतारी गयी और प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

दाह संस्कार में शामिल हुए विधायक परिजनों से मिलकर जताया शोक

गारू (आजाद सिपाही)। गारू प्रखंड के बारेसाढ़ थाना अंतर्गत भेलवाकोना जंगल में विधायक प्रतिनिधि मनोज यादव की पत्नी रिंकी देवी की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी थी। जिसके बाद रविवार की सुबह टेटुक नदी के तट पर दाह संस्कार कर दिया गया। अंतिम यात्रा में परिजन, ग्रामीणों के साथ-साथ स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह ने भी भाग लिया और परिजनों से मिलकर ढाढ़स बंधाया। उन्होंने कहा इस दुख घड़ी में आपके साथ खड़े हैं। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना और परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति देने के लिए भगवान से विनती की। साथ ही हत्या में शामिल व्यक्ति को जल्द से जल्द सजा दिलवाने का आश्वासन दिया।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 29 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

हुसैनाबाद से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, पांच गिरफ्तार

दो कार पर लदे 314 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब को बिहार ले जाने की थी तैयारी, सभी बोतलों पर अंकित है सेल फॉर हरियाणा

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते एसडीपीओ और गिरफ्तार शराब तस्कर।

हुसैनाबाद। दुर्गा पूजा को लेकर हुसैनाबाद पुलिस काफी अलर्ट मोड पर दिख रही है। शनिवार की देर रात हुसैनाबाद एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब को गुप्त सूचना मिली कि जपला छतरपुर मुख्य सड़क स्थित पायल मैरेज हॉल में चार-पांच संदिग्ध लोग ठहरे हुए हैं। उनके दो वाहनों में अवैध शराब लोड है। इसकी सूचना मिलते ही एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने पायल मैरेज हॉल में छापेमारी की, तत्पश्चात वहां रुके हुये लोगों से पूछताछ की और हॉल के बाहर खड़ी दो वाहन एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार जिसका नंबर- बीआरओ 1सीवी 5349 और दूसरा वाहन क्रेटा कार जिसका नंबर- बीआरओ 6 सीवी 8764 का तलाशी लेने पर दोनों वाहनों में कुल 314 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया गया, जिस पर सेल फॉर हरियाणा अंकित हैं। पुलिस ने शराब और वाहन को जब्त कर हुसैनाबाद थाना ले आयी। एसडीपीओ ने बताया की पकड़े गये सभी शराब माफीया ने बताया की पिछले 6 माह से फरीदाबाद, हरियाणा के एक शराब दुकानदार सह मालिक अमित कुमार से शराब लेकर बिहार पटना के अजय कुमार उर्फ बिट्टू सिंह के पास पहुंचाने का काम करते हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों में रघुवीर सिंह, शिवम कुमार, पटना बिहार, निर्मल कुमार भारती थाना राजेपुर मोतिहारी बिहार, शुभम कुमार चौबे, थाना महेशपुर जिला पाकुड़ झारखंड, अशीष पाल थाना लीलापुर जिला प्रतापगढ़, उतर प्रदेश के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में लेकर मेदिनीनगर भेज दिया गया। इस छापेमारी अभियान में मुख्य रूप से हुसैनाबाद एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, एसआई मुकेश कुमार, सुबोध कुमार, धर्मेंद्र सिंह, व पुलिस के कई जवान शामिल थे।

अवैध शराब भट्ठियों के विरुद्ध पिपरा पुलिस की सख्त कार्रवाई, अभियान जारी

अवैध शराब भट्ठियों के विरुद्ध कार्रवाई करती पुलिस।

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। पिपरा थाना क्षेत्र के मधुबाना और टंडवा जगदीशपुर गांवों में अवैध शराब भट्ठियों के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक प्लास्टिक ड्रम और आठ प्लास्टिक डब्बों में भरा करीब 250 लीटर जावा महुआ तथा 20 लीटर महुआ शराब जब्त किया। साथ ही मौके पर ही शराब बनाने के उपकरणों को नष्ट कर दिया गया। पिपरा थाना प्रभारी बिमल कुमार ने जानकारी दी कि दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। छापेमारी में एसआई नकुल शर्मा, एएसआई मुखदेव चौधरी, जितेंद्र उरांव समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

दुर्गा पूजा की तैयारियों का जायजा लेने एसपी सौरभ पहुंचे मधुपुर, कहा

शहर में अमन-चैन और भाईचारा बरकरार रखना हम सबकी जिम्मेदारी

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। देवघर एसपी सौरभ कुमार ने रविवार को मधुपुर थाना पहुंचे उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था बनी रहे, इसको लेकर रविवार को थाना में एसडीपीओ के साथ चर्चा की गयी और इसके साथ ही यह सुनिश्चित कर रहे हैं की पूर्व में हुए घटना की पुर्नवृत्ति ना हो इसको लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। ताकि शांतिपूर्वक दुर्गा पूजा संपन्न हो, इसके अलावा थाना भवन महिला थाना और अंचल पुलिस निरीक्षक कार्यालय का भी निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया, वहीं आगामी जो भी प्रस्ताव हो थाना की मरम्मती या निर्माण को लेकर क्या प्लानिंग किया जाये इसको लेकर निरीक्षण किया गया है। वहीं पत्रकारों को बताया कि बैंक डकैती मामले में एसपी ने कहा कि कांड के उद्भेदन को लेकर कई टीम लगातार प्रयास कर रही है घटना के बाद से ही कई टीम अलग-अलग जगहों पर छापेमारी भी कर रहे हैं। कई लोगों से पूछताछ भी किया जा रहा है। मौके पर अंचल पुलिस निरीक्षक देवेश भगत,सब इंस्पेक्टर नईम अंसारी, शौकत खान, महिला थाना प्रभारी ललीता कुजुर समेत पुलिस के पदाधिकारी एवं जवान मौजूद थे।

भाजयुमो ने शहीद भगत सिंह की जयंती मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से रविवार 28 सितंबर को टावर चौक पर शहीद सरदार भगत सिंह की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यकर्ताओं द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। इस मौके पर मौजूद लोगों के बीच मिठाई भी वितरित की गयी। भाजयुमो जिला अध्यक्ष आशीष दुबे ने कहा कि शहीद सरदार भगत सिंह ने अपने अदम्य साहस और बलिदान से पूरे देश में स्वतंत्रता की क्रांति की लहर पैदा की। उनकी दी गयी प्रेरणा ही आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन की आग बनी, जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजों को देश छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि आज अगर देश स्वतंत्र और खुशहाल है तो इसके पीछे भगत सिंह जैसे वीर क्रांतिकारियों की शहादत है। आशीष दुबे ने आगे कहा कि सरदार भगत सिंह जितनी तेज पिस्तौल चलाते थे, उतनी ही धार उनकी कलम में भी थी। अपने फौलादी इरादों और संघर्षशील विचारों के दम पर उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य को खुली चुनौती दी और उनका नाम सदैव स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों में लिया जायेगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री चंद्रशेखर खवाड़े, नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े, मनोज सिंह, दशरथ दास, सागर झा, राहुल चौधरी, धनंजय तिवारी, पवन पांडेय, बमबम दुबे, नीरज कुमार, अंशदेव राजपूत, उपेंद्र पांडेय, अविनाश राव, अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनातू पुलिस ने दुर्गा पूजा को लेकर निकाला फ्लैग मार्च

मनातू(पलामू)। दुर्गा पूजा के अवसर पर मनातू में विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर रविवार को मनातू थाना क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों एवं संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। फ्लैग मार्च मनातू थाना परिसर से प्रारंभ होकर मनातू के प्रमुख मनातू पुराना बजार, चक, पदमा, मंझौली, रंगेया मसूरिया और संवेदनशील स्थानों क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान आम नागरिकों को भी सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया तथा शांति और सद्भाव के साथ पर्व मनाने की अपील की गई। विशेष सुरक्षा व्यवस्था के तहत ड्रोन कैमरे से लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी संवेदनशील इलाकों में ड्रोन की तैनाती की गयी है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पलामू पुलिस आम जनता से अपील करती है कि दुर्गा पूजा के इस पावन अवसर पर शांति, भाईचारे एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ पर्व का आनंद लें तथा किसी भी आपात स्थिति में डायल-112 पर तुरंत संपर्क करें।

बेतला किसान एफपीओ अपने सदस्य के लिए हमेशा रहता है सक्रिय : सचिव ब्रजेश पांडेय

चैनपुर(पलामू)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महुगावा बेतला किसान एफपीओ कार्यालय में शनिवार को जिला कृषि पदाधिकारी के अथक प्रयास से पांच पंचायत के लिए इफको यूरिया खाद का 270 बैग आया था जो कि सभी पांच पंचायत का प्रतिनिधि के समक्ष खाद का वितरण लाभुक किसानो के बीच ओढ़नार, बराव, नरसिंहपुर पथरा, बांसडीह मझिगवां का किया। मौके पर एफपीओ के अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कहा कि बेतला एफपीओ क्षेत्र के किसानों के लिए हमेशा तत्पर है। किसानों को ससमय खाद बीज उपलब्ध कराती है और इसी प्रकार हमेशा करती रहेगी। सचिव ब्रजेश पांडेय ने कहा कि बेतला एफपीओ क्षेत्र का अपने सदस्य के लिए हमेशा सक्रिय रहता है और किसानों को कभी खाद बीज के लिए निराश नहीं होने दिया जायेगा। मौके पर वितरण में जनसेवक संगीता कुमारी, बराव पंचायत समिति सदस्य लालजी चौधरी, ओढ़नार पंचायत समिति पति संदीप तिवारी, बांसडीह पंचायत के मुखिया लाल बहादुर भुइया, लाभुक किसान सदस्य राकेश कुमार, अवधेश कुमार, कृष्ण मुरारी कुमार, धीरेंद्र कुमार, रामकरेश चौरसिया, उदेश कुमार, बरती देवी सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

एसडीएम ने पूजा पंडालों का किया निरीक्षण, लिया मां का आशीर्वाद

पूजा कमेटियों को सरकारी गाइड लाइन पालन करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

पूजा पंडाल का निरीक्षण करती पलामू एसडीएम।

विश्रामपुर (पलामू)। पलामू एसडीएम सुलोचना मीणा ने रविवार को विश्रामपुर क्षेत्र के कई पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी पूजा कमेटियों के पदाधिकारियों व सदस्यों को सरकारी गाइड लाइन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुये उसके पालन हेतु सख्त निर्देश भी दिया। एसडीएम सुलोचना मीणा ने विश्रामपुर नप मुख्यालय के सार्वजनिक दुर्गा मंडप, आदर्श कला केंद्र, बाजार मुहल्ला नवयुवक संघ, जागृति युवा क्लब, बी मोड़ जय मां शेरावाली क्लब, डंडिला खुर्द नवयुवक संघ, रेहला व्यपार संघ, जय मां भवानी संघ सहित कई पूजा पंडालों में गयी। इसके अलावा उन्होंने विसर्जन स्थल का भी निरीक्षण किया।

सुलोचना मीणा ने कहा कि आस्था के साथ मां का पूजा करे ओर दिखावा वाली चीजों से बचे। मौके पर अंचलाधिकारी राकेश तिवारी, विश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे, पूजा महासमिति के अधयक्ष राजन पांडेय, युवा समाजसेवी विजय कुमार रवि, राकेश केशरी, जयंत चौहान, दिलीप सिंह चंद्रवंशी, राजू केशरी, विजय कुमार, मुकेश कुमार चौधरी सहित कई पुलिस पदाधिकारी व पूजा कमेटी के लोग मौजूद थे।

बचपन स्कूल जपला में नवरात्र महोत्सव सह डांडिया नाइट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद शहर के बचपन स्कूल में नवरात्र महोत्सव सह भव्य डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय नेता सह पूर्व जिप उपाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने एक से बढ़कर एक शानदार डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। मौके पर मुख्य अतिथि श्री सिंह ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और माता रानी से क्षेत्र में अमन-शांति एवं खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर बचपन स्कूल की प्रिंसिपल रेखा सिंह ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में चहुमुखी विकास के लिए इस तरह का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने के लिए विद्यालय में आये दिन तरह-तरह के खेल, डांस, रंगोली तथा विभिन्न तरह के प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। साथ ही उन्होंने डांडिया के सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर पूजा शर्मा, पूजा पांडे, रेखा शर्मा, खुशबू सिंह सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं और कार्यक्रम का आनंद उठाया।

श्री श्री सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर का सारठ विधायक ने उद्घाटन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर श्री सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर में महापंचमी पर मां दुर्गा की 106वां पुजा का सारठ विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने शंख ध्वनि के साथ दीप प्रज्वलित कर मां भगवती की प्रतिमा अनावरण किया, साथ ही श्राद्धालुओं के दर्शनार्थ मां भगवती का पट खोल दिया गया। माता की पूजा मधुपुर के श्रीश्री सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर में 106 वर्षों से बांग्ला विधि विधान से पूजा हो रही है। यहां पहली बार संताल परगना में अष्टधातु की प्रतिमा स्थापित की गयी है। माता की पूजा मधुपुर के पौराणिक धार्मिक स्थल हाईस्कूल मैदान स्थित श्रीश्री सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर में अष्टधातु की प्रतिमा की विधि विधान से पूजा होती है। बांग्ला विधि विधान के साथ 106 वर्षों से यहां मां दुर्गा सहित देवी-देवताओं की पूजा हो रही है। मंदिर में विशाल अष्टधातु सोना, चांदी, तांबा, शीशा, जस्ता, टिन, लोहा और पारा की प्रतिमा स्थापित की गई है। मां दुर्गा सहित देवी देवताओं की भव्य और आकर्षक प्रतिमा की पूजा लोग सालों भर करते हैं। मौके पर कल्पना घोष, अदिति दत्ता, हारू रंजन घोष, प्रसाद चटर्जी, सुवेंदु दा, सौरभ घोष, चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव मोती सिंह सहित दर्जनों सदस्य इस वर्ष की पूजा को यादगार बनाने में जुटे हैं।

गांधी पुष्पांजलि उत्सव की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

देवघर (आजाद सिपाही)। महात्मा गांधी जी के देवघर आगमन तिथि 3, 4 और 5 अक्टूबर 1925 के 100 वर्ष पूरा होने को एतिहासिक बनाये जाने के लिए देवघर स्वयं सेवी संस्था मंच की ओर से गांधी पुष्पांजलि समारोह उत्सव पूर्वक मनाया जायेगा और गांधी जी देवघर आगमन के उद्देश्य के बारे में जनसमुदाय को बताया जायेगा। इस ऐतिहासिक अवसर को सफल बनाने के लिए चतुर्थ बैठक रामराज आश्रम देवघर में आयोजित की गयी। मौके पर स्वयं सेवी संगठन से जुड़े कुमार रंजन, दिलीप भाई, सतीश कर्ण, रबिंद्र कुमार सी सिंह, सोहन चौधरी, विलास भुइयां, सच्चिदानंद मंडल, विनोद कुमार, दिलीप तिवारी, गोपाल मंडल, चंद्रकांत मंडल, अंजनी कुमार, रंजन सिंह, जितेंद्र कुमार, दयानंद पाण्डेय सहित दर्जनों स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि ने भाग लिया।

महासप्तमी पर आज खुलेगा मां का पट

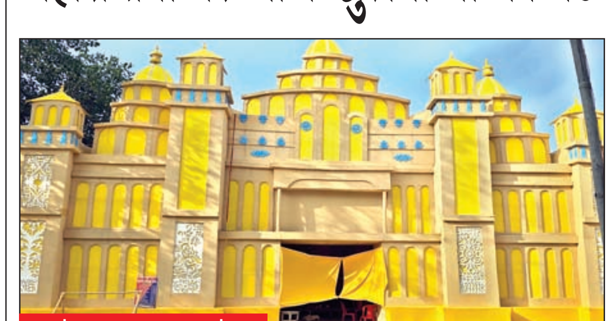
बाल संघ द्वारा बनाया गया पूजा पंडाल।

आकर्षण का केंद्र होगा स्टेशन चौक पर बना बाल संघ का पूजा पंडाल

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद क्षेत्र में दुर्गा पूजा को लेकर पंडालों की तैयारी पूरी हो चुकी है। आज नवरात्र के सप्तमी तिथि को मां के कपाट खुल जायेंगे। क्षेत्र में दर्जनों जगहों पर दुर्गा पूजा धूम-धाम से मनायी जा रही है। ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर वैदिक मंत्रोच्चार व भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय बन गया है। शहर के महावीर जी भवन में आचार्य श्री धर्मराज पांडेय व टीम द्वारा रामचरितमानस नवाह परायण महायज्ञ व सायं कालीन वाराणसी से पधारे आचार्य राघवेंद्र जी द्वारा भागवत कथा की जारी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवाह समिति व पूजा समिति के लोग सक्रिय हैं। इसके अलावा शहर के पटेल चौक, दुर्गाबाड़ी, स्टेशन चौक, रेलवे परिसर, चारधाम, गम्हरिया में विधिवत पूजन की तैयारी है। अनुमंडल मैदान स्थित शक्ति दुर्गा मंदिर में विधिवत अनुष्ठान जारी है। कई जगहों पर पूजा समिति के द्वारा बनाये गये आकर्षक पंडाल में स्थापित मां दुर्गा का दर्शन करेंगे श्रद्धालु। युवा बाल संघ द्वारा स्टेशन रोड चौक पर भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है। यहां पश्चिम बंगाल के कारीगर शंकू नशकर व उनकी टीम द्वारा वैदिक तारामंडल मंडल मंदिर के रूप में बनाया गया है। चारधाम व पटेल चौक पर भी भव्य पंडाल बनाया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी दर्जनों जगहों पर पूजा की जा रही है। पूजा को शांति पूर्ण संचालन को लेकर पुलिस प्रशासन व समिति के सदस्य सक्रिय हैं।

छतरपुर कस्तूरबा विद्यालय में मर्ज कर 10 साल से चलाया जा रहा है नौडीहा बाजार का झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय

नौडीहा बाजार से 15 किमी की दूर अपना भवन नहीं होने से छात्राओं को होती है भारी परेशानी

आठ सालों में भी नहीं बन सका नौडिहा बाजार में चार करोड़ का झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का भवन

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर। पलामू जिले के छतरपुर में में शिक्षण व्यस्था का अजब हाल है, 10 सालों से राज्य सरकार द्वारा संचालित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय छतरपुर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मर्ज कर चलाया जा रहा है। नतीजन ग्रामीण इलाके की दूरस्थ गांवों की छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपना भवन नहीं होने से छात्राएं किसी तरह छतरपुर स्थित कस्तूरबा विद्यालय में पढ़ने को विवश हैं, जहां पहले से ही सकैडो छात्राएं अध्ययनरत हैं। मिली विभागीय जानकारी के अनुसार झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय में 350 बच्चों को हर साल साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा जाता है। अपने स्थापना काल से ही यह विद्यालय छतरपुर के कस्तूरबा विद्यालय में रामभरोसे चल रहा है, जबकि विद्यालय चलाने हेतु प्रतिवर्ष करोड़ों का आवंटन उस विद्यालय को प्राप्त होता है। विभागीय जानकारी के अनुसार झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय में नियमानुसार नौ शिक्षक, एक लेखापाल, तीन कुक, दो गार्ड और तीन स्वीपर की आवश्यकता है, साथ ही उसे अपने भवन की भी दरकार है दुर्भाग्य ये है कि आज एक दशक के बाद भी इस विद्यालय को अपना भवन नसीब नहीं हुआ है। जबकि आठ साल पूर्व नौडिहा बाजार इलाके में तत्कालीन विधायक और वर्तमान वित्तमंत्री की मदद से चार करोड़ का भवन स्वीकृत हुआ है जो संवेदकों की लापरवाही से आधा अधूरा रह गया। वहीं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय छतरपुर की बात करें तो इस विद्यालय में 525 बच्चों का स्टेंथ हैं, जहां फिलहाल लगभग 480 छात्राओं का नामांकन दशार्या गया है और वे वहां अध्ययनरत हैं। अगर यहां यूनिट के हिसाब से सृजित पदों की बात करें तो यहां फुलटाइमर शिक्षक पांच, पार्टटाइमर ग्यारह, रसोइया तीन, गार्ड एक और स्वीपर मात्र एक है। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां दूरस्थ ग्रामीण इलाकों से आई छात्राएं कैसे शिक्षा ग्रहण करती होंगी और उन्हें किस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता होगा।

इस मामले पर बात करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता अरविन्द गुप्ता चुनमून ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर विद्यालय को अलग कर देना चाहिए, इलाका गरीब है गरीब घरों की छात्राओं को ज्यादा परेशानी होती है, नौडीहा बाजार में विद्यालय बन जाने से छात्राओं को आसानी होती। उन्होंने मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री और पलामू डीसी से मांग किया है कि वे इस मसलव कि गम्भीरता समझते हुए विद्यालय के भवन के निर्माण करवाएं। बरहाल वहीं लोग बताते हैं कि अगर नौडीहा बाजार के लिए संचालित झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय को अलग कर उसे नौडीहा बाजार स्थित दूसरे भवन में संचालित कर देने से छात्राओं को भारी परेशानी से बचाया जा सकता है। हालांकि कई दफा इसकी जानकारी पलामू डीसी और सबंधित विभाग के आलाधिकारियों को भी दी जा चुकी है लेकिन इस समस्या के समाधान के दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

चिंगरी की धरती पर धूमधाम से मनायी गयी जतरा टाना भगत की जयंती, उमड़ा जनसैलाब

जतरा टाना भगत का जीवन सत्य, त्याग और स्वतंत्रता का प्रतीक है : जनार्दन टाना भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

स्वतंत्रता सेनानी जतरा टाना भगत की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग, बच्चे एवं अन्य गणमान्य लोग।

बिशुनपुर। प्रखंड के ऐतिहासिक चिंगरी नवाटोली गांव में रविवार को टाना आंदोलन के जनक एवं स्वतंत्रता सेनानी जतरा टाना भगत की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राज्यभर से हजारों अनुयायी जुटे और बाबा को नमन किया। समारोह की अध्यक्षता जनार्दन टाना भगत ने की। उन्होंने कहा कि जतरा टाना भगत का जीवन सत्य, त्याग और स्वतंत्रता का प्रतीक है। कार्यक्रम में रांची के टाना भगत अतिथिगृह के नवचयनित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। अनुशासित जीवनशैली और परंपरागत परिधानों में सजे अनुयायियों के जत्थे ने पूरे गांव को आस्था और उत्साह से भर दिया। वहीं, राजी देवान और बसंत कुमार भगत ने कहा कि 'बाबा का जीवन हमें सत्य और अहिंसा की राह पर चलने की प्रेरणा देता है।' सचिव राजेश टाना भगत ने उन्हें आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रेरणास्रोत बताया।

सामाजिक कार्यकर्ता अनिल अमिताभ पन्ना ने कहा कि बाबा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। सीआरपीएफ के पूर्व डीआइजी रविंद्र भगत ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बाबा को सादगी और अनुशासन का प्रतीक बताया। समारोह में झारखंड आंदोलनकारी एवं विभिन्न जिलों से आए सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए। इस मौके पर विनय टाना भगत, सुखदेव टाना भगत, मधुसूदन टाना भगत आदि उपस्थित रहे।

जंगली भालुओं ने किया किसान पर हमला सांस रोक मृत होने का नाटक कर बचायी जान

गुमला (आजाद सिपाही)। पालकोट थाना क्षेत्र के झिकिरमा गांव निवासी मनोज इंदवार (50) पर रविवार की सुबह छह बजे तीन जंगली भालुओं ने हमला कर दिया। भालुओं के झुंड ने मनोज की पीठ एवं कमर पर गहरा घाव कर दिया है। उन्हें पालकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक मनोज अपने खेत के मेढ को कुदाल से ठीक कर रहे थे। तभी पीछे से तीन भालुओं ने हमला कर दिया। भालू के हमले से वह बुरी तरह घायल हो गया। इसके बाद उसने समझदारी दिखाते हुए अपनी जान बचाने को सांस रोक ली और मरने का नाटक कर खेत में ही सो गया। इसके बाद भालू उसे छोड़कर जंगल की ओर चले। इसके बाद वह किसी तरह अपने घर आया इसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए।

आरएसएस ने पथ संचलन कर किया नगर भ्रमण, जगह-जगह की गयी फूलों की वर्षा

सिसई (आजाद सिपाही)। आरएसएस सिसई खंड की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष और श्री विजयादशमी उत्सव के अवसर पर शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजित किया गया। रंजीत नारायण सिंह सरस्वती विद्या मंदिर कुदरा सिसई प्रांगण से पथ संचलन का शुभारंभ हुआ। जो मेन रोड, थाना रोड से होते हुए शहिद लोहरा उरांव चौक से होकर वापस विद्यालय प्रांगण लौटी। नगर भ्रमण कार्यक्रम में आरएसएस के पारंपरिक गणवेश में अनुशासित तरीके से पंक्तिवत हाथ में लाठी लिए और विद्यालय के घोष दल के अगुवाई में सभी लोग पथ संचलन कर रहे थे। इस दौरान बहनों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रांत संपर्क प्रमुख राजीव कमल बिट्टू, गुमला विभाग संघ चालक साहु प्रकाश लाल भी पूर्व गणवेश में थे। सिसई अंचलाधिकारी अशोक बड़ाईक, सिसई पुलिस बल के जवान, जिला कार्यवाह लक्ष्मी नारायण सिंह, गुमला बौद्धिक प्रमुख श्री राजेश साहु, जिला शारीरिक प्रमुख बलराम सिंह, प्रधानाचार्य देवेंद्र वर्मा, खंड कार्यवाह नवीन साहु , समाजसेवी, संजय वर्मा, मुकेश श्रीवास्तव डेविड, पंकज कुमार साहु, रोहित शर्मा, दामोदर सिंह, मनीष बाबू, उदय कुशवाहा, मुकेश ताम्रकार,सौरभ ताम्रकार, छोटेलाल ताम्रकार, सुमित महली, दिलीप कुमार गुप्ता, राजकुमार पौराणिक, अरुण नारायण सिंह, सहित स्कूली छात्र छात्राओं, बजरंग दल, मातृ शक्ति दुर्गा वाहिनी की बहनें आदि के साथ सैकड़ो गणमान्य, समाजसेवी एवं स्वयंसेवक पूरे हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम को संपन्न कराया।

त्योहारों में विधि व्यवस्था को लेकर चेंबर ने की थाना प्रभारी से मुलाकात

गुमला (आजाद सिपाही)। चेंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल गुमला सदर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह कर रहे थे। इसका उद्देश्य आगामी त्योहारों में विधि व्यवस्था पर चर्चा करना था। दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली के अवसर पर विधि व्यवस्था को संतुलित रखने, ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से नियंत्रित रखने और सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के संबंध में चर्चा हुई। थाना प्रभारी की ओर से पूरी तरह से आश्वस्त किया गया कि किसी तरह की असुविधा नहीं होगी। इस मौके पर चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ में निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा, सचिव बबलू वर्मा, प्रतीक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल और हिमांशु केसरी आदि उपस्थित थे।

हमें अपने समाज और राष्ट्र के लिए काम करना होगा: त्रिलोचन

बिशुनपुर में आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर कार्यक्रम का आयोजन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर बिशुनपुर स्थित स्टेडियम में खंड कार्यवाहक बिंदेश्वर साहू और मंडल कार्यवाहक रामप्रसाद बड़ाईक के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें पथ संचलन, शस्त्र पूजन और विजयदशमी उत्सव परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। संघ के विभाग कार्यवाहक त्रिलोचन जी ने कहा कि संघ का लक्ष्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है। राष्ट्र के विकास में योगदान दें। कहा कि हमें अपने समाज को शिक्षित, संगठित और सशक्त बनाने के लिए काम करना होगा। कहा कि जब तक व्यक्ति सशक्त और चतुरवान नहीं होगा, समाज और राष्ट्र का उत्थान संभव नहीं है। हमें अपने समाज और राष्ट्र के लिए काम करना होगा और एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। इससे पूर्व बनारी के पांचो पांडव से गोरा टोली गांव तक एवं बिरसा बाग से विभिन्न चौक चौराहा होते हुए हाई स्कूल स्टेडियम तक स्वयंसेवकों ने अपनी सैन्य परेड एवं अनुशासन का प्रदर्शन किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने स्वयं सेवकों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें प्रोत्साहित किया, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। लोगों ने कहा कि आरएसएस का यह कार्यक्रम समाज के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। हमें भी समाज के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव, महेंद्र भगत, भिखारी भगत, केदार साहू, जगत ठाकुर, बच्चन चौरसिया, अजीत उरांव लाल साहू और सुदर्शन जी आदि उपस्थित रहे।

'सेवा पखवाड़ा' के तहत भाजपा ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। भाजपा गुमला जिला के शीर्ष नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बस स्टैंड रोड सिद्धि विनायक होटल सभागार में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। पार्टी के जिला संयोजक दामोदर कसेरा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर पूरे देश में पार्टी की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गुमला में आयोजित शिविर में सेवा पखवाड़ा के तहत प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रसिद्ध च्किित्सक डॉ अभिषेक कुमार रामाधीन ने सिर, कान, नाक और गला से संबंधित करीब 200 मरीजों की निःशुल्क जांच कर दवा वितरित किया। इसमें गुमला जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल, प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू, सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के जिला संयोजन दामोदर कसेरा, विनोद कुमार, सुरेश सिंह, सत्ता पटेल, अनूप चंद्र अधिकारी, निर्मल गोयल, भूपन साहू, गुड्डी नंदा, मृत्युंजय कुमार, राधेश्याम कुशवाहा, संजय वर्मा, कौशलेंद्र जमुआर, विपिन सिंह, मनमोहन सिंह, शंकर लाल जाजोदिया, राजेश सिंह, शंभु सिंह, सरजू साहू, रितेश कुमार, नीतेश कुमार, अमन कुमार और रविकांत कुमार आदि उपस्थित थे।

जय सरना किसी से नहीं डरना टीम बनी विजेता

घाघरा (आजाद सिपाही)। नवाडीह खेल मैदान में न्यू सितारा फुटबॉल क्लब हेठ आदर के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार की शाम समापन हुआ। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ सीआरपीएफ डीआईजी रविंद्र भगत, समाजसेवी नीलू शांति भगत, कल्याण पदाधिकारी गणेश राम महतो, पूर्व मुखिया राजीव उरांव आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। वहीं, निर्णायक फाइनल मैच मिंज ब्रदर्स चट्टी और जय सरना किसी से नहीं डरना टीम के बीच खेला गया, जिसमें रोमांचक मुकाबले के बाद जय सरना किसी से नहीं डरना की टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की। इस अवसर पर रविंद्र भगत ने कहा कि खेल अनुशासन और भाईचारे का प्रतीक है, यह युवाओं में टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों में आगे बढ़ने की अपील की। समाजसेवी नीलू शांति भगत ने कहा कि फुटबॉल यहां की पहचान है और इसे संरक्षित व प्रोत्साहित करना सभी की जिम्मेदारी है।

नवडीहा की जर्जर सड़क के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश, एनएच किया जाम

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत नवडीहा पंचायत के ग्रामीणों ने रविवार को जर्जर सड़क और बदहाल व्यवस्था के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) जाम कर दिया। ग्रामीणों के आंदोलन से घाघरा-लोहरदगा मुख्य पथ पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। करीब दो घंटे तक जाम लगा रहा और सैकड़ों वाहन बीच रास्ते में फंसे रहे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत की सड़क कीचड़ में बदल चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चों और महिलाओं को रोजाना भारी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। आरोप है कि गांव में विकास कार्य पूरी तरह थम गया है। यहां तक कि बेटियों की शादी के लिए भी कोई तैयार नहीं होता। प्रसव पीड़िता महिलाओं को बहंगी में उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक सड़क की मरम्मत और विकास कार्य शुरू नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा। उधर, सूचना पाकर मौके पर पहुंचे सीओ खाखा सुशील कुमार, बीडीओ दिनेश कुमार और थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से वार्ता की और जल्द समस्या के समाधान का लिखित भरोसा दिलाया। इसके बाद जाम हटा।

जज साहब का रूट बदला, प्रशासन ने ली राहत की सांस

जाम के दौरान झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नेतरहाट जाने वाले थे। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने उनका मार्ग बदल दिया और गमहरिया से नवडीहा होते हुए सुरक्षित निकाला। इस वजह से उनका काफिला जाम में फंसने से बच गया। हालांकि जज साहब के लिए रास्ता बदलने की हड़बड़ी में प्रशासनिक अमला पसीने-पसीने रहा। जब तक उनका काफिला सुरक्षित पार नहीं कर गया, पूरे प्रशासन में तनाव का माहौल बना रहा।

सरहुल को लेकर केंद्रीय सरहुल संचालन समिति ने समीक्षा बैठक, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

गुमला (आजाद सिपाही)। केंद्रीय सरहुल संचालन समिति की समीक्षा बैठक रविवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता सागर उरांव ने की। बैठक में सचिव दीप नारायण उरांव ने सरहुल महोत्सव 2025 सफलता पूर्वक संपन्न होने पर सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सरहुल महोत्सव का आय-व्यय का ब्योरा पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में सांस्कृतिक जुलूस एवं पूजा के संबंध में चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्णय लिये गये। अंत में सांस्कृतिक जुलूस में शामिल उत्कृष्ट खोड़हा दलों में से प्रथम पुरस्कार खरका नृत्य दल, द्वितीय पुरस्कार पुग्गू ढाउठा टोली गुमला को दिया गया। जबकि तृतीय पुरस्कार तारा आदिम जनजाति डीपा कुजांग को देना तय हुआ था। पर तारा आदिम जनजाति डीपा कुजांग के सदस्य उपस्थित नहीं थे अतः निर्णय लिया गया कि वे खोड़हा दल किसी भी दिन कोषाध्यक्ष सुखबिहारी उरांव से संपर्क कर पुरस्कार प्राप्त कर लेंगे। इस मौके पर दीपनारायण उरांव, कमलेश उरांव, सागर उरांव, सुखबिहारी उरांव, मंगलाचरण उरांव, देवराम भगत, गरभू उरांव, गोविंदा उरांव, बसंत उरांव, महेश उरांव, महावीर उरांव, सोनो मिंज, फुलमनी देवी, चंद्रमुनि खाखा, जया बा, विश्वनाथ उरांव, जगन्नाथ भगत, सूकरा उरांव, अन्नू भगत और घनश्याम उरांव आदि उपस्थित थे।

जालसाजी कर जमीन खरीद-बिक्री के खिलाफ ग्रामीण गोलबंद

मुखिया-सहयोगियों पर जीवित वंशज के रहते जमीन बिक्री कराने और पैसा हड़पने का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। बड़े शहरों की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी अवैध तरीके से जमीन खरीद बिक्री का मामला आये दिन देखने और सुनने को मिल रहा है। इसका ताजा उदाहरण प्रखंड के बरगांव उत्तरी पंचायत के बिरहोर टोली में देखने को मिला है, जहां अवैध रूप से जमीन की खरीद बिक्री में शामिल जनप्रतिनिधि एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ गोलबंद ग्रामीणों ने बैठक की। जिसमें जमीन बिक्री में संलिप्त पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य लोगों की जालसाजी से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक सप्ताह में बिक्री की राशि असल जमीन रैयत के वंशज को लौटाने का सुनाया फरमान। बरगांव बिरहोर टोली गांव में 5.95 एकड़ जमीन मालिक स्व गंदुर अधिकारी की जमीन का 80 डीसमील जमीन का सौदा मुखिया सुनिता कुमारी, सहयोगी राजू उर्फ टुनू साहु और रमेश उरांव से मिलकर गंदुर अधिकारी के दूर के रिश्तेदार गनू अधिकारी, वर्तमान पता सिसई थाना क्षेत्र के लुल्हवा और लुल्हवा के सूरज उर्फ मंटु ठाकुर से जमीन के एवज में 20 लाख रुपए दिलाने के नाम पर गंदुर को नावल्द बताकर जमीन की पांच अगस्त को रजिस्ट्री कराने और दाखिल-खारिज दो सितंबर को होने का मामला प्रकाश में आया है। असली जमीन रैयत स्व गंदुर अधिकारी की वर्तमान में एक शादीशुदा पुत्री रामी देवी है, जो माता-पिता एवं भाई की मृत्यु के बाद बीते 28 साल से अपने पति और बच्चों के साथ मायके में ही रह कर पिता की जमीन की देख-रेख और खेती-बाड़ी करती है। बैठक में उपस्थित संलिप्त लोगों के अनुसार वंशावली में स्व गंदुर अधिकारी को मुखिया ने नावल्द बताकर अन्य रिश्तेदार गनू अधिकारी को रैयत का वंशज बताकर जमीन की अवैध तरीके से रजिस्ट्री एवं दाखिल-खारिज कराया है। रजिस्ट्री के दौरान लुल्हवा गांव के ही सूरज ठाकुर को गनू का पुत्र एवं पहचानी बनाया गया है। आरोप है कि दोनों को मुखिया ने रजिस्ट्री कार्यालय ले जाकर थाना रोड सिसई निवासी विपुल राज के नाम पर रजिस्ट्री कराया गया। रजिस्ट्री के बाद घर लौटने के क्रम में मुखिया ने गनू को नकद 50 हजार और सूरज को पांच हजार रुपए देकर बाकी पैसा बाद में देने की बात कहकर लुल्हवा अपने घर भेज दिया। गनू अधिकारी ने बकाया कि पैसा मांगने पर खरीददार से पैसा मिलने के बाद देने की बात कहकर टाल मटोल करवे लगा। अपनी पुश्तैनी जमीन की बिक्री होने की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना रामी देवी एवं उसके पति अर्जुन गोप ने ग्राम प्रधान एतवा उरांव एवं अन्य लोगों को दी गई। ग्राम प्रधान ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रविवार को ग्राम सभा की बैठक बुलाई, जहां जमीन के खरीददार, बिक्री कर्त्ता और मुखिया एवं उनके सहयोगियों को बुलाया गया। बैठक में मुखिया और उनके सहयोगियों को छोड़ सभी उपस्थित हुए। जहां जमीन खरीदार द्वारा 18 लाख 50 हजार में जमीन खरीदने और इसके एवज में रजिस्ट्री से पूर्व 9 लाख 50 हजार रुपये देने के आलावा बाकी 9 लाख रुपए बकाया होने की बात कही गयी। सभी पक्षों की बात सुन पद पर आसीन मुखिया एवं उनके सहयोगियों की संलिप्तता होने पर बैठक में शामिल ग्रामीण आग बबूला हो गए। भारी आक्रोश के बीच सर्वसम्मति से पांच अक्टूबर को जालसाजी में शामिल लोगों और खरीददार को ग्रामीणों की उपस्थिति में असली जमीन मालिक रामी देवी को जमीन वापस दिलाने और क्रेता को पूरी राशि वापस भुगतान करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में मुखिया सुनिता कुमारी ने कहा कि उनके उपर लगे आरोप झूठे-बेनुनियाद हैं। वंशावली में हस्ताक्षर मेरा है लेकिन जमीन खरीद बिक्री का एक भी पैसा मुझे नहीं दिया गया है। क्षेत्र से बाहर रहने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सकी।

ट्रैक्टर लेकर फरार मजदूर को यूपी पुलिस ने गुमला से पकड़ा, चोरी से किया इनकार

गुमला (आजाद सिपाही)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के भवानी गांव स्थित जनता ईंट भट्ठा से ट्रैक्टर लेकर फरार झारखंड के मजदूर सुकरा लोहरा को पुलिस ने गुमला से गिरफ्तार कर लिया। गाजीपुर पुलिस भट्ठा मालिक के साथ गुमला पहुंची थी, जहां स्थानीय पुलिस की मदद से संयुक्त अभियान चलाकर आरोपी को पकड़ा गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद यूपी पुलिस उसे अपने साथ ले गई। भट्ठा मालिक अखिलेश राय ने तीन दिन पहले प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उसका मजदूर सुकरा लोहरा ट्रैक्टर लेकर निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। संपर्क करने पर उसने टालमटोल जवाब दिया। जांच के दौरान पुलिस ने सुकरा की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की, जो गुमला जिले के बरगांव में पाई गई। इसके बाद गाजीपुर और गुमला पुलिस ने सघन छापेमारी शुरू की और अंततः आरोपी को पकड़ लिया। हालांकि पकड़े जाने के बाद सुकरा ने ट्रैक्टर चोरी की बात से साफ इनकार किया। उसने पुलिस को बताया कि उसे केवल घर लौटना था, लेकिन भट्ठा मालिक उसे वापस नहीं आने दे रहा था। इस कारण उसने ट्रैक्टर लेकर भागने का कदम उठाया। सुकरा ने दावा किया कि ट्रैक्टर को रास्ते में ही छोड़कर वह अपने गांव भाग आया। अब पुलिस दावे की जांच कर रही है कि ट्रैक्टर कहां छोड़ा गया और उसकी स्थिति क्या है।

सीओ-बीडीओ ने किया पूजा पंडालों का निरीक्षण

घाघरा (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा को लेकर घाघरा प्रखंड मुख्यालय में प्रशासनिक तैयारी तेज हो गई है। सीओ खाखा सुशील कुमार, बीडीओ दिनेश कुमार और थाना प्रभारी पुनीत मिंज ने संयुक्त रूप से मुख्यालय क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाघरा चांदनी चौक दुर्गा पूजा समिति, थाना चौक दुर्गा पूजा समिति, मिलन चौक दुर्गा पूजा समिति दुर्गा पूजा समिति नौडीहा और हनुमान वाटिका दुर्गा पूजा समिति के पंडालों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, अग्निशमन की तैयारी, भीड़ नियंत्रण और स्वच्छता को लेकर विस्तृत निर्देश दिए। आयोजकों से कहा कि सभी पंडालों में अग्निशामक यंत्र अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और स्वयंसेवक दल को सतर्क रखें। पूजा के दिनों में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर भी विशेष चर्चा हुई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 29 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

बारिश से फीकी पड़ी बाजार की रौनक पुनः लौटी

मौसम ने दिया साथ, बोनस व मईया योजना की राशि से दुकानदार- खरीददार उत्साहित

दीपक कुमार

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो इस्पात कर्मियों को मिले बोनस व झारखंड सरकार की मईया योजना के तहत महिला लाभुकों को मिली राशि ने त्योहारी सीजन में बोकारो और चास के बाजारों की रौनक बढ़ा दी है। हालांकि, बीते दिनों रुक- रुक कर हो रही बारिश ने बाजार की रौनक को फीका अवश्य कर दिया था, लेकिन मौसम साफ होते ही मार्केट पुनः गुलजार होने लगे हैं। दुर्गापूजा, दशहरा व दीपावली को लेकर चास- बोकारो की बाजारों में त्योहारी खुमार चढ़ने लगा है। बोकारो शहर के सिटी सेंटर सेक्टर 4, सेक्टर 9 बाजार, बोकारो मॉल आदि में शाम होते ही ग्राहकों की भीड़ खरीददारी को उमड़ रही है।

देखा जाये तो इस त्योहारी मौसम में आमतौर पर सबसे ज्यादा बिक्री कपड़ों की होती है। इसके अलावा जेवर दुकानों, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल की दुकानों में भी लोग ग्राहक पहुंच रहे हैं। कहीं-कहीं दुर्गापूजा और दशहरा के अवसर पर ग्राहकों को लुभाने हेतु विशेष छूट व ऑफर भी प्रतिष्ठानों द्वारा दिया जा रहा है। बीएसएल के लगभग 8429 कर्मियों को 29500 रुपये प्रति कर्मचारी बोनस (एक्स ग्रेशिया) के रूप में मिले हैं। अर्थात, इन कर्मियों के खातों में कुल मिलाकर 2486 55 500 रुपए पहुंचे। नियमित कर्मियों के खातों में फॉर्मूला के मुताबिक तय राशि पहुंची।

वहीं, लगभग 150 प्रशिक्षुओं के खातों में 23600 रुपये भेजे गये हैं। उसके अलावा रेलवे, सरकारी क्षेत्र, डीवीसी एवं अन्य निजी क्षेत्र का आकलन करें तो इस बार करीब बोनस का 200 करोड़ रुपये बाजार में आने की उम्मीद है। जानकारी के मुताबिक जिले में मईया सम्मान योजना की 3. 3 2 लाख महिला लाभुकों को सितंबर माह की राशि दुर्गा पूजा में ही देने की घोषणा की गयी है।

क्या कहते हैं दुकानदार

इस बार तिवारी सीजन में दुकानदारों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आयी है। कुछ व्यवसायियों की माने तो बोनस एवं मंईयां योजना से मार्केट की रौनक बढ़ने की जितनी उम्मीद थी, वैसी देखने को नहीं मिल रही है। बारिश के कारण बाजार की रौनक थोड़ी फीकी पड़ी है। वहीं लोगों में बढ़ रही ऑनलाइन खरीदारी की प्रवृत्ति ने भी बंजारों के रौनक को कम किया है। वहीं, कुछ दुकानदारों ने बताया कि इस बार का बिजनेस ठीक है।

सिटी सेंटर4 के रेडिमेड कपड़ों के व्यवसायी ताजीम खान का कहना है कि इस बार बाजार में दम नहीं है। ऑनलाइन खरीददारी ने रेडिमेड कपड़ों के बिजनेस पर असर डाला है।

साड़ी व्यवसायी ज्योति प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि इस वर्ष बोनस का मार्केट पर मिलजुला असर दिख रहा है। बारिश की वजह से बाजार प्रभावित हुआ है। फिर भी स्थिति संतोषप्रद है।

सिटी सेंटर के जाने माने मोबाईल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विक्रेता किरीट बोरा का कहना है कि इस वर्ष ग्राहकों का रेस्पॉन्स बहुत अच्छा है। जी एस टी में आई कमी की वजह से ग्राहक जम के खरीददारी कर रहे हैं। वहीं, बोनस मिलने से भी ग्राहक उत्साहित हैं।

साड़ी विक्रेता विपिन अग्रवाल ने बताया कि बारिश से बाजार की रौनक फीकी अवश्य पड़ी थी। लेकिन अब रौनक लौटी है। बाजार पर ग्राहकों का दबाव भी बढ़ गया है। यदि, बोनस और पहले मिला होता तो और ठीक रहता।

स्वर्ण प्रतिष्ठान के मैनेजर ललन सिन्हा का कहना है कि इस वर्ष बिजनेस में मिलजुला असर है।

बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस 2 में हादसा कैमरे की नजर में

बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान।

बरमसिया चौथी बार बना चैंपियन

खेल में भी करियर की संभावनाएं हैं : उपायुक्त रामनिवास

आजाद सिपाही संवाददाता

डुमरी(बेरमो)। डुमरी प्रखंड के ससारखो पंचायत के लक्ष्मी चौक मैदान में 26 सितंबर से सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत आयोजित 3 दिवसीय डे-नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन रविवार को हुआ। 16 टीमों की सहभागिता से इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच चालमो बरमसिया एवं नागाबाद के बीच खेला गया। इसमें चालमो बरमसिया 74 रनों से विजय हुआ। चालमो बरमसिया लगातार चौथा वर्ष विजेता रहा। विजेता टीम को 25 हजार रुपये व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 15 हजार रुपये व ट्रॉफी दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त रामनिवास यादव उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कुछ गेंदें स्वयं भी खेलकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में डे नाईट क्रिकेट का आयोजन होना अच्छी बात है। खेल में भी करियर की संभावनाएं हैं। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर कहा कि मेरा पूरा प्रयास होगा कि अगले वर्ष का टूर्नामेंट स्टेडियम में हो। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र के समस्याओं से संबंधित मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा। बता दें कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिप सदस्य प्रदीप मंडल द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता रहा है। इस दौरान सीओ शशिभूषण वर्मा, आयोजन कर्ता सह जिप सदस्य प्रदीप मंडल, जिप सदस्य सुनीता कुमारी, झारखंड मुखिया संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुबोध यादव, कमलापति मंडल, मुखिया रेणु देवी, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार, मंडल सचिव कैलाश दास, कोषाध्यक्ष अमृत राय आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा पर सुरक्षा को लेकर उपायुक्त और एसएसपी ने किया विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण, कहा

सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक आदेशों का हर हाल में पालन किया जाना चाहिए

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में रविवार को धनबाद उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने जिले के विभिन्न इलाकों का दौरा कर पूजा पंडालों और मेलों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

फ्लैग मार्च पुलिस केंद्र से शुरू होकर बैंक मोड़, धनसार, कतरास मोड़, झरिया, इंदिरा चौक, लोदना, फुसबंगला, सिंदरी, जोरापोखर, डिगवाडीह, पाथरडीह, गौशाला मोड़, बलियापुर, कलियासोल, एगयारकुंड, कालूबथान, पंचेत, चिरकुंडा, मुगमा, कुमारधुबी, गलफरबाड़ी, निरसा, मैथन, गोविंदपुर होकर गुजरा।

निरीक्षण के दौरान दोनों वरीय अधिकारियों ने पूजा समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक आदेशों का हर हाल में पालन किया जाना चाहिए। समिति सदस्यों को भीड़ प्रबंधन, अग्निशमन की व्यवस्था, आपात स्थिति में त्वरित निकासी मार्ग और बिजली कनेक्शन की जांच जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सभी थाना क्षेत्रों में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। किसी भी प्रकार की अफवाह या अप्रिय घटना फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, एडीएम विधि व्यवस्था श्रीमती हेमा प्रसाद, एसडीएम राजेश कुमार, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, एसडीपीओ निरसा रजत मनिक बाखला, डीएसपी मुख्यालय शंकर कामती, डीएसपी ट्रैफिक अरविंद सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार समेत विभिन्न अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिस प्रशासन के कई अन्य पदाधिकारी व जवान भी शामिल थे।

शांति और सौहार्द के साथ पर्व मनायें : एसएसपी

एसएसपी ने कहा कि किसी भी तरह की सूचना अथवा शिकायत के लिए धनबाद पुलिस के कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 8210840901 या फिर 9262998499 पर भी लोग संपर्क कर सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जायेगी। वरीय पदाधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की कि वे शांति और सौहार्द के साथ पर्व मनाये। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस या डायल 112 पर दें। किसी भी तरह की अफवाह पर बिल्कुल भी ध्यान न दें।

दुर्गा पूजा में तैनात वॉलिंटियर को थाना प्रभारी ने टी-शर्ट का वितरण किया

बोकारो (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा को सामाजिक सोहार्द के साथ शांतिपूर्ण बनाने को लेकर बोकारो जिले के जिला कप्तान हरविंदर सिंह खुद जिले के सभी पंडालो का खुद औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। पूजा में किस तरह विधी व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके इसके लिए वह गंभीर है। इसके लिए पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देशानुसार आज जिले के सभी थाना प्रभारी के द्वारा पूजा पंडाल में तैनात कमेटी के रूप में कार्य करने वाले वॉलिंटियर को शर्ट का वितरण किया गया। यह वितरण थाना प्रभारी चास, माराफारी सिटी, चीरा चास, पिंड्राजोरा एवं नावाडीह में किया गया।

गोमिया के विभिन्न क्षेत्रों के खाद-बीज उर्वरक दुकानों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

ललपनिया। बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा के आदेश पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी मोहम्मद शफीक आलम एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी गोमिया महादेव महतो प्रखंड तकनीकी प्रबंधक बबलू सिंह संयुक्त रूप से गोमिया प्रखंड के अंतर्गत खाद बीज उर्वरक विक्रेताओं के दुकानों का औचक निरीक्षण किया। विदित हो की बोकारो जिला के कुछ जनप्रतिनिधियों नहीं यह शिकायत की थी की बोकारो जिला में उर्वरक निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री हो रही है। साथ ही बाहर में उर्वरक को भेज दी जा रही है जिससे किसानों को सही समय पर उर्वरक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। आज गोमिया प्रखंड के साडम बाजार स्थित हरा भरा बीजकेंद्र, किसान बीज भंडार होसीर, यादव बीज भंडार डंडे साहू बीज भंडार गोमिया आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में बहुत से दुकानदारों के पास वितरण पंजी उपलब्ध नहीं था साथ ही किसानों को दिये जाने वाले कैश मेमो/रसीद उपलब्ध नहीं था। उर्वरक का वितरण पोस मशीन के माध्यम से किया जा रहा है, कुछ दुकानों पर पोस मशीन सही रूप से काम नहीं कर रहा था कुछ दुकानदारों ने डिस्प्ले बोर्ड नहीं लगाया था जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने सभी दुकानदारों को सख्त रूप से निर्देश दिया कि जल्द से जल्द डिस्प्ले बोर्ड, वितरण पंजी, भंडार पंजी आदि का संधारण करना सुनिश्चित करें। कुछ दुकानदारों के पास जो किसानों का सूची उपलब्ध था उनमें से कुछ किसानों से फोन पर बात कर उनसे बीज एवं उर्वरक का मूल्य के बारे में जानकारी प्राप्त किये कि उनको किस दर से यूरिया या धान का बीज उपलब्ध हुआ था।

सिंदरी में भाकपा माले के बैनर तले धरना

झरिया/ सिंदरी (आजाद सिपाही)। धरना प्रदर्शन के तीसरे दिन भाकपा माले के बैनर तले सिंदरी बस्ती के सैकड़ों महिला पुरुष सिंदरी बस्ती में स्थित पंप हाउस में धरना दिया। इसी बीच हर्ल प्रबंधन के द्वारा प्रदर्शन कर रहे एक प्रतिनिधि मंडल को वार्ता के लिए बुलाया गया। वार्ता के लिए सिंदरी विधायक कॉम चंद्रदेव महतो के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल हर्ल कॉन्फ्रेंस हॉल पहुंचा, जिसमें मुख्य रूप से कॉम छोटन चटर्जी, राजीव मुखर्जी, मिथुन मंडल, पिंटू मल्लिक, धनंजय रजवार, प्रकाश पॉल, बैद्यनाथ रजवार मुख्य रूप से शामिल रहे। वार्ता में प्रतिनिधि मंडल के सभी मांगों पर हर्ल प्रबंधन द्वारा सहमति जताया गया। हर्ल द्वारा छोटा डोमगढ़ आदिवासी टोला तथा मल्लिक टोला में तत्काल जलापूर्ति की जायेगी और सिंदरी बस्ती तथा निमटांड में अगले तीन महीने के अंदर जलापूर्ति की जायेगी। इसके अतिरिक्त निमटांड को तत्काल पानी टंकी उपलब्ध कराया जायेगा। सफल वार्ता के बाद कॉम चंद्रदेव महतो, सिंदरी बस्ती पंप हाउस पहुंचकर सभी आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए हर्ल के सहमति पत्र को पढ़े जिसके बाद धरना प्रदर्शन का समापन हुआ। गांव में पानी आ जाने से सिंदरी बस्ती के ग्रामीणों के बीच खुशी की लहर है।

विजयादशमी उत्सव का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस) द्वारा रविवार को संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में महुदा क्षेत्र में विजयादशमी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संघ प्रार्थना, संघ गीत और पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई, जिससे वातावरण राष्ट्रभक्ति और ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। उत्सव के दौरान मछियारा चौक से स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित पथ संचलन करते हुए उत्साह, एकता और अनुशासन का अद्वितीय प्रदर्शन किया। घोष और आनक की मधुर धुन पर कदमताल करते हुए स्वयंसेवकों की कतारें जब महुदा बाजार, ब्रह्म बाबा मंदिर से होते हुए पुनः मछियारा चौक स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, तो समूचा क्षेत्र राष्ट्रभावना से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पारंपरिक शस्त्र पूजन भी किया गया, जो संघ की सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक रहा। मंच से वक्ताओं ने संघ की शताब्दी वर्ष से संबंधित आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की और समाज में सकारात्मक परिवर्तन हेतु स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

बेरमो विधायक की पहल से लोहा पुल की हुई मरम्मत

आजाद सिपाही संवाददाता

गांधीनगर (बेरमो)। बैदकारो पूर्वी पंचायत अंतर्गत तीन नंबर कोल पट्टी काली मंदिर के समीप जर्जर लोहा पुल का बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह के पहल पर मरम्मति कराई गई। इससे क्षेत्र के ग्रामीण काफी खुश है। यह लोहा पुल काफी पुराना और जर्जर हो गया था। कई जगह सड़ कर टूट गया था। जिससे आस- पास के लोगों का आवागमन लगभग बंद हो गया था। लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियां हो रही थी। विशेष रूप से स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वीरेंद्र कुमार सिंह बीस सूत्री सदस्य मनोज कुमार सिंह से यहां के ग्रामीणों ने लोहा पुल की मरमती कार्य कराने का आग्रह किया था। कांग्रेसी नेता और बीस सूत्री सदस्य के सहयोग और विधायक के पहल पर सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के द्वारा यह लोहा पुल का मरमती कार्य कराया गया। त्योहार के समय पुल का मरमती कार्य होने से क्षेत्र की जनता काफी खुश है। मरमती कार्य कराने के लिए क्षेत्र की जनता ने विधायक श्री सिंह को धन्यवाद दिया है।

दी पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम

इस अवसर पर अनेक विभुतियों को सम्मानित किया गया

लोक-नृत्य और लोकगीतों ने भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। दी पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी छठी कक्षा से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया बल्कि अपने अभिभावकों और शिक्षकों को गौरवान्वित भी महसूस करवाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक रेवरेंड डॉ डीएन प्रसाद और मुख्य शैक्षणिक अधिकारी रीता प्रसाद की ईश्वर वंदना (प्रार्थना) से हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि, प्रिया रंजन, (ईडी वर्क्स, बोकारो स्टील प्लांट, सेल) विशिष्ट अतिथि- राजश्री बनर्जी (ई.डी,एच.आर, बोकारो स्टील प्लांट, सेल) और सभागार में उपस्थित अन्य सभी अतिथियों, अभिभावकों का स्वागत करते हुए स्वागत-गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। रंगारंग प्रस्तुतियों में विविध लोक-नृत्य जैसे कि कश्मीरी, डोगरी, राजस्थानी, गुजराती, असमिया, बंगाली ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं हिन्दी नाटक-'बिशपह्स कैंडल स्टिक' की प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि मानवता, करुणा और क्षमा किसी भी कठोर हृदय को बदल सकती है। यहां उल्लेखनीय है कि 'देशभक्ति नृत्य प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार प्राप्त नृत्य की प्रस्तुति पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। लोक-नृत्य और लोकगीतों ने भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरी।

वर्ष 2024-25 में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड- परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय प्रबंधन की ओर से 'अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा' का सौभाग्य प्राप्त करने वाले कुल 'दस' विद्यार्थियों के लिए भी यह अवसर तब और भी खास और स्मरणीय बन गया, जब उन्हें विद्यालय की ओर से 'स्टार मेडल' से नवाजा गया। साथ ही विद्यालय के शिक्षक अजित कुमार सिंह (सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक-(SOF) पुरस्कार से पुरस्कृत), 'गुरु वशिष्ठ पुरस्कार' से पुरस्कृत विद्यालय की शिक्षिका शर्ली मरिया दास को भी विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। 'सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय प्रधानाचार्या पुरस्कार' से पुरस्कृत विद्यालय की प्राचार्या 'डॉ करुणा प्रसाद' को सम्मानित करने हेतु जब मंच पर आमंत्रित किया गया तब सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि 'प्रिया रंजन' ने विद्यालय की अनुशासनप्रियता और बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए इस बात पर बल दिया कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे कि युवा पीढ़ी न केवल अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत कर सकेगी बल्कि वह भारतीय सभ्यता और संस्कृति से रूबरू होकर उसे आत्मसात भी कर सकेगी।

बाघमारा में बेलगाम अपराध: दिनदहाड़े बम विस्फोट का वीडियो वायरल, जनता में दहशत

आजाद सिपाही संवाददाता

युवक खुले मैदान में बम फोड़ता हुआ।

महुदा/बरोरा। बाघमारा पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों का ग्राफ लगातार ऊपर चढ़ता जा रहा है। अब स्थिति यह हो गयी है कि अपराधियों में कानून और पुलिस प्रशासन का खौफ ही खत्म होता जा रहा है। हालांकि, जिले में नये पुलिस कप्तान प्रभात कुमार के आगमन के बाद से अपराध नियंत्रण को लेकर कुछ सकारात्मक बदलाव जरूर देखने को मिले हैं। इसी बीच, एक चौकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जो बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मंदरा पंचायत के खोखीबीघा बस्ती का दावा किया जा रहा हैं। जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक खुले मैदान में बम फोड़ रहा है, जबकि दूसरा युवक उसका वीडियो बना रहा है—मानो यह कोई 'बम परीक्षण' हो। इस वीडियो ने पुलिस की सक्रियता और गश्ती व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गयी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से इस घटना की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 29 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in
12

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।
1. कार्य का नाम एवं स्थान : हजारीबाग–बानादाग खंड के बीच नई दोहरी लाइन के निर्माण के संरेखण में आने वाले विद्युत एचटी (33/11 केवी)/एलटी ओवरहेड लाइनों के अवरोध को हटाना और बानादाग रैपिड लोडिंग यार्ड, एफओबी और सर्कुलेटिंग एरिया में प्रकाश व्यवस्था तथा निर्माण कार्यालय हजारीबाग, कार्यालय भवन, अधिकारी विश्राम गृह, अधिकारी/कर्मचारी क्वार्टर, सर्कुलेटिंग एरिया एवं मु.वि.ई./निर्माण/दक्षिण/एमएचएक्स के तहत किसी अन्य स्थान पर नवीकरण/उन्नयन के संबंध विद्युत कार्य। e-Tender No. EL-C-S-MHX-ETEN-04-25-26. 2. अनुमानित कार्य की लागत : ₹14,27,17,791.22, 3. निविदा प्रपत्र का मूल्य : रू शून्य। 4. जमा किए जाने वाले बयाना राशि : NIT के अनुसार। 5. कार्य पूर्ण करने का समय : 06 माह। 6. निविदा बंद होने का तिथि एवं समय : 17.10.2025 दोपहर 12.00 बजे तक। 7. निविदा की उपलब्धता : IREPS वेबसाईट www.ireps.gov.in.
हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।
उप मुख्य विद्युत अभियंता–II/
निर्माण/दक्षिण/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/1046/एमएचएक्स/विद्युत/टी/25–26/36

एक्टर विजय की रैली में भगदड़ से मरनेवालों की संख्या 40 पहुंची

9 साल की बच्ची के खोने की खबर से बेकाबू हुई भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

चैन्नई । तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में शनिवार शाम को भगदड़ मच गयी। सीएम स्टालिन के मुताबिक हादसे में 40 लोगों की मौत हो गयी। इनमें 16 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। 51 लोग क्व्व में भर्ती हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

इधर, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने रात को ही हाईलेवल मीटिंग ली और देर रात को ही करूर पहुचें। स्टालिन ने हॉस्पिटल जाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और घायलों से मुलाकात की है। उधर, गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। वहीं, घटना के बाद विजय घायलों से नहीं मिले। वे चार्टर्ड फ्लाइट से सीधे चेन्नई चले गये।

इस बीच घटना के बाद करूर से तुरंत चेन्नई रवाना हुए विजय ने रविवार सुबह इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख जताया। साथ ही कहा कि उनकी पार्टी और कार्यकर्ता सभी प्रियजनों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का एलान किया गया है।

अभिनेता विजय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, करूर में कल जो कुछ हुआ, वह कल्पना से परे है। उसके बारे में सोचते ही मेरा दिल और दिमाग गहरे बोझ से दब जाते हैं। अपने प्रियजनों को खोने के असीम दुख के बीच, मेरे पास अपने हृदय की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरी आंखें और मन शोक से ढंके हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा, आप सबके चेहरे, जिनसे मैं मिला हूं बार-बार मेरी यादों में उभर रहे हैं। जैसे-जैसे मैं उन प्रियजनों के बारे में सोचता हूँ, जिन्होंने स्नेह और देखभाल दिखाई है, मेरा दिल और भी अस्थिर हो जाता है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि हमारे सभी प्रियजन जो घायल हैं और इलाज करा रहे हैं, वे शीघ्र स्वस्थ होकर अपने घर लौटें। मैं यह भी आश्वासन देता हूं कि हमारी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) इलाज करा रहे सभी प्रियजनों को दृढ़ता से आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी।

पीएमओ ने किया मुआवजे का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय (पीएमओ) की तरफ से करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गयी है। घायलों को 50,000 रुपये देने का एलान किया गया है। इससे पहले शनिवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने घटना को बेहद दुखद बताया था। उन्होंने कहा था, मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। इस कठिन समय में ईश्वर उन्हें शक्ति प्रदान करे। पीएम ने घायलों के लिए शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की।

बिहार के साथ ही घाटशिला उप चुनाव कराने की घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने आज बिहार विधानसभा चुनाव के साथ साथ अन्य राज्यों में भी विधानसभा उप चुनाव कराए जाने की आधिकारिक घोषणा की। निर्वाचन आयोग के डिप्टी डायरेक्टर पी पवन द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि बिहार विधानसभा चुनाव के साथ साथ झारखंड की घाटशिला, जम्मू-कश्मीर के बपदवाम और नगरौटा, राजस्थान के अंटा, तेलंगाना के जुबली हिल्स, पंजाब के तरनतारन, मिजोरम के डंपा और उड़ीसा के नौपदा विधानसभा उप चुनाव भी कराए जाएंगे। इसके लिए निर्वाचन आयोग अखिल भारतीय सेवा के 470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त करेगा। उनमें 320 आईएएस, 60 आईपीएस एवं 90 अधिकारी आईआरएस, आईआरएएस एवं आईसीएस सेवा के होंगे। जानकारी के अनुसार निर्वाचन आयोग ने केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाने के लिए झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारियों का नाम भी मांग चुका है। हालांकि अभी तक झारखंड द्वारा भेजे गए नामों में किसे पर्यवेक्षक बनाया जाएगा, इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है। यहां मालूम हो कि झामुमो विधायक सह मंत्री रामदास सोरेन के निधन से झारखंड के घाटशिला विधानसभा का अभी कोई प्रतिनिधि नहीं है। वहां से कोई विधायक नहीं है। हालांकि बिहार के साथ साथ घाटशिला विधानसभा उप चुनाव के संकेत पहले से थे। इसके मद्देनजर ही इंडिया और एनडीए गठबंधन के संभावित प्रत्याशियों ने अपना अपना चुनाव प्रचार अभियान प्रारंभ कर दिया है। इनमें स्वर्गीय रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरन प्रमुख हैं। सोमेश बतौर झामुमो प्रत्याशी और बाबूलाल भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपना प्रचार अभियान चला रहे हैं।

मिथुन मन्हास बीसीसीआइ के नये अध्यक्ष

नयी दिल्ली। फॉर्मर डोमेस्टिक क्रिकेटर मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ के अध्यक्ष बन गये है। वे 37वें बीसीसीआइ अध्यक्ष हैं। इसका ऐलान रविवार को मुंबई में बीसीसीआइ ऑफिस में हुई एनुअल जनरल मीटिंग के बाद हुआ। मन्हास इस पद पर निर्विरोध चुने गये। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर मिथुन मन्हास को बधाई दी। उन्होंने लिखा- मिथुन मन्हास आधिकारिक रूप से बीसीसीआइ के अध्यक्ष बन गये हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने दो आतंकी ढेर किये

जम्मू-कश्मीर जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी छ्ङ्गउ पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, शव लोक के बहुत करीब पड़े हैं। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। मारे गये आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आयी है।

पांच दिन की हिरासत में भेजा गया आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली के वसंतकुंज स्थित आश्रम में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपित स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को शनिवार रात पुलिस ने आगरा के ताजगंज इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया। रविवार को आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। पुलिस ने अदालत से आरोपी की पांच दिन की हिरासत की मांग की, जिसे जज ने मंजूरी दे दी। माना जा रहा है कि पुलिस की पूछताछ में आरोपी कई बड़े खुलासे कर सकता है।

तीन अरब से अधिक की संपत्ति पर चाहता था कब्जा करना : दिल्ली पुलिस ने स्वामी को आगरा से बीती रात करीब 3.30 बजे पकड़ा है। इस बीच चैतन्यानंद उर्फ पार्थसारथी को लेकर रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। बताते हैं कि पाखंडी मठ की तीन खरब से अधिक की संपत्ति पर कब्जा करना चाहता था। इसके लिए उसने पीठ के विश्वास को तोड़ा, ताकि वह इस संपत्ति पर कब्जा कर सके।

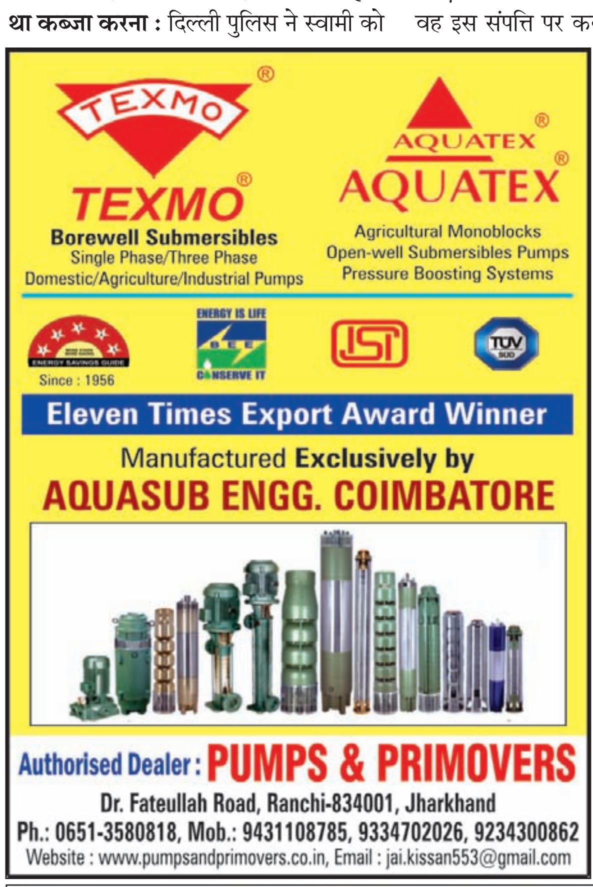

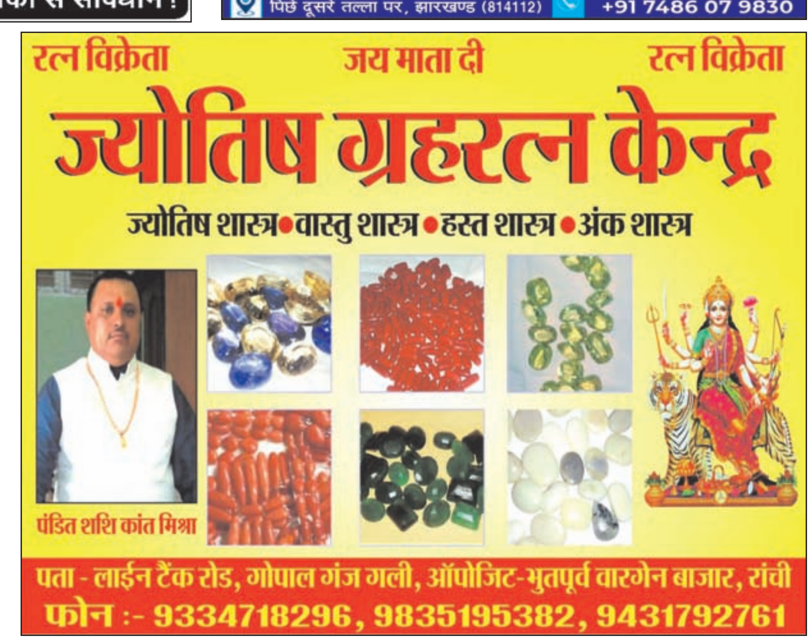

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**